राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

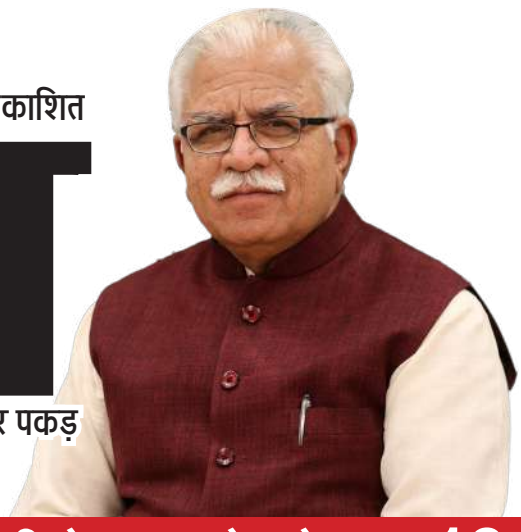

12 भारतीय-अमेरिकी बिजनेस लीडर शमीना सिंह को अमेरिकी राष्ट्रपति.....

सीएम खट्टर ने दिल्ली में बाढ़ के लिए हरियाणा को जिमेदार ठहराने वाले..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 65 | नई दिल्ली, मंगलवार, 18 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राजनीतिक विवाद से ऊपर उठकर सर्वसम्मति से डीईआरसी अध्यक्ष चुने: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राजनीतिक विवाद से ऊपर उठकर दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के अध्यक्ष पद के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश का नाम चुनने का सुझाव देते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने डीईआरसी अध्यक्ष की नियुक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी और उपराज्यपाल की पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे को ये सुझाव दिया। पीठ ने कहा, ह्लक्या हर चीज को उच्चतम न्यायालय के तौर-तरीकों के अनुसार चलना होगा। वे (मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल) एक साथ बैठ सकते हैं। दोनों सहमत नामों की एक सूची दे सकते हैं। ये दो संवैधानिक पदाधिकारी हैं। उन्हें राजनीतिक झगड़ों से ऊपर उठना होगा।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह भी कहा कि अगर ऐसा कोई कानून होता तो हम एक नाम का सुझाव दे देते। हमारे पास उपयुक्त लोगों की एक पूरी टोली है। शीर्ष अदालत के इस सुझाव पर श्री सिंघवी ने कहा, 'अगर वे (उप राज्यपाल) सहमत हो जाएं तो मुझे (दिल्ली सरकार को) कोई दिक्कत नहीं है।' श्री साल्वे ने अपनी ओर से कहा कि उन्हें इसमें कोई दिक्कत नहीं

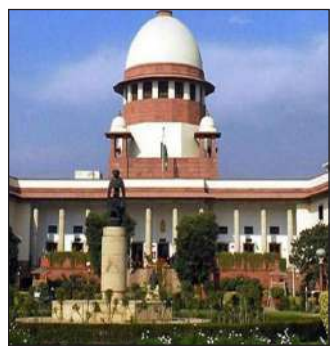

है। ऐसा होना ही चाहिए। केंद्र की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के प्रस्ताव की सराहना की। उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि मामला जीएनसीटीडी अधिनियम की धारा 45-डी की वैधता से भी संबंधित है, जिसे केंद्र द्वारा जारी नवीनतम अध्यादेश द्वारा संशोधित किया गया है।

उन्होंने कहा, हम (केंद्र सरकार) ने 20 जुलाई से शुरू होने वाले सत्र में संसद के समक्ष इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। यह वर्तमान स्वरूप में आ भी सकता है और नहीं भी। श्री सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कि केंद्र दिल्ली सरकार की मुफ्त बिजली से संबंधित सबसे लोकप्रिय योजना में देरी करना और उसे अटकाना चाहता है। शीर्ष अदालत के समक्ष 04 जुलाई को सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कि उनकी (दिल्ली सरकार) की सहमति के बिना न्यायमूर्ति कुमार को डीईआरसी के अध्यक्ष पद पर नियुक्त करना उपराज्यपाल का एकतरफा फैसला कानून सम्मत नहीं है। बिजली मंत्री आतिशी के खराब स्वास्थ्य के कारण कार्यक्रम स्थगित होने के बाद 03 जुलाई को उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री को न्यायमूर्ति कुमार का शपथ ग्रहण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूरा करने की सलाह दी थी। डीईआरसी के अध्यक्ष का पद गत नौ जनवरी से खाली है। निवर्तमान अध्यक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शबीहुल हसनैन के 65 साल के होने के कारण यह पद खाली है।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,355
चांदी	69,700
सेंसेक्स	65,280
निफ्टी	19,332

संक्षिप्त खबरें

विपक्षी बैठक खानदानी खुरचन साबित होगी : नकवी

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि चौबीस के चुनावी चुल्हे पर ख्याली खिचड़ी, खानदानी खुरचन साबित होगी। श्री नकवी ने सोमवार को यहाँ पत्रकारों द्वारा विपक्षी दलों की बैठक पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा,सपना एक, मुंगेरी अनेक के अंतर्विरोध के अखाड़े में एकता का नगाड़ा टांय-टांय फिस्स होगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला जांचा परखा खरा गठबंधन है, दूसरी तरफ कांग्रेस की बेवफाई का बन्धन है। कांग्रेस की सोच है, परिवार को पावर, नहीं तो दूसरे के लिए खड़ा करो परेशानी का टावर। भाजपा नेता ने कहा कि जो क्षेत्रीय राजनीतिक दल आज कांग्रेस का हाथ थामने की कोशिश में लगे हैं उन्हें याद रखना चाहिए कि कांग्रेस हमेशा से ही क्षेत्रीय दलों को ह्यराष्ट्रीय हितों के लिए खतरा बताती रही है जबकि भाजपा क्षेत्रीय दलों को क्षेत्रीय आकाँक्षाओं और राष्ट्रीय हितों की ताकत मानती है।

अर्जेंटीना 8675 करोड़ से खरीदेगा स्वदेशी तेजस मार्क-1 ए और एलसीएच प्रचंड

अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री मंगलवार को राजनाथ सिंह के साथ करेंगे द्विपक्षीय बैठक

- दोनों पक्षों के बीच रक्षा और सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री जॉर्ज तयाना भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंच गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मंगलवार को वे द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों पक्षों के बीच रक्षा और सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री के इस दौरे में भारत के साथ चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान तेजस मार्क-1 ए और एलसीएच प्रचंड के लिए 8675 करोड़ रुपये का सौदा होने की भी संभावना है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री जॉर्ज तयाना मंगलवार को दिल्ली में अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले हैं। बैठक के

दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा और सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की उम्मीद है। दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र ने 2022 में अर्जेंटीनियाई वायु सेना के लिए स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस में रुचि व्यक्त की थी। इस जून की शुरूआत में अर्जेंटीना में भारतीय राजदूत दिनेश भाटिया ने अर्जेंटीना वायु सेना के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जेवियर इसाक से तेजस लड़ाकू विमानों में सहयोग पर चर्चा की थी। अर्जेंटीना की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में निर्मित विभिन्न प्रकार के हेलिकॉप्टरों पर नजर है। अर्जेंटीना में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया है कि एचएएल की तकनीकी टीम से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में राजदूत दिनेश भाटिया के साथ अर्जेंटीना वायु सेना के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जेवियर इसाक होंगे, ताकि तेजस लड़ाकू विमानों और एचएएल में निर्मित विभिन्न हेलिकॉप्टरों के बारे में चर्चा की जा सके। दरअसल, अर्जेंटीना को 12 हल्के लड़ाकू विमानों की जरूरत है, जिसके लिए उसे चीन और एचएएल से आशय पत्र मिला है। शुरूआत में माना जा रहा था कि यह सौदा भी चीनी जेएफ-17 बनाम तेजस मुकाबला बन गया है लेकिन एचएएल ने इस मामले को तेजी से आगे बढ़ाया है। एचएएल को तेजस की 50 से अधिक प्रणालियों और उप-प्रणालियों को बदलने की आवश्यकता होगी, जिसकी आपूर्ति यूके की फर्मों जैसे बीएई सिस्टम्स, कोबम और मार्टिन-बेकर से की जाती है। अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री जॉर्ज तयाना की अपने समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक में एचएएल के साथ 15 तेजस मार्क-1 ए और लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड के लिए 8675 करोड़ रुपये का सौदा होने की संभावना है। इससे पहले अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री और वायुसेना प्रमुख ने एयरो इंडिया 2023 में तेजस में उड़ान भरकर इस विमान को खरीदने की इच्छा जताई थी। भारत में बना हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस कई देशों की पहली पसंद बनता जा रहा है। मलेशिया के बाद अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, मिस्र, अमेरिका, इंडोनेशिया और फिलीपींस ने तेजस को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। मलेशिया ने अपने लड़ाकू जेट कार्यक्रम के लिए चीनी जेएफ-17 के मुकाबले तेजस एमके-1ए को खरीदने का फैसला लिया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने रॉयल मलेशियाई वायु सेना को आरएफआई का जवाब भी दे दिया है। इसके बाद एचएएल को जल्द ही तेजस का पहला एक्सपोर्ट ऑर्डर मिल सकता है।

विपक्षी गठबंधन भानुमति का कुनबा है: जेपी नड्डा

लखनऊ, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी गठबंधन पर हमला बोलते हुए उसे भानुमति का कुनबा करार दिया है। नड्डा ने कहा कि विपक्षी गठबंधन यूपीए के पास न नीति है, न तो इनके पास नेता है, न ही नीयत है और न ही कोई कार्यक्रम की रूप रेखा। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन सिर्फ 20 लाख करोड़ रुपये के घोटाले से बचने के लिए एक जुड़ाव है। देश की जनता ने तय कर लिया है कि वह 2024 में एनडीए की सरकार बनाएगी। सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में नड्डा ने कहा कि बीते नौ साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सभी वर्गों का विकास हुआ है। डिजिटल टूल का उपयोग बढ़ा है, इसलिए पारदर्शिता में बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गुड गवर्नेंस पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना प्रबंधन में भारत ने दुनिया में मिसाल पेश की है। वैक्सीन बना कर देश को इस बीमारी से निजात दिलायी। मोदी ने समाज के साथ कोरोना की लड़ाई लड़ी। जनता की भागीदारी के साथ कोरोना के खिलाफ जंग जीती। उन्होंने कहा कि दुनिया आर्थिक मंदी से गुजर रही है, इसके बावजूद आईएमएफ की रिपोर्ट कहती है कि भारत की आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी है। एनडीए का गठबंधन सेवा के लिए है, भारत को मजबूती देने के लिए है। देश में एनडीए का दायरा बढ़ रहा है। नड्डा ने कहा कि 9 साल के अंदर गांव, गरीब, शोषित, पीड़ित, वंचित, दलित, युवा, महिला, किसान इन सबके प्रति स्कीम्स को फोकस किया गया है। इससे इनके सशक्तिकरण में हमें बहुत सफलता मिली है। पिछले 9 वर्षों में मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत लीडरशिप देखने को मिली है, जिसको देश ने भी सराहा है और एक बहुत ही पॉजिटिव वातावरण बना है। कोरोना प्रबंधन में मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया में मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत 28 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। हमने लगभग 4-5 लाख करोड़ रुपये की लीकेज को बंद कर दिया है। इसके अलावा शासन में डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ा है, जिससे पारदर्शिता आई है।

2381 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ नष्ट किये गये

नई दिल्ली, एजेंसी

मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो ने सभी राज्यों के मादक पदार्थ रोधी कार्रवाई बलों के साथ मिलकर सोमवार को देश भर में अलग-अलग जगहों पर 2,381 करोड़ रूपए मूल्य के एक लाख 40 हजार किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को नष्ट किया गया जो एक दिन में सर्वाधिक मादक पदार्थ नष्ट करने का रिकॉर्ड है। मादक पदार्थ तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर यहां आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान ये मादक पदार्थ नष्ट किये गये। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की। सम्मेलन के दौरान देश भर में ब्यूरो के विभिन्न एजेन्सियों के साथ समन्वय से विभिन्न हिस्सों में 2,381 करोड़ रूपए मूल्य के एक लाख 40 हजार किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को नष्ट किया गया, जो एक दिन में सर्वाधिक मादक पदार्थ नष्ट करने का रिकॉर्ड है। श्री शाह ने इस मौके पर कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी और उपयोग से ना सिर्फ आने वाली नस्लें बरबाद होती हैं, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय क्षेत्रीय सम्मेलनों के माध्यम से निरंतर अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देश के सामने लक्ष्य रखा है कि जब देश की आजादी की शताब्दी मनाई जाए तब तक भारत और इसके युवा नशामुक्त हो जाएं। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्यों और केन्द्र दोनों को

मिलकर काम करना जरूरी है। उन्होंने इस मौके पर परमवीर चक्र से सम्मानित निर्मलजीत सिंह सेखों को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज ब्यूरो के अमृतसर क्षेत्रीय कार्यालय के लिए 12 करोड़ रूपए की लागत से एक नए भवन का निर्माण, भुवनेश्वर कार्यालय का उद्घाटन और दिल्ली में एक नए कार्यालय का भूमिपूजन भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इन कार्यालयों के माध्यम से इन दोनों राज्यों में नशे के खिलाफ लड़ाई और मजबूती होगी। उन्होंने कहा कि आज यहां नशामुक्त भारत पर एक सार संग्रह का विमोचन भी किया गया है। उन्होंने कहा, ह्ल ड्रग्स के खिलाफ इस लड़ाई में हम जितनी जानकारी जिला तंत्र, एनजीओ और स्कूलों तक पहुंचाएंगे, यह लड़ाई उतनी मजबूत होगी। ये सिर्फ नशे पर नकेल कसने या संपूर्ण विजय प्राप्त करने की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस लड़ाई में सबसे बड़ी विजय प्राप्त करने का रास्ता जागरूकता पैदा करना है। जब तक हम देश के युवाओं और अभिभावकों के मन में नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा नहीं करते, तब तक ये लड़ाई हम नहीं जीत सकते। श्री शाह ने कहा कि 2006 से 2013 के बीच मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों में कुल 1250 मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2014 से 2023 के 9 सालों में 3,700 मामले दर्ज हुए हैं, जो 200 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। पहले कुल 1,360 गिरफ्तारी हुई थी, जो अब 5,650 हो गई हैं, जो 300 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। जब्त पदार्थों की मात्रा पहले 1.52 लाख किलोग्राम थी, जो अब 160 प्रतिशत बढ़कर 3.94 लाख किलोग्राम हो गई है। उन्होंने कहा कि 2006 से 2013 के बीच 5,900 करोड़ रूपए के ड्रग को नष्टज किया गया था, 2014 से 2023 के बीच 18,100 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ नष्टू किये गये जो इस अभियान की सफलता को दशार्ता है। सम्मेलन में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना भी उपस्थित थे। इसके अलावा पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक, केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के उपराज्यपाल, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी सम्मेलन में शामिल हुए। ओडिशा के गृह राज्य मंत्री ने सम्मेलन में भाग लिया। केन्द्रीय गृह सचिव, ब्यूरो के महानिदेशक और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों तथा सरकार के संबद्ध मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मेलन में उपस्थित थे।

विपक्षी आवाज दबाने को करती है सरकार एजेंसी का दुरुपयोग : खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि मोदी सरकार बदले की भावना से काम कर विपक्ष की आवाज दबाने के लिए एजेंसियों का दुरुपयोग करती है इसलिए समान विचार धारा वाले विपक्षी दलों को गठबंधन बनाने की जरूरत पड़ी है। श्री खड़गे ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते थे कि वह अकेले ही पूरे विपक्ष पर भारी है लेकिन अब वह खुद को शायद कमजोर महसूस कर रहे हैं इसलिए आम चुनाव के मद्देनजर उन दलों को भी साथ जोड़ने की कोशिश में हैं जिनको पहले महत्वहीन समझकर किनारे कर दिया गया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, मोदी जी ने संसद में कहा था कि ह्यएक अकेलाह्न ही सब पर काफी है, फिर उन्हें 29-30 पार्टियों की जरूरत क्यों पड़ी। हैरानी की बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी को अचानक वैचारिक रूप से विरोधी पार्टियों का गठबंधन बनाने की जरूरत महसूस हुई है। श्री खड़गे ने कहा, सभी समान विचारधारा वाले दल सरकार की प्रतिशोध की राजनीति के खिलाफ एकजुट हैं और लोकतंत्र को

कुचलने की इन कायरतापूर्ण रणनीति से नहीं डरेंगे। हमारा जो गठबंधन है, वो तो संसद में एक साथ मिलकर काम करता है। उनका एक ही उद्देश्य है लोकतंत्र को खत्म करने के लिए विपक्ष को एजेंसियों के दुरुपयोग से धमकाना। पर हम निडर हैं। उनकी साज़िशों का डटकर सामना करेंगे और जनता की आवाज उठाएँगे। उन्होंने तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री डॉ के पोनमुडी के ठिकानों पर की गई छापामारी की भी निंदा की और कहा, हम अपनी महत्वपूर्ण विपक्षी बैठक से ठीक पहले तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री डॉ. के. पोनमुडी के खिलाफ ईडी की छापेमारी की निंदा करते हैं। विपक्ष को डराने और विभाजित करने के लिए यह मोदी सरकार की पूर्वनियोजित साजिश है।

रक्तदान संबंधी गलत धारणाओं को दूर करने में मदद करे रेड क्रॉस : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रेड क्रॉस सोसायटी से रक्तदान से संबंधित गलत धारणाओं को दूर करने और लोगों, विशेषकर युवाओं को इस महान सामाजिक उद्देश्य से जोड़ने के लिए काम करने का आग्रह किया है। श्रीमती मुर्मू ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की वार्षिक बैठक के औपचारिक सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि परोपकार को भारतीय परंपरा में सबसे महत्वपूर्ण मानवीय मूल्य माना गया है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी 100 से अधिक वर्षों से लोगों की सेवा कर रही है। रेड क्रॉस ने प्राकृतिक आपदाओं और स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान राहत कार्यों के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने मानवता के प्रति समर्पण और सेवा के लिए सोसायटी के सभी सदस्यों तथा स्वयंसेवकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानव सेवा के प्रति उनका समर्पण, करुणा और निस्वार्थ भाव अन्य लोगों को प्रेरित करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी मानवता के कल्याण के लिए काम करना जारी रखेगी। राष्ट्रपति ने रेड क्रॉस सोसायटी की सराहना करते हुए कहा कि वह देश भर में 100 से अधिक रक्तदान केंद्रों और मोबाइल अभियानों के माध्यम से, देश में रक्त की कुल आवश्यकता का लगभग 10 प्रतिशत पूरा करती है। उन्होंने कहा कि इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी जरूरतमंद लोगों के लिए सुरक्षित रूप से रक्त संग्रह करके और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उत्कृष्ट भूमिका निभा रही है। उन्होंने रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्यों से रक्तदान से संबंधित गलत धारणाओं को दूर करने और लोगों, विशेषकर युवाओं को इस महान सामाजिक उद्देश्य से जोड़ने के लिए काम करने का आग्रह किया।

यूसीसी समान नागरिक संहिता के समर्थन में दक्षिण के मुस्लिम.....

यूसीसी से किसी धर्म को खतरा नहीं, जन्म से मरण तक परंपराएं रहेंगी सुरक्षित: इंद्रेश

कोयंबटूर, एजेंसी

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार इन दिनों तमिलनाडु की यात्रा पर हैं। वे वहां मुस्लिम समुदायों के बीच समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के बारे में फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए निरंतर सभाएं व संवाद कर रहे हैं। कोयंबटूर में ऐसी ही एक सभा में उन्होंने कहा कि एक देश, एक झंडा, एक नागरिकता, एक विधान से किसी को कोई नुकसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में जितनी भी विविधता है, चाहे वह धार्मिक, जातिगत या सांस्कृतिक हों, वह सभी पूरी तरह से सुरक्षित हैं और समान नागरिक संहिता के लागू होने से इन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इंद्रेश कुमार ने लोगों को समझाते हुए कहा कि यूसीसी लागू होने से सभी धर्मों के जन्म, जीवन, जलाने अथवा विवाह के किसी भी परंपरा को कोई नुकसान या हानि नहीं होगी। जैसे जो धर्म अपनी परंपराएं निभाता है, वो आगे भी निभाएगा। यह कोरी बकवास है कि हर धर्म के लोगों को जलाया जाएगा, दफनाया नहीं जायेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जहां निकाह होता है वहां निकाह की ही परंपरा रहेगी और जहां सात फेरे लेने की परंपरा है, वह अपनी जगह रहेगी। कॉमन सिविल कोड से इनमें कोई परिवर्तन नहीं आएगा। जिस मंच से इंद्रेश कुमार ने लोगों को संबोधित किया उस समारोह में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं और पुरुष मौजूद थे। वहां उपस्थित मुस्लिम महिलाओं, पुरुषों तथा समाज के अन्य बुद्धिजीवियों ने हाथ उठाकर यह

संकल्प लिया कि वे सभी सरकार और विधि आयोग के कदमों का स्वागत करते हुए यूसीसी कानून के लाए जाने के पक्ष में हैं । बैठक की अध्यक्षता मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने की। उनके साथ राष्ट्रीय संयोजक विराग पाचपोर, शाहिद अख्तर, गिरीश जुयाल समेत अनेक गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद थे। दरअसल, यूसीसी को लेकर सुझाव, विरोध और समर्थन को लेकर अनेक संगठनों, संस्थानों, दलों, नेताओं और समुदायों के बीच महीने भर से जद्दोजहद जारी है। हर कोई अपने अपने हिसाब से विरोध और समर्थन का दांव आजमा रहा है। जमीअत उलेमा हिंद जैसे कई संगठन क्यू आर कोड के जरिए समर्थन जुटाकर इसका विरोध कर रहे हैं तो देश की एकमात्र राष्ट्रवादी मुस्लिम संगठन होने का दावा करने वाला मुस्लिम राष्ट्रीय मंच खुलकर समर्थन करने के साथ ही जनजागरण अभियान चला रहा है। साथ ही साथ लाखों के तादाद में समर्थन भी विधि आयोग तक जुटाने में जुटा है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी अपना क्यू आर कोड कानून के समर्थन में जारी किया हुआ है। मंच के राष्ट्रीय संयोजक शाहिद अख्तर ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा यूसीसी के पक्ष में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पिछले कुछ साल से चल रहा है और देखा जाए तो अब तक देशभर में छोटे बड़े 10 हजार से अधिक कार्यक्रम इस पर आयोजित हो चुके हैं। लोगों के भ्रम को दूर करने में मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने कहा कि देश की एकता-अखंडता के लिए मिलजुलकर रहने का आह्वान हर तरफ से होना चाहिए। एक देश, एक कानून की मांग का मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने पूर्ण समर्थन किया है और इस संबंध में मंच का मानना है कि जो पार्टियां मुस्लिमों को भड़का रही हैं, उनसे देश के मुसलमानों को सावधान रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ हेली सेवा के नाम पर ठग करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार, देशभर में साइबर ठगी की 21 शिकायतें दर्ज

देहरादून, एजेंसी। श्री केदानाथ धाम दर्शन के लिए हेली सेवा के नाम पर श्रद्धालुओं से साइबर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना को उत्तराखंड पुलिस की एसटीएफ ने बिहार से नवादा से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान नीरज कुमार निवासी ग्राम पोक्सी, पोस्ट केसोरी, थाना पकरीबरवां, जनपद नवादा, बिहार के रूप में हुई। ठग के खिलाफ देश के अलग-अलग थानों में 21 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। गिरोह के दो सदस्य सन्नी राज निवासी ग्राम मोहब्बतपुर, पोस्ट पन्हेसा, थाना शेखोपुर सराय, जनपद शेखपुरा, बिहार और बाबी रविदास निवासी ग्राम मोहब्बतपुर, पोस्ट पन्हेसा, थाना शेखोपुर सराय, जनपद शेखपुरा, बिहार को एसटीएफ ने कुछ समय पहले ही गिरफ्तार किया था। पूछताछ में पता चला है कि आरोपित को दिसंबर वर्ष 2021 में कोतवाली जयपुर राजस्थान पुलिस ने जेल भेजा था। ठग फोन पर लड़की बनकर लोगों को ठगता था।

फुटकर में 110 रु. किलो से ज्यादा बेचा टमाटर तो होगी कार्रवाई, लोगों को राहत दिलाने के लिए आदेश

देहरादून, एजेंसी। जिला प्रशासन ने बैठक कर लोगों को राहत दिलाने के लिए आदेश जारी किए हैं, जिसके अनुसार टमाटर को 100 से 110 रुपये से अधिक कीमत पर नहीं बेचा जाएगा। फुटकर में अब कोई भी व्यापारी टमाटर को 100 से 110 रुपये से अधिक नहीं बेच पाएगा। टमाटर की मनमानी कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने यह आदेश जारी किया हैं। अगर कोई व्यापारी इससे अधिक दाम पर टमाटर बेचता है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने उपजिलाधिकारियों के नेतृत्व में टमाटर मूल्य नियंत्रण अनुश्रवण टीम का गठन किया है। शनिवार को जिला प्रशासन ने बैठक कर लोगों को राहत दिलाने के लिए आदेश जारी किए हैं।

सड़कों के गड्ढे लोगों को दे रहे दर्द

देहरादून, एजेंसी। शहर की मुख्य सड़कों से लेकर गली मोहल्लों की सड़कों पर गड्ढे और जलभराव लोगों के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं। जलभराव में गड्ढे नजर नहीं आते और लोग इनमें गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को झेलनी पड़ रही है। शहर में एस्लेहॉल चौक, राजपुर रोड, रेलवे स्टेशन चौक, प्रिंस चौक, आईएसबीटी चौक समेत कई जगहों पर सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के बाद यहां जलभराव भी हो रहा है। ऐसे में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे शहर के कई इलाकों में बारिश के बाद सड़कों से लेकर गली मोहल्लों तक जलभराव हो गया।

8000 हेक्टेयर फसल को क्षति, मुआवजे के दायरे में 1600 हेक्टेयर

हरिद्वार, एजेंसी। बरसात से जनपद में करीब आठ हजार हेक्टेयर फसल को क्षति पहुंची है। जबकि 1600 सौ हेक्टेयर फसल मुआवजे के दायरे में आई है। राजस्व विभाग की रिपोर्ट आने के बाद पीड़ित किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। हालांकि, राजस्व और कृषि विभाग की टीम नुकसान का आंकलन करने में जुटी है। जनपद में करीब 15 हजार हेक्टेयर जमीन पर धान की रोपाई होती है। गन्ने की बुआई भी लगभग 65 हजार हेक्टेयर पर की गई है। किसान फसलों को तैयार करने में जुटे थे, लेकिन भारी बरसात ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का काम किया है। करीब एक सप्ताह तक हुई मूसलाधार बरसात से लोगों को भारी नुकसान पहुंचा है। जिसमें लोगों के घरों में रखा सामान नष्ट हो गया है तो मकान क्षतिग्रस्त और दीवार गिर गई है। सड़कें बह गई हैं और पुल टूट गए हैं। देहात क्षेत्र में पशुपालकों के मवेशी भी बरसात के तेज बहाव में बहे हैं। बरसात से किसानों को भी भारी हानि हुई है। किसानों के खेतों में खड़ी फसलें भी नष्ट हुई हैं। कृषि विभाग की ओर से शुक्रवार तक किए गए सर्वे में जनपद में गन्ना, धान आदि फसलों के 7891 हेक्टेयर फसल क्षतिग्रस्त होने का आंकड़ा दर्ज किया गया है। इसमें से 1600 हेक्टेयर फसल 33 फीसदी से अधिक नष्ट हुई है।

स्वास्थ्य चिंतन शिविर : 25 साल के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे सभी राज्य

देहरादून, एजेंसी।
स्वास्थ्य चिंतन शिविर में डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देश के हर गांव में आयुष्मान चौपाल लगेगी।अंगदान प्रक्रिया का सरलीकरण होगा। वहीं लिंगानुपात में समानता लाने को पीसीपीएनडीटी एक्ट में संशोधन किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देश के अमृतकाल के अगले 25 साल के लिए सभी राज्य स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे। यह डॉक्यूमेंट लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान के लिए एक मार्गदर्शन करेगा। देश के हर गांव में आयुष्मान चौपाल लगाई जाएगी।

लिंगानुपात में समानता लाने के लिए पीसीपीएनडीटी एक्ट (पूर्व गर्भाधान और प्रसव पूर्व निदान तकनीकी एक्ट) में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए सभी राज्यों से सुझाव लिए जाएंगे। अंगदान की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाएगा। देहरादून के ओल्ड राजपुर रोड स्थित होटल रीजेंसी में आयोजित दो दिवसीय स्वास्थ्य चिंतन शिविर समापन हो गया है।

शिविर के दूसरे दिन शनिवार को अलग-अलग सत्रों में सात मुद्दों पर मंथन किया गया। इसमें टीबीमुक्त भारत अभियान, आयुष्मान भव, लिंगानुपात, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, आयुष्मान भारत हेल्थ

अकाउंट, अंगदान समेत कई मुद्दों पर मंथन किया गया।

चिंतन बैठक के समापन के बाद प्रेसवार्ता में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि अमृतकाल के आने वाले 25 साला में देश को स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट राष्ट्र बनाने के लिए सभी राज्य भी विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय चिंतन शिविर की तर्ज पर सभी राज्य भी अपने यहां दो दिन का चिंतन शिविर आयोजित करेंगे।

सभी राज्यों की ओर से दिए गए सुझाव: देश के हर गांव में लगाई जाने वाली आयुष्मान चौपाल में आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी बनाने के साथ लोगों के स्वास्थ्य की जांच भी की जाएगी। शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने वाले गांवों को आयुष्मान गांव घोषित किया जाएगा। सभी राजकीय मेडिकल कॉलेज हर सप्ताह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कैंप लगाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चिंतन शिविर में 2025 तक देश को टीबीमुक्त करने पर चर्चा की गई। इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए सभी राज्यों की ओर से सुझाव दिए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लिंगानुपात में समानता लाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार मिशन मोड में काम करेगी। इसके लिए पीसीपीएनडीटी एक्ट में संशोधन किया जाएगा। सभी राज्यों से संशोधन के लिए सुझाव देंगे। प्रसव से पूर्व भ्रूण जांच रोकने के लिए एक्ट में सख्त प्रावधान किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों की ओर से अंगदान की प्रक्रिया का सरलीकरण करने की मांग रखी गई। इसके लिए नोटो और सोटो के नियमों में बदलाव कर प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। अंग दान करने और अंग प्रत्यारोपण करने में आसानी होगी।

बाढ़ से अब तक चार की मौत, बचाव के लिए 16 टीमें तैनात

रूड़की, एजेंसी। बाढ़ के कहर से लक्सर और खानपुर क्षेत्र में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। बचाव और राहत कार्य के लिए पुलिस, आर्मी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 16 टीमें लगाई गई हैं। हेलिकॉप्टर से लगातार राहत सामग्री भी पहुंचाई जा रही है।

लक्सर और खानपुर में बाढ़ ने लगातार कहर बरपा रखा है जिससे जनहानि भी हुई है। जिलाधिकारी की ओर से जारी प्रेस नोट में बताया गया कि बाढ़ के चलते लक्सर के ग्राम हबीबपपुर कुंडी में सतपाल, ग्राम बसेड़ी खादर में वाल्मीकि कॉलोनी निवासी अजय कुमार की डूबने से मौत हुई है। तहसील रुड़की में सात वर्षीय अलीउसा की दीवार गिरने से मौत हुई है। वहीं लक्सर के रायसी के पास नदी में पैर फिसलने से 18 साल के युवक की मौत हुई है। बताया कि बीईजी से 77 जवान और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की कुल 16 टीमें लगाई गई हैं। इसके अलावा आपदा मित्र ग्रामीण, स्वयंसेवकों, सामाजिक संस्थाओं की ओर से भी सहयोग किया जा रहा है। बताया कि हरिद्वार से अब तक हेलीकॉप्टर से दस चक्करों के जरिए राहत सामग्री भी भेजी गई है। बाढ़ के कारण लोनिवि के 15 मार्ग बाधित हुए हैं। इसके अलावा एक राज्य मार्ग, एक जिला मार्ग, आठ ग्रामीण मार्ग भी बाधित हुए हैं। इसके चलते कई गांवों का संपर्क कस्बे से कट गया है।

मुकदमों के निपटारे में उत्तराखंड पुलिस चौथे स्थान पर

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में नाबालिगों के यौन शोषण के मामलों में एक साल के भीतर 19.52 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसके सापेक्ष यहां पॉक्सो और अन्य यौन अपराधों के मुकदमों के निस्तारण में उत्तराखंड पुलिस का देशभर में चौथा नंबर है। यहां पर 78.4 फीसदी मुकदमों में समय से आरोपियों की गिरफ्तारी और विवेचना पूरी कर ली जाती है। पुलिस इसमें और सुधार करने पर काम किया जा रहा है।

पुलिस मुख्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में वर्ष 2020 में 573 मुकदमे नाबालिगों के यौन शोषण के दर्ज हुए थे। अगले साल यह संख्या लगभग 25 फीसदी बढ़कर 712 हो गई। जबकि, 2022 में पूरे प्रदेश के थानों में पॉक्सो अधिनियम के तहत 851 मुकदमे दर्ज किए गए। यह करीब 19.52 फीसदी की बढ़ोतरी है। एडीजी कानून व्यवस्था वी मुरुगेशन ने बताया, उत्तराखंड पुलिस मुकदमे दर्ज करने के साथ-साथ इनमें कार्रवाई भी तेजी से कर रही है। पॉक्सो के मुकदमों में लगभग सभी का समय से निस्तारण किया जाता है।

जबकि, सभी प्रकार के यौन अपराधों में पुलिस का अनुपालन दर यानी मुकदमों के निस्तारण की दर 78.4 फीसदी है। मुकदमों की विवेचना की निगरानी ऑनलाइन पोर्टल इन्वेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफेंस (आईटीएसएसओ) से की जाती है। आईटीएसएसओ के अनुसार, इसमें उत्तराखंड देश के शीर्ष राज्यों में चौथे स्थान पर है।

एडीजी ने क्राइम इन इंडिया-2021 की रिपोर्ट का भी हवाला दिया।

सांसद के जन्मदिन पर सुंदरपाठ का आयोजन

देहरादून, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक के जन्मदिन पर उनके कार्यालय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान बारिश से हो रहे नुकसान को देखते हुए प्रार्थना की गई कि अब कुछ दिन बरसात न हो। साथ ही प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर महानगर भाजपा अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, विधायक खदान दास, मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, पुनीत मित्तल, महेश पाण्डे, विशाल गुप्ता, राजकुमार कक्कड़, दिनेश सती, श्यामवीर सैनी, वरुण वालिया, अनिल कुमार, संदीप मुखर्जी, विजय भट्ट मौजूद रहे। तकनीकी शिक्षा एवं वन मंत्री सुबोध उनियाल ने शनिवार को श्री दरबार साहिब में मत्था टेका। उन्होंने महंत देवेंद्र दास महाराज से मुलाकात की।

उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला का आगाज, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया वृक्षारोपण

देहरादून, एजेंसी।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरेला पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने आम की पूषा श्रेष्ठ प्रजाति का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन का पर्व है। हरेला पर्व के उपलक्ष्य में प्रदेश में सामाजिक संगठनों, संस्थाओं एवं विभागों के माध्यम से व्यापक स्तर से वृक्षारोपण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण एवं जल धाराओं के पुनर्जीवन की दिशा में राज्य में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश में जल संरक्षण और संवर्द्धन के लिए सभी को आगे आने का अहवाहन किया गया है। राज्य में इस दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं। राज्य में 1200 से अधिक अमृत सरोवर बनाए गए हैं। इस दिशा में आगे भी लगातार कार्य होंगे।

हरेला पर्व के अवसर पर गीता पुष्कर धामी एवं कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भी वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में विभिन्न प्रजातियों के 51 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, मुख्य वन संरक्षक वन पंचायत डॉ. पराग मधुकर धकाते, मुख्य

उद्यान अधिकारी डॉ. मीनाक्षी जोशी, उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित उपस्थित थे।

दून में रायपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में हरेला पर्व का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, वन मंत्री सुबोध उनियाल, टिहरी संसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, विधायक उमेश शर्मा काऊ, महापौर सुनील उनियाल गामा,प्रमुख सचिव वन आरके सुधांशु व प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक ने दीप प्रज्वलित कर की कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं दी। कहा कि यह आत्मचिंतन का और संकल्पित होकर आगे बढ़ने का दिन है। हम सिर्फ एक कार्यक्रम तक ही सीमित न रहें। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। पौधा रौपकर उसके संरक्षण का भी संकल्प लें। कहा कि प्राकृतिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना जरूरी है। जल संचयन वाले अधिकाधिक पौधे लगाएं। उत्तराखंड की गैर हिमालयी नदियों के अस्तित्व पर संकट आ गया है। इन नदियों के उद्गम स्त्रोतों में पानी घट रहा है।

स्टिंग प्रकरण में सीबीआइ कोर्ट ने सुनाया फैसला, हरीश और हरक को जारी किए समन

देहरादून, एजेंसी।
वर्ष 2016 में हुए स्टिंग आपरेशन प्रकरण में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, विधायक मदन बिष्ट, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत और विधायक उमेश कुमार के वॉइस सैंपल को लेकर सीबीआइ कोर्ट ने आज अपना फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने कहा कि विधायक उमेश कुमार और मदन बिष्ट संवैधानिक पद पर बैठे होने के चलते उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत को अब समन जारी किए जाएंगे, तब उन्हें वॉइस सैंपल की तिथि भी बताई जाएगी।

यह जानकारी पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और विधायक मदन बिष्ट के अधिवक्ता मनमोहन कंडवाल ने दी है। दूसरी ओर इस मामले में 27 जुलाई को उच्च न्यायालय का फैसला आना है। इस फैसले पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

बता दें कि वॉइस सैंपल को लेकर बीते दिनों सीबीआइ ने चारों नेताओं को नोटिस जारी किया था। 15 जुलाई को उनके अधिवक्ताओं ने कोर्ट में तर्क दिया था कि यह मामला उच्च न्यायालय में भी विचाराधीन है। इसलिए उच्च न्यायालय के निर्णय आने के बाद ही इस पर सुनवाई की जानी चाहिए।

वर्ष 2016 में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार में बगावत के बाद मुख्यमंत्री हरीश रावत का एक

स्टिंग सामने आया था। इसमें मुख्यमंत्री हरीश रावत अपनी सरकार को बचाने के लिए विधायकों का मोल भाव करते दिखाए गए थे। एक अन्य स्टिंग में कांग्रेस के तत्कालीन विधायक मदन सिंह बिष्ट के होने का दावा किया गया।

इस स्टिंग में पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत के भी शामिल होने की बात कही गई। दावा किया गया कि इन दोनों के स्टिंगकर्ता उमेश कुमार हैं। प्रकरण की जांच सीबीआइ को सौंपी गई। स्टिंग में जो आवाजें हैं उनके मिलान के लिए वायस सैंपल लेने की अनुमति सीबीआइ ने अदालत से मांगी थी।

हेली यात्रा में फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड बिहार से गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी।
केदारनाथ धाम में हेली यात्रा के लिए लोगों को फर्जी टिकट भेजकर ठगने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को एसटीएफ ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पवन हंस का नाम इस्तेमाल करते हुए फर्जी वेबसाइट बनाई थी। वह लोगों से कंपनी का अधिकारी बनकर बात करता था। आरोपी के पास से एक पीओएस मशीन भी बरामद हुई है। गिरोह के दो सदस्यों को पहले ही पकड़ा जा चुका है। एसटीएफ के एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया, चारधाम यात्रा शुरू होते ही इस बात का अंदेशा जताया जा रहा था कि इस बार भी हेली सेवा के नाम पर साइबर ठग बड़ा जाल बुन सकते हैं। इसी कड़ी में एसटीएफ ने पहले ही एहतियातन कदम उठाते हुए अब तक 41 फर्जी वेबसाइटों को बंद कराया है। लेकिन, फिर भी लोग ठगों के जाल में फंस गए। इस पर पिछले दिनों एसटीएफ के एसआई आशीष गुसाईं ने एक मुकदमा साइबर थाने में दर्ज कराया था। इसके अलावा बीते दिनों सामने आई धोखाधड़ी की शिकायतों की भी जांच की गई। कई पीड़ितों ने एसटीएफ को और भी शिकायतें कीं। फर्जी वेबसाइट और ठगों के मोबाइल व बैंक खातों के विश्लेषण में गृह मंत्रालय की टीम ने भी मदद की। पिछले दिनों इस गिरोह के सन्नी और बॉबी रविदास निवासी शेखपुरा बिहार को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन, मास्टरमाइंड एसटीएफ के हत्थे नहीं चढ़ रहा था। पता चला कि वह अब भी पवनहंस ट्रैवल डॉट इन नाम की वेबसाइट का प्रयोग कर लोगों से ठगी कर रहा है। अप्रैल में अहमदाबाद के अशोक प्रजापति को इस वेबसाइट के माध्यम से 33 हजार रुपये का चूना लगाया था। आरोपी के मोबाइल नंबर और बैंक खातों की जांच की गई तो यह नवादा बिहार में होने की बात सामने आई। एसटीएफ ने 10 दिनों तक इस इलाके में जांच की और आरोपी नीरज कुमार निवासी पोक्सी, केसोरी, नवादा, बिहार को गिरफ्तार कर लिया।

होटल, रेस्टोरेंट से 49 घरेलू गैस सिलिंडर जब्त

देहरादून, एजेंसी। जिला पूर्ति विभाग ने शहर में कार्रवाई करते हुए होटल, रेस्टोरेंट से 49 घरेलू गैस सिलिंडर जब्त किए। साथ ही संचालकों और मालिकों को दोबारा घरेलू रसोई गैस सिलिंडरों के इस्तेमाल करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

जिला पूर्ति अधिकारी विवेक शाह ने बताया कि होटल, रेस्टोरेंटों में घरेलू रसोई गैस सिलिंडरों के प्रयोग की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद टीम का गठन कर शुक्रवार को हरिद्वार बाईपास, बंगाली कोठी, मोथरोवाला और बंजारावाला में होटल, रेस्टोरेंटों पर छापा मारा गया। इस दौरान मैसर्स विनय फास्ट फूड, पहाड़ी ब्रदर्स रेस्टोरेंट खान दरबार, भुख्खड़ डोसा प्वाइंट, स्पाइस हाउस में घरेलू गैस सिलिंडरों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इस दौरान टीम ने 49 घरेलू सिलिंडर जब्त किए, जिन्हें नजदीकी गैस एजेंसी में रखा गया है।

जिलापूर्ति अधिकारी ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

कॉर्बेट में 29 को राज्यवार जारी किए जाएंगे बाघों के आंकड़े, ग्लोबल टाइगर डे के मौके पर होगी बैठक

देहरादून, एजेंसी।
एनटीसीए की मुख्य बैठक कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के तहत रामनगर में आयोजित की जाएगी। बैठक में बाघों के संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक ने बताया कि बैठक की तैयारियों के मद्देनजर शासन से निर्देश प्राप्त हुए हैं, उसी के अनुसार कार्य किया जा रहा है।

ग्लोबल टाइगर डे 29 जुलाई को इस बार कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में मनाया जाएगा। इसी दिन यहां राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की बैठक भी होगी। इसमें राज्यवार बाघों की गणना (वर्ष 2022) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। केंद्र से हरी झंडी मिलने के बाद शासन के निर्देश पर उत्तराखंड का वन महकमा बैठक की तैयारियों में जुट गया है। कर्नाटक के मैसूर में बाघों की गणना के आंकड़े जारी किए गए थे। इसमें देशभर में बाघों की संख्या वर्ष 2018 में 2967 के मुकाबले 3167 पाई गई थी। इसी

दौरान संकेत मिले थे कि उत्तराखंड में भी बाघों की संख्या में इस बार इजाफा देखने को मिल सकता है। एनटीसीए की मुख्य बैठक कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के तहत रामनगर में आयोजित की जाएगी। बैठक में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, वन मंत्री सुबोध उनियाल, महानिदेशक वन चंद्रप्रकाश गोयल, बाघ धारण वाले सभी राज्यों के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक और अन्य फील्ड ऑफिसर सहित उत्तराखंड वन विभाग के अधिकारी भाग लेंगे। बैठक में बाघों के संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. धीरज पांडेय ने बताया कि बैठक की तैयारियों के मद्देनजर शासन से निर्देश प्राप्त हुए हैं, उसी के अनुसार कार्य किया जा रहा है। एनटीसीए की बैठक में जहां बाघों के संरक्षण के मुद्दों पर चिंतन-मनन किया जाएगा, वहीं बाघों से संबंधित मैनेजमेंट ऑफेंसेस इवोल्यूशन (एमईई), ऑल इंडिया टाइगर असेसमेंट रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएंगी।

एक करोड़ से होगी रेलवे के आवासों की मरम्मत : डीआरएम

रूड़की, एजेंसी। डीआरएम ने लक्सर रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने रेलवे कर्मचारियों से बाढ़ से हुए नुकसान की बाबत जानकारी ली। इस पर डीआरएम ने रेलवे क्वार्टरों के लिए एक करोड़ रुपये का फंड स्वीकृत किए जाने की घोषणा की।

लक्सर कस्बे में सोलानी नदी ने जमकर कहर बरपाया था। इसकी वजह से तमाम लक्सर कस्बा जलमग्न हो गया था। वहीं, लक्सर कस्बे में स्थित रेलवे कर्मचारियों के परिवार वालों ने भी कॉलोनी में पानी भर जाने के बाद रेलवे स्टेशन पर सामूहिक कक्ष में शरण ली थी। शनिवार को डीआरएम मुरादाबाद अजय नंदन ने रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे कर्मचारियों के परिवारों से वार्ता की। परिवारों ने बताया कि सरकारी कमरों की हालत भी पूरी तरह से जर्जर है और वह रहने योग्य नहीं है। संबंधित अधिकारी को कई बार अवगत कराया गया लेकिन कोई सुध नहीं ली। इस बीच डीआरएम वार्ता कर जाने लगे तो गुस्साई महिलाओं ने रास्ता रोक लिया और मौके पर डीआईब्ल्यू को बुलाने की मांग की। डीआरएम ने आश्वासन दिया कि लक्सर के लिए अलग से एक डीआईडब्ल्यू की तैनाती की जाएगी ताकि लक्सर में विशेष ध्यान रखा जा सके। साथ ही रेलवे कॉलोनी की मरम्मत के लिए एक करोड़ रुपये का फंड भी स्वीकृत करने की बात कही। इसके बाद महिलाएं शांत हुई।

भूस्खलन से बदरीनाथ हाईवे बंद, यात्री फंसे

देहरादून, एजेंसी।
भारी बारिश के दौरान सुबह करीब साढ़े आठ बजे बाजपुर में बदरीनाथ हाईवे बाधित हो गया। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा हाईवे पर आ गया है। जिससे हाईवे के दोनों ओर यात्रा व स्थानीय वाहन फंसे हैं। बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की तीर्थयात्रा पर जा रहे करीब 3000 तीर्थयात्री हाईवे खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

मौसम विभाग ने ज्यादातर इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि, मंगलवार के लिए भी पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया

गया है।

अन्य सभी जिलों में 18 जुलाई को बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, 17 जुलाई को प्रदेशभर के ज्यादातर हिस्सों में भारी बारिश की आशंका है। कुछ इलाकों में बिजली चमकने के साथ कई दौर की बौछार वाली बारिश हो सकती है।

प्रदेश में बारिश के कारण ग्रामीण सड़कों पर सबसे अधिक मार पड़ रही है। बीते दिन बंद 306 ग्रामीण (सिविल और पीएमजीएसवाई) सड़कों में से मात्र 47 ही खुल पाईं। इस तरह से 259 सड़कें अब भी बंद हैं। जबकि 17 राज्य मार्गों सहित प्रदेश में कुल 286 सड़कों को खुलने का इंतजार है। बीते 24 घंटे में कुल 72 सड़कें बंद हुई हैं, जबकि 263 सड़कें एक दिन पहले से बंद थीं। कुल 335 बंद सड़कों में से रविवार को मात्र 49 सड़कों को खोला जा सका। रविवार शाम समाचार लिखे जाने तक 286 सड़कें बंद थीं।

डायरिया फैलने की सूचना पर हड़कंप

रूड़की, एजेंसी।
बरसात के कारण हुए जलभराव से जलजनित बीमारियां पांव पसारने लगी हैं। शनिवार को एक कालोनी में डायरिया फैलने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। शिविर लगाकर मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। साथ ही उन्हें दवाएं भी दी गईं।

पनियाला रोड स्थित गंगोत्रीकुंज कॉलोनी में बरसात का पानी भरा हुआ है। यह पानी लोगों के घर में भी घुस गया था। शिक्षक नेता प्रदीप त्यागी ने बताया कि बरसात यह पानी समरसेबिल के बोरिंग में भी आ गया था। मोहल्ले में कई लोग ऐसे हैं जिनको उल्टी दस्त और पेट दर्द की शिकायत हो रही है। इस बात की शिकायत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से की गई थी। विभाग की एक टीम उनकी कालोनी में पहुंची। शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। उन्हें दवाएं दी गईं। साथ ही पानी उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह भी दी गई।टीम में डॉ. रविकांत, अरबन हेल्थ ऑफिसर रामकेश गुप्ता, डॉ. अंकित चौधरी, विपिन सुंदरियाल, नीतू सैनी आदि मौजूद रहे। अपर हेल्थ ऑफिसर रामकेश गुप्ता ने बताया कि शिविर में अनेक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। उन्हें दवाएं दी गईं। शिविर में चौ.पदमसिंह, इंदू पंवार, सम्राट चौधरी, लाखनसिंह, जयंत चौधरी, सेवाराम त्यागी, डॉ. मधु त्यागी, पूनम चतुर्वेदी, निर्मला त्यागी, पूनम चौधरी, एकांश भारद्वाज, देवांश त्यागी, संजय शर्मा, हंसराज शर्मा मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली हाईकोर्ट ने हड़ताल के कारण स्थगित किए सूचिबद्ध मामले

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश गौरांग कंठ का कलकत्ता हाईकोर्ट ट्रांसफर किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में अधिवक्ताओं हड़ताल पर हैं। हड़ताल के कारण विभिन्न अदालतों ने उनके सामने सूचिबद्ध मामलों को स्थगित कर दिया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने किया हड़ताल का अनुरोध हाल ही में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने न्यायमूर्ति गौरांग कंठ का स्थानांतरण करने की सिफारिश की थी, जिसे केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इसके विरोध प्रस्ताव पारित करके अधिवक्ताओं से हड़ताल में शामिल होने का अनुरोध किया था।

साहित्य अकादेमी का दिव्यांग लेखक सम्मेलन कल

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी कल राष्ट्रीय दिव्यांग लेखक सम्मेलन का आयोजन करेगी जिसका उद्घाटन केन्द्रीय संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल करेंगे। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सोमवार को यहां बताया कि साहित्य अकादमी दिव्यांग लेखकों की साहित्यिक सृजनात्मकता को एक मंच प्रदान करने के लिए मंगलवार को अपनी तरह के पहले और अनूठे अखिल भारतीय दिव्यांग लेखक सम्मेलन का आयोजन कर रही है। एक दिवसीय इस सम्मेलन में अकादमी से मान्यता प्राप्त लगभग सभी भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 24 लेखक और कवि शामिल होंगे, जो कविता-पाठ और अपनी साहित्यिक यात्रा पर वक्तव्य देंगे। सम्मेलन का उद्देश्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों और विभिन्न भाषाओं के दिव्यांग लेखकों के दृष्टिकोण को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जाना है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में श्री मेघवाल उद्घाटन वक्तव्य देंगे। उद्घाटन सत्र में साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक, उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात अंग्रेजी लेखिका और विदुषी के. श्रीलता उपस्थित होंगी। इसके अलावा वरिष्ठ साहित्यकार विनोद आसुदानी, अनिल कुमार अनेजा और सी.एच. नागराजू कार्यक्रम के अन्य तीन सत्रों की अध्यक्षता करेंगे।

इग्नू ने सेवा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा लॉन्च किया

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने सोमवार को सेवा प्रबंधन में एक नया स्नातकोत्तर डिप्लोमा लॉन्च किया। यह कार्यक्रम जुलाई 2023 शैक्षणिक सत्र से उपलब्ध है। इच्छुक छात्र इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट ल्लङ्ग४ ल्ल पर जाकर इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। सामान्य श्रेणी में 50 प्रतिशत अंक और आरक्षित श्रेणी में 45 प्रतिशत अंक के साथ कोई भी स्नातक उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए बिना इस कार्यक्रम के लिए नामांकन कर सकता है। कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर राजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि इस कार्यक्रम में सेवा क्षेत्र में रोजगार क्षमता बढ़ाने और आजीवन सीखने को जोड़ने के लिए एक अद्यतन पाठ्यक्रम और स्व-शिक्षण सामग्री है।

बिना किसी चोट जोड़ों में हों रहा दर्द:डॉ ईश्वर बोहरा

डॉ ईश्वर बोहरा

डायरेक्टर ज्वाइन्ट रिप्लेसमेंट एंड ऑर्थोस्कॉपी सर्जरी (घुटना व कन्धा सर्जरी एक्सपर्ट) बी. एल. कपूर मैक्स हॉस्पिटल नई दिल्ली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली या तो आपने वर्कआउट ज्यादा कर लिया है, या फिर एक ही जगह पर लंबे समय से बैठनें से ऐसी कई चीजें हैं, जिनकी वजह से जोड़ों में दर्द हो सकता है। इन छोटे-मोटे कारणों से हुआ जोड़ो का दर्द अपने आप ही कुछ ही दिन में चला जाता है। लेकिन कई बार यही दर्द बिना किसी वजह के आपके कई दिन तक सताता है और समय के साथ बिगड़ जाता है। पुराना दर्द या लगातार हो रहे दर्द के पीछे कुछ बीमारियां भी हो सकती हैं, जो आगे चलकर आपके लिए मुसीबत बन सकती हैं। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों में दर्द होता है, लेकिन इसके अलावा यह इन रोगों की वजह से हो सकता है।

जैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस

ऑस्टियोआर्थराइटिस (डअ) गठिया का सबसे आम रूप है जो हड्डियों से संबंधित समस्याओं को जन्म दे सकता है। हड्डियों से संबंधित यह समस्या उम्र बढ़ने के साथ आम है और ज्यादातर घुटनों, कूल्हों, गर्दन और पीठ के निचले हिस्से को प्रभावित करती है। जोड़ों का अकड़ना ऑस्टियोआर्थराइटिस का एक सामान्य लक्षण है। इसमें तेज और तीव्र दर्द होता है, जो हिलने के साथ और बढ़ता है। रुमेटीइड गठिया (आरए) भी जोड़ों से संबंधित एक अन्य समस्या है, लेकिन यह ऑस्टियोआर्थराइटिस की तरह पुराने जोड़ों के टूट-फूट के कारण विकसित नहीं होती है। बल्कि रुमेटीइड गठिया एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली की खराबी के कारण होती है। इस स्थिति के सामान्य लक्षणों में जोड़ों में सूजन और जकड़न शामिल हैं। इस स्थिति से पीड़ित होने पर व्यक्ति को थकान, बुखार और अचानक वजन घटना जैसा अनुभव होता है। क्योंकि यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है, इसलिए इसका कोई इलाज नहीं है। दवाइयों की मदद से इसके लक्षणों को मैनेज किया जाता है।

आगे इसी विषय पर आप ज्यादा जानकारी के लिए सलाह ले सकते है, अथवा मिल सकते हैं 9582280201

दिल्लीवासियों के साथ खड़े होने के लिए थैंक्यू खरगे जी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

- अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अध्यादेश पर कांग्रेस का समर्थन मिलने पर मल्लिकार्जुन खरगे का धन्यवाद किया है।

कांग्रेस ने 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सोमवार को बेंगलुरु में विपक्षी दलों की मीटिंग बुलाई है, जिसमें करीब 25 दलों के विपक्षी नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली अध्यादेश के खिलाफ आप को समर्थन देने के बाद इस मीटिंग में आम आदमी पार्टी भी शामिल हो रही है। अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अध्यादेश पर कांग्रेस का समर्थन मिलने पर मल्लिकार्जुन खरगे का धन्यवाद किया है।

दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मल्लिकार्जुन का धन्यवाद करते हुए ट्विटर पर लिखा, दिल्ली के लोगों के साथ खड़े रहने के लिए खरगे जी को धन्यवाद। यह अध्यादेश भारत विरोधी और राष्ट्र विरोधी है। हम लोगों को इसका डटकर मुकाबला किया जाना चाहिए। साथ ही केजरीवाल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का एक वीडियो भी रीट्वीट किया है, जिसमें वह मीडिया से बात करते हुए दिल्ली अध्यादेश के विरोध में कांग्रेस के रुख पर कहते हैं, यह सिर्फ एक व्यक्ति के बारे में नहीं है। अगर देश के लोकतंत्र और संविधान को झटका लगता है तो यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम एकजुट होकर लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए मिलकर काम करें। साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति देश से बड़ा नहीं है...

वहीं, केजरीवाल से पहले रविवार को आप नेता राघव चड्ढा ने एक ट्वीट कर बताया कि की कांग्रेस ने नई दिल्ली अध्यादेश पर समर्थन मिल गया है और उन्हें इस अध्यादेश का विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस को आत्महत्या की ओर धकेल रहा है कांग्रेस नेतृत्वः भाजपा अध्यादेश को लेकर कांग्रेस के प्रदेश नेताओं के विरोध के बावजूद केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व ने विरोध करने के निर्णय की भाजपा ने आलोचना की है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की कांग्रेस नेतृत्व ने दिल्ली यूनिट के कार्यकताओं को राजनीतिक आत्महत्या की ओर धकेल दिया। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा है की 2013 में आप को सरकार बनाने का समर्थन देकर कांग्रेस ने खुद को 2020 में मात्र चार प्रतिशत वोट पाने वाली पार्टी बना लिया है।

जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आने तक लोग घर वापस न जाएं : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने सोमवार को राहत शिविरों में रह रहे लोगों से अपील की कि बाढ़ का पानी खतरे के निशान से नीचे आने तक वे घरों को न लौटें। सुश्री आतिशी ने अपने ट्वीट में कहा, रविवार को हरियाणा के कुछ इलाकों में भारी बारिश के कारण आज यमुना का जलस्तर थोड़ा बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने अनुमान जताया है कि रात में जल स्तर 206.1 मीटर तक पहुंच सकता है। इससे दिल्ली के लोगों को कोई खतरा नहीं है लेकिन राहत शिविरों में रह रहे सभी लोगों से अनुरोध है कि वे अभी अपने घर वापस न जाएं तथा जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आने के बाद ही अपने घरों को वापस जाएं।

इस बीच दिल्ली यातायात पुलिस ने यमुना नदी का जलस्तर कम होने के बाद कई सड़कों को यातायात के लिए खोल दिया है। रिंग रोड पर वजीराबाद फ्लाईओवर से मजनू का टीला से आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच दोनों कैरिजवे पर मध्यम और हल्के वाहनों के लिए, आईएसबीटी कश्मीरी गेट से सलीमगढ़ बायपास होते हुए आईपी फ्लाईओवर तक कैरिजवे पर मध्यम और हल्के वाहनों के लिए यातायात की अनुमति दे दी गयी है। पुलिस ने यात्रियों को सलाह दी है कि आईपी फ्लाईओवर से ठीक पहले जलजमाव के कारण विकास मार्ग की ओर बाएं मुड़ें और फिर सराय काले खां की ओर जाने के लिए लूप या यू टर्न लें। यातायात अधिकारियों ने बताया कि सराय काले खां से आईपी फ्लाईओवर तक गीता कॉलोनी अंडरपास से आईएसबीटी की ओर रिंग रोड कैरिजवे हनुमान सेतु के माध्यम से मध्यम और हल्के वाहनों के लिए खोला गया है। वहीं मुकरबा से वजीराबाद तक बाहरी रिंग रोड, दोनों कैरिजवे हल्के वाहनों और बसों के लिए खोले गए हैं, जबकि रिंग रोड राजघाट से शांति वन-मंकी ब्रिज-यमुना बाजार अभी भी बंद है।

बाढ़ से हुए नुकसान के आंकलन के लिए कमेटी गठित करें दिल्ली सरकार : चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की दिल्ली के प्रति बेरुखी और राजनीतिक अकांक्षाओं की पूर्ति की एकतरफा सोच ने दिल्ली को बाढ़ के संकट में धकेल दिया है। दिल्ली सरकार यदि समय रहते लोगों को बाढ़ के खतरे की सूचना दे देती तो दिल्ली के लोगों को इतना अधिक नुकसान नही झेलना पड़ता। उन्होंने कहा कि सड़को पर बारिश और बाढ़ का पानी आने से किसानों, बड़े व्यापारियों, लघु, छोटे कारोबारियों, सहित मजनू का टीला से बदरपुर तक सड़कों व रेहड़ी पटरी लगाने वाले वाले लोगों का भी बड़ा नुकसान हुआ है। बाढ़ से हुए नुकसान के आंकलन के लिए दिल्ली सरकार उच्च स्तरीय कमेटी गठित करके सर्वे कराऐं और पीड़तों को राहत देने हेतू बड़ी घोषणा करे, सरकार द्वारा 10 हजार रुपये राहत की घोषणा नकाफी है। प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की मानसून में मरने वाले लोगों के आश्रितों को दिल्ली सरकार एक-एक करोड़ का मुआवजा दे। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार के साथ दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. नरेन्द्र नाथ, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जय किशन, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक हरी शंकर गुप्ता, बूथ मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन राजेश गर्ग, कम्युनिकेशन विभाग के वाईस चेयरमैन अनुज आत्रेय और विक्रम लोहिया भी मौजूद थे। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में बाढ़ के बाद सरकार के सामने बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास, महामारी फैलने का खतरा, जलभराव वाली जगहों से मलबा सफाई और यमुना से समीप रह रहे लोगों को हुए भारी नुकसान की भरपाई करना सबसे बड़ी चुनौती है। परंतु अफसोस मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल दिल्ली पर आए हर संकट के समय पूरी तरह विफल साबित रहे है चाहे वह 2020 में दिल्ली में हुए दंगे हो, कोविड महामारी हो या दिल्ली में आई भीषण बाढ़। केजरीवाल हर बार दिल्लीवालां के लिए कसौटी पर शून्य साबित हुए है, क्योंकि हर बार जवाबदेही से बचने के लिए लोगों का ध्यान हटाने के लिए मुख्यमंत्री विषय परिवर्तित करके आरोप प्रत्यारोप करना शुरू कर देते है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी संकट के समय जनता को सुरक्षा देने की है लेकिन पिछले 9 वर्षों अरविन्द केजरीवाल पूरी तरह निष्क्रिय मुख्यमंत्री साबित हुए है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के स्वास्थ्य एवं बाढ़ मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बाढ़ को लेकर आरोप लगाने का काम तो बखूबी निभाया लेकिन अभी तक बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की क्या व्यवस्था है, इस कोई बड़ी घोषणा नही की है जिसके कारण सरकार के प्रति दिल्ली की जनता की उग्रता स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चुनी हुई सरकार और सुविधाऐं होने के बावजूद दिल्ली में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी, बचाव और राहत पहुँचाने में विफल होकर आर्मी द्वारा मोर्चा संभालने से केजरीवाल सरकार की नाकामी दिल्लीवालों के समक्ष उजागर हो चुकी है। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि यमुना बाजार इलाके में राजघाट को आईएसबीटी, कश्मीरी गेट से जोड़ने वाले अंडर-ब्रिज सड़क मलबे और गायों व भैंसों के शवों के कारण बंद हो गई है। उस्मानपुर, घड़ी मेंडु गांव, पुश्ता जैसे इलाकों पिछले तीन दिनों से प्रशासन की ओर से कोई भी इन शवों को उठाने नहीं आया।

पेट और त्वचा रोगों से बचाव और इलाज के लिए बाढ़ पीड़ित अपनाएं घरेलू इलाज : डॉक्टर पाराशर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद जाने-माने डॉक्टर आर पी पाराशर ने कहा दिल्ली में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है जिससे बाढ़ पीड़ितों की जिंदगी पटरी की तरफ लौट रही है। दूषित पानी और भोजन के कारण कुछ लोग पहले ही विभिन्न रोगों के संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। घर वापसी के बाद भी गंदगी के कारण लोग पेट और त्वचा संबंधी रोगों के संक्रमण का शिकार हो सकते हैं। इनमें मुख्य हैं पेट दर्द, दस्त, हैजा, पीलिया, हेपेटाइटिस, बुखार, दाद, खाज, खुजली व फंगल इन्फेक्शन। मच्छरों के कारण डेंगू मलेरिया जैसे रोगों के फैलने का खतरा भी है। डॉ पाराशर ने कहा कि सामान्य घरेलू उपायों से इन रोगों से बचाव भी हो सकता है और इनका इलाज भी। किचन में मौजूद जीरा, हींग, पिप्पली, काली मिर्च, सौंफ, दालचीनी, धनिया, सौंठ, जायफल, अजवाइन, सेंधा नमक जैसे मसाले और जड़ी बूटियों के प्रयोग से इन रोगों से बचाव हो सकता है। सब्जियों, दालों और रोटी बनाने के लिए प्रयुक्त आटे में काली मिर्च, सौंफ, जीरा, सेंधा नमक, धनिया, अजवाइन, हींग आदि का नियमित प्रयोग करने से संक्रमण से बचा जा सकता है। अलग-अलग रोगों में इन मसालों और जड़ी बूटियों का प्रयोग निम्नलिखित तरीके से कर सकते हैं।

दस्तः सौंफ और जीरा बराबर मात्रा में तवे पर भून लें और आधा आधा चम्मच दिन में चार-पांच बार चबाकर गुनगुने पानी से दें।

हैजाः मुश्क कपूर, सौंफ और सोंठ को बारीक पीस कर खाने को दें।

पीलियाः बड़ी हरड़ और मिश्री बराबर मात्रा में मिलकर एक-एक चम्मच सुबह शाम प्रयोग कराएं या फिटकरी को भून कर दही के साथ दें।

पेट दर्द : काला नमक, अजवाइन, हींग, इलायची व सोंठ के चूर्ण को गर्म पानी के साथ दें। दाद, खाज, खुजलीः आधा चम्मच फिटकरी व एक चम्मच चमक पानी में मिलाकर शरीर पर लगा लें, दस मिनट के बाद साफ पानी से नहाएं। नीम के पत्तों को पीसकर लगाएं या हल्दी को बारीक पीस कर त्वचा पर लेप करें। बुखारः गिलोय, दालचीनी अजवाइन, काली मिर्च का काढ़ा बनाकर रोगी को दिन में तीन चार बार पिलाएं।

बाढ़ राहत शिविरों में स्वास्थ्य और शिक्षा का रखा जा रहा ख्याल, बच्चों को बांटी गई किताबें, शिविरों में लगाई मच्छरदानी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए अलग-अलग स्थानों पर राहत शिविर लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निदेशों का पालन करते हुए रविवार को समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद दिल्ली के उत्तरी जिले में स्थित बाढ़ राहत शिविरों का दौरा करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने उत्तरी जिले में यमुना नदी से सटे क्षेत्र रमजानपुर गांव के चौपाल मोहम्मदपुर, पल्ला गांव और जहांगीरपुरी के ई, एफ व जी ब्लॉक में एमसीडी स्कूल और आउट्रम लाइन्स स्थित पत्राचार विद्यालय में बने राहत शिविरों का दौरा कर कई आवश्यक व्यवस्थाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद सोमवार को उत्तरी जिले में स्थित राहत शिविरों में कई जरूरी इंतजाम किए गए।

समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने बताया कि बाढ़ के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि वह बच्चों तक शिक्षा किट पहुंचाए। इसका पालन करते हुए सोमवार को बच्चों को किताबें बांटी गई, अब वह अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं और उनकी पढ़ाई बाधित नहीं होगी। इसी के साथ उत्तरी जिले में स्थित बाढ़ राहत शिविरों में सोमवार को पीने के लिए मिनरल वाटर का इंतजाम किया गया और आवश्यक खाद्य आपूर्ति के तहत रोटियां दी गई।

समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण कर सुनिश्चित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को समय पर उचित नाश्ता उपलब्ध कराया जाए। लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और उचित विकास के लिए शिशुओं के लिए प्रतिदिन दूध की व्यवस्था की जाए।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि निरीक्षण के दौरान शिविर में रहने वाले कई लोगों ने मच्छर की समस्या बताई थी, जिससे निपटने के लिए उन्होंने शिविरों में मच्छरदानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। इस दिशा में काम करते हुए सोमवार रात तक राहत शिविरों में मच्छरदानी लगाई जाएगी। लोगों को संक्रामक रोगों से बचने के लिए राहत शिविर की साफ-सफाई का ध्यान रखा जा रहा है।

बाढ़ से बचाव के लिए केजरीवाल सरकार ने नहीं दिखाई गम्भीरता : विनोद जायस

नई दिल्ली। अपने हर सिस्टम को वर्ल्ड लेवल का बताने वाले मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने राजधानी दिल्ली में बाढ़ से निपटने के लिए ना तो कोई योजना बनायी और न ही कोई गम्भीरता दिखाई। यह कहना है भजनपुरा वार्ड से भारतीय जनता पार्टी के नेता ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते है दिल्ली में बाढ़ से निपटने की तैयारी कई महीने पहले शुरू की जानी चाहिए लेकिन केजरीवाल सरकार ने इसे गम्भीरता से नहीं लिया। अरविन्द केजरीवाल को दिल्ली की समस्याओं की जानकारी ही नहीं है। वे केवल सत्ता के भूखे है और आरोप प्रत्यारोप में लगे रहने के अलावा कुछ नहीं करते। उनकी प्रवर्ती बन चुकी है जो अच्छा हुआ वो उन्होंने और उनकी सरकार ने किया और जो गलत हुआ वो एल.जी.या मोदी जी ने किया। लेकिन दिल्ली की जनता उनकी लापरवाही को अब पहचान चुकी है और वे बुरी तरह से एक्सपोज हो चुके है। विनोद जायस कहते हैं केजरीवाल सरकार ने बाढ़ से बचाव को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई है। एनडीआरएफ के मदद का हवाला तो दे रहे हैं लेकिन डीडीआरएफ के नोडल ऑफिसर की नियुक्ति नहीं की। अगर केजरीवाल समय रहते ऐपेक्स कमेटी की बैठक कर निगरानी रखते तो आज दिल्ली वालों को इस बुरे दौर से गुजरना नहीं पड़ता। छह महीने पहले ऐपेक्स कमेटी की बैठक बुलानी थी और शहरी विकास मंत्री के साथ साथ पड़ोसी राज्यों के सिंचाई विभाग के अधिकारियों समन्वय रखते हुए बरसात से पहले नालों और नदियों से गाद निकालने का काम पूरा कर लिया जाना चाहिए था। आज केजरीवाल ने दिल्ली में बाढ़ को खुद आमंत्रित किया है और उनकी लापरवाही ने दिल्ली को बदहाल कर दिया है। अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री चाहते तो दिल्ली की जनता को बाढ़ से बचाया जा सकता था। केजरीवाल ने दिल्ली के बच्चों के बचपन को पानी में बहा दिया। केजरीवाल सिर्फ स्वार्थ की राजनीति कर रहे हैं। दिल्ली को बर्बाद करने में केजरीवाल और उनके मंत्री जिम्मेदार हैं।

उत्तर पूर्व दिल्ली में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्व दिल्ली के शास्त्री पार्क क्षेत्र में 20 वर्षीय व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या करने के मामले में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, महिला का आरोप है कि मृतक ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया था और बदला लेने के लिए उसने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह करीब आठ बजकर 34 मिनट पर शास्त्री पार्क क्षेत्र के बेला फार्म में एक शव मिला, जिसकी गर्दन और पेट पर चोट के निशान थे। पुलिस उपायुक्त (उत्तर पूर्व) जॉय टिर्की ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण करने के बाद, दो संदिग्धों की पहचान उत्तर प्रदेश के बदांयू निवासी 20 वर्षीय महिला और शास्त्री पार्क निवासी इरफान (36) के रूप में की गई, जिसके बाद उन्हें पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ से पता चला कि महिला के पति, जो मृतक का रिश्तेदार था, की जनवरी में मौत हो गई थी। महिला ने पुलिस को बताया कि मृतक ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया था और उसके पति की मृत्यु के बाद यौन उत्पीड़न बढ़ गया। डीसीपी ने बताया कि वह मृतक से बदला और आजादी चाहती थी।

बाढ़ पीड़ितों के लिए शुरू किया गया आप का दवाखाना : बिजेंद्र कुमार प्रेमी

नई दिल्ली। दिल्ली बाढ़ पीड़ितों को राहत देता आप का दवाखाना जी हां दिल्ली, चिल्ला यमुना खादर में बढ़े यमुना के जलस्तर से आई बाढ़ से खादर में रह रहे लोगो का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है, ऐसे में श्री राधे गौशाला एवं श्रीमद् भागवत प्रचार सेवा ट्रस्ट द्वारा चिल्ला यमुना खादर के निवासियों के लिए आप का दवाखाना शुरू किया, जिसमें आज दिल्ली के स्वस्थ मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कैंप में पहुंचकर प्रशंसा की। इस मौके पर त्रिलोकपुरी से विधायक रोहित मेहरोलिया, कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार, आप प्रदेश सचिव सुयोग राज बेला , पटपड़गंज जिला के जिला अध्यक्ष नितिन त्यागी, उपस्थित रहे, कैंप डॉक्टर समसुद्दीन आजाद, डॉक्टर विजय कुमार इंसा द्वारा अपनी सेवाए दे रहे है। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष बिजेंद्र कुमार प्रेमी, कोषाध्यक्ष पवन चौधरी, सचिव भावना चंद्रा, नमीश चंद्रा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सुविधा केजरीवाल सरकार राहत शिविर में सभी जरूरी सुविधा उपलब्ध करा रही: गोपाल राय

गोपाल राय ने आज राजघाट डिपो के पास बेलागांव स्थित राहत शिविर का दौरा किया

- बाढ़ राहत शिविरों में रहने,खाने-पीने,शौचालय, दरी ,गद्दे सहित सभी जरूरी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के अधिकारियो को दिए गए निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज दिल्ली के राजघाट डीपो के पास बेलागांव स्थित राहत शिविर का सभी संबंधित अधिकारियों के साथ दौरा किया`अधिकारियों को शिविर में साफ -सफाई सुनिश्चित करने के विशेष निर्देश दिए । साथ ही राहत शिविर के पास मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार राहत शिविर में सभी जरूरी सुविधा उपलब्ध करा रही है। बाढ़ राहत शिविरों में रहने,खाने-पीने,शौचालय, सहित सभी जरूरी सुविधाएँ लगातार सुनिश्चित हो इसका निर्देश अधिकारियो को दिए गए । राहत शिविरों का जायजा लेने के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि बाढ़ के हालातो को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा राहत शिविर पूरी दिल्ली में लगाए गए है`आपदा की इस परिस्थिति में केजरीवाल सरकार ने हर तरह के खतरे से निपटने के लिए कमर कस ली है` दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियो को दिल्ली के अलग अलग जिले के बचाव, राहत और पुनर्वास कार्य की निगरानी और पर्यवेक्षण संबंधित कार्यो की जिम्मेदारी भी सौपी गई है। इसी के चलते आज हमने राजघाट के बेलागांव स्थित राहत शिविर का जायजा लिया है` साथ ही राहत और बचाव कार्यो की समीक्षा भी की` यमुना किनारे रहने वाले कई बेहद गरीब परिवारों का काफी नुकसान हुआ है। कुछ परिवारों का तो पूरे घर का सामान बह गया। केजरीवाल सरकार बाढ़ पीड़ित हर परिवार को आर्थिक मदद देगी ।

उन्होंने बताया की कि सरकार राहत शिविर में सभी जरूरी सुविधा उपलब्ध करा रही है. इन राहत शिविरों में लोगों के लिए रहने,भोजन,पानी, मेडिकल व अन्य जरुरी सुविधाओं का प्रबंध किया गया है। इन शिविरों में लोगों की सुविधा के लिए दरी और गद्दें की भी व्यवस्था की गई है। खासतौर पर इन कैम्पों में बहुत से बच्चे भी है जिनके लिए मेडिकल सुविधा सुनिश्चित की गई है। हमने निर्देश दिए है कि यहां साफ सफाई का विशेष प्रबंध भी किया जाए। आपदा प्रभावित लोगो के लिए सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की इससे प्रभावित होने वाले लोगों को की मदद करे और उन्हें हर जरुरी सुविधाएँ मुहैया करवाए` पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया की अब हमारी कोशिश है कि हम किसी तरह से लोगों की जान-माल की रक्षा कर सके।

कंझावला में 920 एकड़ में तैयार होगा औद्योगिक क्षेत्र, केजरीवाल ने नोटिफिकेशन जारी करने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को औद्योगिक केंद्र बनाने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए केजरीवाल सरकार ने कवायद तेज कर दी है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निदेशों का पालन करते हुए उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कंझावला में 920 एकड़ भूमि को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की घोषणा के लिए नोटिफिकेशन जारी करने को मंजूरी दी है। यह दिल्ली के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक होगा। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीएसआईआईडीसी) की ओर से कंझावला औद्योगिक क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाएगा। इससे न सिर्फ दिल्ली की अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी, बल्कि लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि केजरीवाल सरकार दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों में सभी आधुनिक और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजधानी को एक औद्योगिक केंद्र बनाने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विजन को साकार करने के लिए, दिल्ली सरकार ने कंझावला औद्योगिक एस्टेट को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की घोषणा के लिए नोटिफिकेशन जारी करने की मंजूरी दे दी है। यह औद्योगिक क्षेत्र दिल्ली में इकोनॉमिक एक्टिविटीज को आगे बढ़ाएगा और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। कंझावला औद्योगिक क्षेत्र करीब 920 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है और यहां बुनियादी ढांचे के विकास के बाद इंडस्ट्रियल कॉम्युनिटी को अपना व्यवसाय स्थापित करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि कंझावला औद्योगिक क्षेत्र के विकास से राजधानी में नियमित औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे वाणिज्यिक व आवासीय क्षेत्रों में अक्सर दुर्घटनाओं और अनियंत्रित प्रदूषण का कारण बनने वाली सैकड़ों औद्योगिक इकाइयों के अवैध संचालन पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकेगा। डीएसआईआईडीसी की ओर से औद्योगिक क्षेत्र में रोड नेटवर्क, सीवेज, जल निकासी व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, अग्निशमन प्रणाली, बिजली समेत आवश्यक सेवा

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 18 जुलाई, 2023

बाढ़ और बरसात से दिल्ली में बढ़ा डेंगू-मलेरिया का खतरा, रोकथाम के लिए केजरीवाल सरकार ने कसी कमर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बाढ़ का सबसे ज्यादा असर पूर्वी दिल्ली और उत्तरपूर्वी दिल्ली पर पड़ा है। बाढ़ और बरसात के चलते डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियां पनपने का खतरा बढ़ गया है। लेकिन फिलहाल यह प्रवृत्ति देखने को नहीं मिल रही है। फिर भी केजरीवाल सरकार ने इन बीमारियों से निपटने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में सीएम अरविंद केजरीवाल के निदेर्शों का पालन करते हुए सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली नगर निगम के शाहदरा स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल और खिचड़ीपुर के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल का दौरा किया। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगर राहत केंद्रों से इमरजेंसी में डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया जैसे लक्षण वाले मरीज आए तो परिसर में बने डिजास्टर मैनेजमेंट वॉर्ड में भर्ती किया जाए। साथ ही उनकी स्थिति को मॉनिटर किया जाए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय विधायक, एमसीडी मेयर और स्वास्थ्य विभाग के

अधिकारी मौजूद थे।

वेक्टर जनित बीमारियों के मरीजों के लिए बनाया गया है डिजास्टर मैनेजमेंट वॉर्ड स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली में बाढ़ का सबसे ज्यादा असर पूर्वी दिल्ली और उत्तरपूर्वी दिल्ली पर पड़ा है। यहां पर प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में लाया गया है। यहां निरीक्षण के दौरान जानकारी मिली थी कि कंजंक्टिवाइटिस (नेत्रश्लेष्मलाशोथ), स्किन एलर्जी, बुखार के मामले ज्यादातर राहत शिविरों से सामने आ रहे हैं। मगर बरसात और बाढ़ के बाद डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियां पनपने का भी खतरा बढ़ गया है। हालांकि वर्तमान में राहत शिविरों में ऐसे मामले देखने को नहीं मिल रहे है। फिर भी केजरीवाल सरकार स्थिति पर लगातार नजर रखे है। बाढ़ प्रभावित इलाकों के स्वामी दयानंद अस्पताल और लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में वेक्टर जनित बीमारियों के मरीजों के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट वॉर्ड बनाया गया है। ताकि यहां राहत शिविरों से आने वाले लोगों को एडमिट किया जाए सके और उन्हें मॉनिटर किया जा सके। साथ ही यह भी पता चल सके कि राहत शिविरों में कोई नई महामारी तो नहीं फैल रही है। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने वेक्टर जनित बीमारियों से संबंधित दवाओं के स्टॉक का भी जायजा लिया और अस्पताल प्रशासन को गंभीरता के साथ स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए। ध्यान रखें कि कहीं भी साफ पानी इकट्ठा ना हो स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब आपके यहां पानी भरेगा तो डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियां का खतरा रहेगा। आपके घर में, कंस्ट्रक्शन साइट, पुलिस के माल खानों में, नगर निगम के जहां पर व्हीकल स्टोर करतें हैं, इस तरह की जगह पर साफ पानी किसी ना किसी तरह जमा हो जाता है तो उसके लिए बहुत सावधान रहें। खासतौर पर घर की छत पर, गमलों के आसपास, फूलदान के अंदर, फ्रिज के नीचे ट्रे के अंदर पानी एकत्रित हो जाता है। ऐसे में ध्यान रखें कि कहीं भी साफ पानी इकट्ठा ना हो, अगर इकट्ठा है तो जल्द से जल्द उसे उडेल दिया जाए और उसको स्थिर ना रखा जाए।

राहत शिविरों में प्रभावितों पर रखी जा रही निगरानी, दवा और उपचार की मुक्त व्यवस्था

स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल सरकार की ओर से वेक्टर जनित बीमारियों के खतरे को देखते हुए एहतियाती कदम उठाए जा रहे है। दिल्ली सरकार के सभी राहत शिविरों में दो डॉक्टर समेत पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध है। यहां प्रभावित लोगों को दवा और उपचार मुक्त प्रदान किया जा रहा है। इन राहत शिविरों में रह रहे सभी लोगों को मेडिकल सुविधाओं की जानकारी है। अभी तक वेक्टर जनित बीमारियां का कोई ट्रेंड देखने को नहीं मिला है, फिर भी सरकार की ओर से डेंगू के खिलाफ मजबूत तैयारी की गई है। राहत शिविरों से जब ये लोग वापस अपनी जगह पर चले जाएंगे, तब भी सरकार स्थिति को मॉनिटर करेगी। यदि कहीं पर भी कोई बीमारी का ट्रेंड दिखा, तो उस पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर लोगों ने अपने साथ बकरियां, गाय, भैंस इत्यादि रखी है। ऐसे में सरकार की ओर से आग्रह के बावजूद भी वे स्कूलों या सामुदायिक केंद्र में बनें राहत शिविरों में स्थानातरित नहीं हो रहे है। उन्हें सरकार की तरफ से भोजन, पानी, बिजली सहित मेडिकल की सुविधा मुफ्त दी जा रहा है। यहां पर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मच्छरों की निगरानी और नियंत्रण के लिए ड्रोन किए जाएंगे तैनात

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल सरकार का लक्ष्य मानसून के दौरान वेक्टर बोर्न डिजीज से निपटने की मजबूत तैयारी करना है। सभी विभागों के मिलकर कार्य करने से दिल्लीवासियों को डेंगू सहित अन्य वेक्टर बोर्न डिजीज से बचाया जा सकता है। केजरीवाल द्वारा दिल्ली के स्कूली बच्चों को डेंगू की रोकथाम में बड़े स्तर पर शामिल किया जाएगा और दिल्ली के सभी स्कूलों में डेंगू होमवर्क के नाम से स्कूली छात्रों को एक कार्ड दिया जाएगा। उस कार्ड को बच्चे अपने पेरेंट्स से भरवाए।

राहत शिविरों में टीम के साथ पहुंच कर भोजन वितरित कर रहे हैं अनिल चौधरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी स्वयं टीम के साथ पहुंच कर कांग्रेस रसोई के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री के साथ-साथ भोजन भी वितरित कर रहे हैं। अनिल चौधरी के आह्वान पर दिल्ली भर में अनेक स्थानों पर राहत शिविर चलाये जा रहे हैं। कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के अलावा वरिष्ठ नेताओं की देखरेख में उक्त शिविर चल रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मजनू का टीला राहत शिविर कैंप का दौरा किया और पीड़ितों को खाना वितरित किया। श्री चौधरी ने कहा कि दिल्ली में बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों की स्थिति जब तक सामान्य नहीं हो जाती कांग्रेस के राहत शिविर जारी रहेंगे। इस दौरान पूर्व सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल, पूर्व मंत्री अरविंदर सिंह लवली, पूर्व मंत्री हारून युसूफ, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, देवेन्द्र यादव जिलाध्यक्ष मिर्जा जावेद मौजूद रहे। कृष्णा नगर जिले के तहत राहत शिविर में जिलाध्यक्ष गुरुचरण सिंह राजू, पूर्व मंत्री डॉ.नरेंद्र नाथ, पूर्व

विधायक नसीब सिंह सहित कई प्रमुख नेता शामिल रहे। इसी तरह बाबरपुर जिले के तहत पहले पुश्ते पर चलाई जा रही कांग्रेस रसोई के माध्यम से अनिल चौधरी ने भोजन वितरित किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष जुबेर अहमद, पूर्व विधायक मतीन अहमद, कबीर नगर के निगम पार्षद हाजी जरीफ, प्रदेश कांग्रेस डेलिगेट नासिर जावेद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता तथा कार्यकर्ता मौजूद थे। करावल नगर जिले के तहत जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने मोर्चा संभाल रखा है। उनके साथ पूर्व मंत्री मंगत राम सिंगल .पूर्व विधायक देवेन्द्र यादव, हसन अहमद, सुरेन्द्र कुमार सहित कई प्रमुख नेता राहत शिविर के माध्यम से भोजन तथा अन्य राहत सामग्री वितरित कर रहे हैं।

गैंगस्टर दीपक बॉक्सर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, दिल्ली पुलिस ने मैक्सिको से किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने गैंगस्टर दीपक बाक्सर के खिलाफ पटियाला हाउस कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। पुलिस ने मकोका के तहत दर्ज मामले में आरोपपत्र दाखिल किया। दीपक बाक्सर पर जितेंद्र उर्फ गोगी गैंग के क्राइम सिंडिकेट के सदस्य होने का आरोप है।

दीपक को दिल्ली पुलिस ने मैक्सिकों से मकोका मामले में गिरफ्तार किया था और पांच अप्रैल को पुलिस उससे भारत लेकर आई थी। गैंगस्टर और उसके सहयोगियों पर संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्य हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, जबरन वसूली आदि जघन्य अपराधों में शामिल हैं। इस संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्यों के खिलाफ 70 से अधिक मामले दर्ज हैं।

गैंगस्टर को मैक्सिकों से पांच अप्रैल को भारत लाने के बाद उससे की लगातार पूछताछ के बाद से उसके गिरोह के बदमाशों की सूची तैयार उनके ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर दबोच लिया गया। इनकी गिरफ्तारी से दिल्ली समेत पड़ोसी राज्यों में की

गई हत्या, हत्या के प्रयास व जबरन वसूली के 25 मामले सुलझाने का दावा किया गया है। जितेंदर गोगी को हिरासत से भगाने में निभाई भी भूमिका

2015 में गोगी के सहयोगी दीपक बजाना ने दीपक बॉक्सर को गोगी से मिलवाया था, जो उन दिनों गिरफ्तारी से बच रहा था। दीपक बॉक्सर बड़ा बदमाश बनना चाहता था इसलिए वह गोगी गिरोह में शामिल हो गया था। 2016 में गोगी को काउंटर इंटेलीजेंस ने गुरुग्राम के डीएलएफ से दो साथी समेत गिरफ्तार कर लिया था। गोगी की गिरफ्तारी के बाद उसके साथियों ने उसे हिरासत से भगाने की योजना बनाई। दीपक बजाना ने दीपक बॉक्सर से गोगी को पुलिस हिरासत से छुड़ाने में मदद करने के लिए कहा था। इसके लिए वह तैयार हो गया था। योजना अनुसार यूपी के दीपक बजाना, मोहित पंछी, रोहित मोई, परवीन लारा, अलीपुर के गुल्लू और इरफान, यूपी के दो अन्य अपराधी हवेली गन्नौर में मिले। वे सभी एक एसएक्स 4 और एक बाइक पर सवार होकर अलीपुर आ थे। यहां संजय उर्फ फल्ला ने एक और कार का बंदोबस्त करने की बात कही। जिसके बाद मोहित पंछी, परवीन लारा, मुक्केबाज, दीपक बजाना ने बवाना से आइ 20 कार लूटी थी। इसके बाद सभी रात में आइएसबीटी आ गए थे। यहां बॉक्सर, संजय उर्फ फला व प्रवीण लारा उस बस में चढ़ गए थे जिसमें गोगी को रखा गया था। अन्य बदमाश दो कारों में थे। जब वे सकोल बहादुरगढ़ पहुंचे, तब दोनों कारों में सवार बदमाश हरियाणा रोडवेज की बस को रोक उसमें घुस गए थे। मोहित पंछी ने पुलिसकर्मियों की आंखों में लाल मिर्च पाउडर फेंक दिया। उसी दौरान बॉक्सर और अन्य बदमाशों ने पुलिस से हथियार और गोला-बारूद छीन लिया और वेलोग गोगी को छुड़ाकर अपने साथ भगा ले गए।

यमुना के जलस्तर ने नर्सरी संचालकों की तोड़ी कमर, उभरने में लगेगा समय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

यमुना के बढ़े जलस्तर ने खादर में नर्सरी चलाने वाले संचालकों की कमर तोड़ दी है। बड़ी संख्या में पौधे यमुना के पानी में बह गए हैं। जो पौधे बचे हैं, वह उन्हें सड़कों के किनारे बेचकर आर्थिक नुकसान से उभरने की कोशिश कर रहे हैं। चार नर्सरी संचालकों को करीब 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

डीएनडी, मयूर विहार फेज-एक यमुना खादर, यमुना बैंक खादर व गांधी नगर पुराना लोहा पुल के पास खादर में नर्सरी चलती हैं। यमुना के बहाव में काफी पौधे बह गए हैं। संचालक जिन पौधों को किसी तरह से बचा सके, उन्हीं को बेचने में लगे हुए हैं। डीएनडी के पास नर्सरी चलाने वाले अजय कुमार ने कहा कि पानी का स्तर भले ही घट जाए, लेकिन खादर में गाद रहेगी। ऐसे में कोई भी नर्सरी संचालक नए पौधे नहीं मंगवा रहा है।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में खाली हैं प्रसूति विशेषज्ञ के पद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में प्रसूति विशेषज्ञों के कई पद खाली पड़े है। जिसके कारण छुट्टी वाले दिन इन अस्पतालों में विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होते है। आलम यह है कि रविवार व अन्य सरकारी छुट्टी वाले दिन 70 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को हरि नगर स्थित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल (डीडीयू) रेफर किया जाता है। इसके अलावा अस्पताल में छुट्टी वाले दिन प्रसूति विभाग की जिम्मेदारी जूनियर चिकित्सक के कंधों पर होती है, जो मरीज की जान के लिए खतरा है। नहीं है प्रसूति विशेषज्ञ

जाफरपुरकलां स्थित राव तुला राम अस्पताल में स्थिति इतनी खराब है कि यहां रात के समय भी अस्पताल में प्रसूति विशेषज्ञ नहीं रहती हैं। जिसके कारण महिलाओं को 21 किलोमीटर की दूरी तय कर डीडीयू अस्पताल आना पड़ता है। असल में यहां केवल एक ही प्रसूति विशेषज्ञ हैं।

वहीं, मोती नगर स्थित आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल व ख्याला स्थित गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में भी दो प्रसूति विशेषज्ञ हैं। इन अस्पतालों में भी कई

बार रात के समय विशेषज्ञ नहीं रहती हैं। उधर, द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अतिविशिष्ट अस्पताल में आपरेशन थिएटर शुरू नहीं होने के कारण प्रसूति विभाग यहां पूर्ण रूप से अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

खानापूर्ति के लिए यहां ओपीडी चलाई जा रही है। एक तरफ सरकारी अस्पतालों में बेड विस्तार की प्रक्रिया जारी है, दूसरी तरफ स्वास्थ्य कर्मचारियों के पदों को भरने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। ऐसे में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं किस प्रकार मिलेगी।

सुविधाओं का अभाव बता, किया रेफर विष्णु गार्डन निवासी जसबीर सिंह ने बताया कि रविवार सुबह उनकी पत्नी को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। सुबह छह बजे वह उन्हें गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर आएं। यहां करीब एक से डेढ़ घंटे में जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर भेज दिया। दोपहर करीब 12 बजे वह पुनः अस्पताल पहुंचे। करीब एक घंटे बाद जब उनकी बारी आई तो चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें डीडीयू अस्पताल रेफर कर दिया।

चिकित्सकों ने कहा कि मरीज का खून अधिक बह गया है, जिसके कारण आपरेशन करना होगा। इस दौरान महिला को खून चढ़ाना पड़ेगा और उनके अस्पताल में ब्लड बैंक की सुविधा नहीं है। जसबीर फौरन वहां से अपनी पत्नी को लेकर लेकर और डीडीयू अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया।

जसबीर ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में चिकित्सीय परामर्श से लेकर डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराने की प्रक्रिया में उन्हें करीब चार घंटे लग गए और यदि इस बीच मां या बच्चे को कुछ हो जाता तो कौन जिम्मेदारी लेता। जसबीर ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल की इमरजेंसी में आई ऐसी दस अन्य गर्भवती महिलाओं को भी चिकित्सकों ने डीडीयू रेफर कर दिया।

अस्पताल प्रशासन का पक्ष

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि अस्पताल में दो प्रसूति विशेषज्ञ हैं। छुट्टी वाले दिन डीएनबी व जूनियर चिकित्सक प्रसव के मामलों व वार्ड को संभालते हैं। पर जटिल मामलों में मरीज को डीडीयू अस्पताल में रेफर कर दिया जाता है।

असल में छुट्टी वाले दिन भी विशेषज्ञ को बुलाने से बचा जाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में वह अगले दिन छुट्टी लेंगे और सोमवार को काम का दबाव अधिक होता है और एक चिकित्सा विशेषज्ञ के लिए अकेले संभालना थोड़ा कठिन होता है। बता दें, गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में रोजाना 10 से 12 प्रसव होते है।

तमिलनाडु के मंत्री के परिसरों पर ईडी की छापेमारी, केजरीवाल ने की निंदा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कथित धन शोधन मामले में तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री के पोनमुडी एवं उनके पुत्र के कई परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की निंदा की और आरोप लगाया कि वह राजनीतिक दलों को तोड़ने तथा सभी विपक्षी नेताओं को ईडी से डराने की कोशिश कर रही है।

श्री केजरीवाल ने अपने ट्वीट में कहा ह्लहम तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री के परिसरों पर ईडी की छापेमारी की कड़ी निंदा करते हैं। वे पार्टियों को तोड़ने और ईडी से सभी को डराने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन ईडी के लिए राजग के पास कोई साझेदार नहीं बचेगा और भाजपा के कई नेता पार्टी छोड़ जायेंगे। आप ईडी के जरिए भारत जैसे महान देश को डरा या नियंत्रित नहीं कर सकते। गौरतलब है कि ईडी ने कथित धन शोधन मामले में आज सुबह श्री पोनमुडी और उनके पुत्र गौतम सिगामणि से संबंधित परिसरों पर छापेमारी के बाद आयी।

भागवत जीवन जीना सिखाती है : पार्षद प्रीती गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कथा में आज भाजपा उत्तर पूर्वी घौंडा वार्ड 231 की निगम पार्षद प्रीति गुप्ता अपने क्षेत्र के अरविंद नगर स्थित शिव मंदिर अरविंद नगर द्वारा आयोजित ह्लश्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञह्व जो 17 जुलाई सोमवार से आरंभ होकर 23 जुलाई रविवार तक चलेगा, में कलश यात्रा में सहभागी बनी।प्रीती गुप्ता नें कहा की भागवत जीवन जीना सिखाती है, धर्म के मार्ग मानव कैसे चले और भगवान की भक्ति कैसे हों सब इस पवित्र ग्रन्थ में वर्णित है, प्रीती गुप्ता नें कहा की धार्मिक कार्यक्रम क्षेत्र में होते रहने चाहिऐ इस अवसर पर भाजपा के कई पदाधिकारी बहनें व क्षेत्र की महिलाओं ने इस कलश यात्रा में भाग लिया। इस अवसर पर कलश यात्रा में उपस्थित रही भारती जोशी, उर्मिला शुक्ला, दीपिका ग्रोवर, नील कमल चंदेल, सोनम शर्मा, मधु चावला, एवं बिट्टू जी, कुलजीत सिंह, राजेंद्र चौधरी, घौंडा विधानसभा सोशल मीडिया प्रभारी विजय भाटिया सहित कई क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहे।

बाढ़ में मरे पशुओं को उठवाया : करतार सिंह डेढा

नई दिल्ली। आज युवा गुर्जर मंच ए समाज सेवा संगठन के अध्यक्ष करतार सिंह डेढा ने पशुओं को उठाने वाले अशोक कुमार के साथ आज लगभग 10 बाढ मे मारे गये गाय और भैंस को ओल्ड उस्मान पुर गांव में से निकाल कर ले गये संगठन के अध्यक्ष करतार सिंह डेढा ने बताया की बाढ़ मे मारे गये पशु की बदबू से लोगो राहत मिली और महामारी का खतरा भी टल गया। बाढ़ से लोगो को पशुओं की भारी हानी हो गई है ब्रिज मोहन गुर्जर राकेश डेढा ओमसैन गुर्जर इत्यादि संगठन के कार्यकर्ता ने भी पशुओं को उठाने में मदद की एन. जी.ओं.के साथ निगम पार्षद के पति गौरव शर्मा भी साथ थे। करतार सिंह डेढा ने बताया बाढ़ की चपेट में आने से यमुना खादर में कई पशु काल के ग्रास में स्म गए है। श्री डेढा ने कहा दिल्ली सरकार की ओर से बाढ़ पीड़ितों की नुकसान भरपाई के लिए जो सहायता राशि देने की घोषणा की गई है वह बहुत कम है जबकि लोगो का नुकसान बहुत अधिक हुआ है सरकार को यह राशी हुए नुकसान के हिसाब से देनी चाहिये।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया पुरस्कृत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मोती नगर के सभी बच्चों को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, मोती नगर में विशेष दीवान के दौरान सम्मानित किया गया। इसके अलावा ह्यकौमी प्रचारकह्ल के तौर पर पंथक स्टेजों से विशुद्ध गुरमत विचारधारा की कथा कर रहे गुरुद्वारा मोती नगर के मुख्य ग्रंथी भाई हिरदेजीत सिंह जी को विशेष सम्मान दिया गया। इस मौके पर गुरु घर से जुड़े परिवार की लड़की खुशबू ओबेरॉय को यूपीएससी परीक्षा के दौरान अखिल भारतीय 139 रैंक हासिल करके भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी बनने के लिए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही तेलंगाना राज्य की न्यायिक परीक्षा उत्तीर्ण कर मजिस्ट्रेट बनने जा रही दिलप्रीत कौर को भी सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन के दौरान खुशबू ओबेरॉय और दिलप्रीत कौर ने अपनी सफलता का मुख्य कारण साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की कृपा और अपने परिवार के समर्थन को बताया। इस अवसर पर लगभग 50 बच्चों को दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा के दौरान 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने, 4 बच्चों को नेशनल गतका चैम्पियनशिप में पदक लाने और 1 बच्चे को नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में पदक जीतने पर सम्मानित किया गया। गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के लिए लगाए गए गुरमति कैंप के दौरान अपनी सेवाएं देने वाले समूह वालंटियरों को भी सम्मानित किया गया। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए गुरुद्वारा साहिब के अध्यक्ष राजा सिंह और महासचिव रविंदर सिंह बिट्टू ने बताया कि बच्चों में शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति की भावना पैदा करने के लिए यह प्रयास किया गया है। ताकि बच्चों को यह समझाया जा सके कि पढ़ने से ही मानसिक और आर्थिक उन्नति के रास्ते खुलते हैं। जीवन में तरक्की पाने के लिए कड़ी मेहनत करना जरूरी है। अगर आज हमारे मोती नगर के बच्चे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और मजिस्ट्रेट बन रहे हैं तो इसके पीछे कड़ी मेहनत, लगन और परिवार का पूर्ण सहयोग मुख्य कारण है। इसलिए बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसी पहल आगे भी जारी रहेगी। इस मौके पर दलप्रीत सिंह ने स्टेज सचिव की भूमिका निभाई। जबकि पुरस्कार वितरण जतिंदर सिंह साहनी, डॉ. परमिंदर पाल सिंह, भूपिंदर सिंह, प्रिंसिपल इंदरजीत सिंह, गुरकंवर सिंह साहनी, सरबजीत सिंह, मनिंदर सिंह, जगप्रीत सिंह और हरविंदर सिंह भाटिया आदि ने किया।

केजरीवाल सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित बच्चों के लिए चल रही हैं विशेष कक्षाएं : इमरान हुसैन

सूचना

- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निदेर्शानुसार खाद्य-आपूर्ति मंत्री श्री इमरान हुसैन ने रिंग रोड स्थित मोनेस्ट्री मार्केट और सिविल लाइन क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया इसके साथ सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में बाढ़ राहत शिविरों का भी दौरा किया
- माननीय मंत्री श्री इमरान हुसैन ने एमसीडी और जल बोर्ड अधिकारियों को स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए जल निकासी और लेन सफाई की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निदेर्शानुसार दिल्ली में बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए, दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री इमरान हुसैन ने रिंग रोड स्थित मोनेस्ट्री मार्केट और सिविल लाइन क्षेत्र का सघन निरीक्षण

किया। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में विजिट के दौरान, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी ,जिला मजिस्ट्रेट(सेंट्रल), उपायुक्त (एमसीडी सिविल लाइन जोन), एडीएम, एसडीएम और राजस्व विभाग , दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी, बाढ़-सिचाई और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे ।

मोनेस्ट्री मार्केट में विजिट के दौरान माननीय मंत्री ने पाया कि हालांकि यमुना नदी का जल स्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है, फिर भी मोनेस्ट्री बाजार में बाढ़ का पानी जमा है और मार्केट में अभी भी गाद और कीचड़ फैला हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए माननीय मंत्री ने जल निकासी प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए और अधिक पंपों की तैनाती करने का निर्देश दिया। श्री इमरान हुसैन ने इस बात पर जोर दिया कि मार्केट को जल्द से जल्द चालू करने के लिए जल निकासी और सफाई का काम युद्ध स्तर पर किया जाना चाहिए। माननीय मंत्री ने जिला प्रशासन और एमसीडी को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के सहयोग से जल जमाव वाले क्षेत्र से अतिरिक्त पानी को शीघ्रता से निकालने की व्यवहार्यता का भी निर्देश दिया। सिविल लाइन क्षेत्र में दौरे के दौरान माननीय मंत्री ने देखा कि वहां से पानी कम होने के बाद इनमें कीचड़ और गाद गलियों में रुकी हुई है ।माननीय मंत्री ने एमसीडी और डीजेबी अधिकारियों को स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए जल निकासी और लेन की सफाई की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। माननीय मंत्री ने डीजेबी को प्रभावित क्षेत्र में पानी के टैंकरों की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया।

मैगजीन रोड स्कूल में राहत शिविर के निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने राहत शिविर में वितरित खाद्य सामग्री के बारे में जानकारी ली। बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि शिविर में उन्हें चाय व बिस्किट के साथ-साथ उचित भोजन भी दिया जा रहा है। राहत शिविर में अधिकारियों ने माननीय मंत्री को अवगत कराया कि शाम के समय बाढ़ प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ जाती है, जिसे देखते हुए शिविर में भोजन एवं रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

बाढ़ प्रभावित लोगों के राहत उपायों को सुनिश्चित करने के लिए , खाद्य-आपूर्ति मंत्री ने गोल्डन जुबली पार्क बाढ़ राहत शिविर का आज दुबारा दौरा किया और पाया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त टेंटेज की व्यवस्था कर दी गई है। माननीय मंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि राहत शिविर में नियमित रूप से पर्याप्त पशु चारा भी उपलब्ध कराया जा रहा है ।माननीय मंत्री ने निर्देश दिया कि अतिरिक्त लगाए गए टेंटों में पर्याप्त रोशनी और पंखे उपलब्ध कराए जाने चाहिए। माननीय मंत्री ने मेडिकल टीम को बाढ़ राहत शिविर में मवेशियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने का भी निर्देश दिया। इस मौके पर बाढ़ प्रभावित लोगों ने केजरीवाल सरकार द्वारा मुहैया करायी जा रही सुविधाओं पर संतोष जताया।

जीनत महल स्कूल के राहत शिविर में, माननीय मंत्री ने बाढ़ प्रभावित बच्चों से बातचीत की और उन्हें संबोधित भी किया , जो अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा स्कूल में चलाये जा रहे विशेष कक्षाओं में भाग ले रहे थे। माननीय मंत्री ने बाढ़ प्रभावित बच्चों के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित करने के लिए स्कूल के शिक्षकों की सराहना की। स्कूल में चल रहे बाढ़ राहत कैंप में अभी लगभग 300 बाढ़ प्रभावित लोग रह रहे हैं। माननीय मंत्री से बातचीत करने पर बाढ़ प्रभावितों ने अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। राहत शिविर में पर्याप्त रोशनी एवं पंखे की भी व्यवस्था पर माननीय मंत्री जी ने संतोष व्यक्त किया।

माननीय मंत्री (खाद्य-आपूर्ति) के निर्देश पर नियमित रूप से ग्राउंड लेवल जानकारी लेने और आवश्यक बचाव, राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए सम्बंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है।

सावन में सोमवती अमावस्या में शिव जलाभिषेक का विशेष महत्व : राजेश्वरानंद

नई दिल्ली। सावन के पावन मास में सोमवती अमावस्या पर शिव जलाभिषेक का होता हैं विशेष महत्व यह पावन संदेश दिया गया स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा सावन में सोमवती अमावस्या के अवसर पर शाहदरा गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में शिव जलाभिषेक करते हुए भक्त समूह को। संस्थान के सहप्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि दो महीने भर चलने वाले विशेष सावन के प्रथम सोमवार के अवसर पर भोर होते ही मंदिर के कपाट खुलने पर शिव जलाभिषेक करने वाले भक्तों का अपार जनसमूह देखने को मिला। बेलपत्र, फूलमाला, फल, दूध, पंचामृत, भांग धतूरा आदि अर्पित करते हुए भक्त जन शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक करते हुए पुण्य लाभ प्राप्त करते देखे गए। संस्थान की ओर से भक्तजनों के लिए खीर, भंडारे प्रसाद की सुंदर व्यवस्था की गई थी। इस पावन अवसर पर भक्तसमूह को संबोधित करते हुए स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने बताया कि ह्लसोमवती अमावस्या से शिक्षा मिलती है कि माता पिता गुरुदेव की आज्ञा का पालन करने वाले व्यक्ति के मार्ग में आने वाली बड़ी से बड़ी रुकावटें भी दे

संक्षिप्त खबरें

हाथापाई में मुखिया पति घायल

सिवान। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के हथौड़ा एवं मड़कन के युवकों के बीच शनिवार को किसी बात को लेकर हाथापाई हो गई। इसी बीच दोनो गुटों के दरमियान झगड़े का बीच बचाव करने गए मुखिया पति को भी चोट लगी है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष विजय कुमार यादव ने बताया कि शनिवार को टेढ़ीघाट बाजार में किसी बात को लेकर हथौड़ा एवं मड़कन के दो युवकों के बीच तू तू मैं मैं हुई और फिर हाथापाई की नौबत आ गई। इसके बाद दोनों गांवों के युवक वहां चले आए और झगड़े की नौबत आ गई। बीच बचाव कर रहे एक मुखिया पति को चोट लग गई है। मामला नियंत्रण में है। पुलिस दल को स्थल पर तैनात किया गया है और पुलिस की वैन लगातार गांव की तरफ चक्कर लगा रही है। माहौल शांत है। अगर कोई माहौल को खराब करने की कोशिश करने करेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। फिलहाल इस मामले में कोई आवेदन नही मिला है।

दहीभाता तकिया टोला से एक माह पूर्व घर से निकला युवक हुआ लापता

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के दहीभाता तकिया टोला से बीते नौ जून की शाम घर से बाजार के लिए निकला युवक दीपू कुमार गुप्ता पिछले एक माह से रहस्यमय ढंग से लापता चल रहा है। काफी खोजबीन के बाद भी जब युवक का कोई पता नहीं चला तो मामले को लेकर उसके बड़े भाई बबलू कुमार के आवेदन पर अज्ञात के विरुद्ध अपहरण की प्राथमिकी करने के लिए आवेदन दिया गया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

थावे बीडीओ ने कार्यभार ग्रहण किया

थावे। थावे प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के पद पर सोमवार को अजय प्रकाश राय ने कार्यभार ग्रहण किया। इसके पहले वे पश्चिम चंपारण जिले के गौनाहा प्रखण्ड में बीडीओ के पद पर कार्यरत थे। विदित हो कि निवर्तमान बीडीओ मनीष कुमार सिंह का स्थानांतरण पूर्वी चंपारण के केसरिया प्रखण्ड में बीडीओ के पद पर हुआ है।

पिपराही में पांच दिन पूर्व हुए मारपीट में दूसरे पक्ष ने कराई प्राथमिकी

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के पिपराही गांव में 13 जुलाई की शाम दो पक्षों के बीच हुए मारपीट में दूसरे पक्ष ने पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिक कराई है। मामले में घायल बाबूलाल बीन ने आरोप लगाया कि वह अपने दरवाजे पर बैठे हुए थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोग आए और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए एसडीएम कार्यालय से आए नोटिस से रंज होकर उनके साथ गाली गलौज करने लगे। जिसका विरोध करने पर उन्हें मारपीट कर जख्मी कर दिया। बीच-बचाव में आए उनके बेटे जालिम प्रसाद की भी पिटाई की गई। दोनों घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। मामले में घायल बाबूलाल बीन के आवेदन पर गांव के अंजन साह, उनके पिता राम प्रसाद, राहुल कुमार, जितेंद्र और मिथुन साह के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

थावे में दूसरी सोमवारी को हर हर महादेव के नारे से गुंज उठा शिवालय

थावे। थावे प्रखण्ड के शिवालय सावन माह की दूसरी सोमवारी को हर हर महादेव के नारे से गूंज उठे। काफी संख्या में शिवभक्त दूसरी सोमवारी को शिवस्थान में स्थित बाबा सिधेश्वरनाथ मन्दिर में जलाभिषेक किए। सुबह से ही शिव भक्त लंबी कतार में खड़े होकर पूजा अर्चना की। शिव मंदिर में सुबह से ही शिव भक्तों की भीड़ लगी रही। शिव भक्त वेल पत्र, धतूर, भांग, मदार व गाय के दूध से शिव लिंग को जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव की नारे से गुंज उठा। वही प्रखंड अन्य शिवालयों में भी शिव भक्तो की भीड़ लगी रही। सभी शिवालयों में सोमवार के दिन जलाभिषेक का कार्यक्रम चलता रहा। वही दूसरी तरफ ऐतिहासिक दुगामंदिर में सोमवार के दिन श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। सभी लोग कतार में लगकर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की। सैकड़ो की संख्या में बाबा के नगरी देवघर जाने वाले कावरियों ने भी मां दुर्गा की पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना करने के बाद शिव भक्त देवघर के लिए रवाना हो गए।

वार्ड 30 की वार्ड पार्षद ने खुद के खर्च से कराया डोर टू डोर खचरा उठाव कार्य

छपरा। नगर निगम छपरा के पक्ष पात और भेदभाव से आजिज आकर सोमवार को छपरा नगर निगम वार्ड 30 की पार्षद नाजिया सुल्ताना के पति सह संस्थापक महासचिव मो सुल्तान हुसैन इदरीसी ने खुद के खर्च से वार्ड में डोर टू डोर कार्य कराया। मो सुल्तान इदरीसी ने कहा कि छपरा नगर निगम की महापौर और नगर आयुक्त के मिली भगत से वार्ड में डोर टू डोर कार्य बंद कर दिया गया है। बार बार आवेदन निवेदन करने के बाद भी कोई कार्रवाई नही की जा रही। जिसके वजह से वार्ड में घरों के अंदर कचरे का अंबार लग चुका था, नगर निगम और महापौर व डिप्टी मेयर से कहने पर संसाधन नही होने की बात कह वार्ड 30 में कार्य नही कराने में असमर्थता जताई।

नीतीश कुमार के दमनकारी रवैये के खिलाफ भाजपा का एक दिवसीय धरना

इस बार जनता आने वाले चुनाव में देगी जवाब : डॉक्टर संजय मिश्रा

फुलवरिया प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया प्रखंड के माड़ीपुर पुल के पास भाजपा कार्यकताओं ने नीतीश कुमार के दमनकारी रवैये के खिलाफ एक दिवसीय धरना दीया। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने की। इस दौरान विधानसभा के संयोजक डॉ संजय मिश्रा ने कहा कि आने वाले चुनाव में जनता नीतीश सरकार के दमनकारी रवैये का जवाब अपने वोट की चोट से देकर कुर्सी से उखाड़ फेकेगी।

उन्होंने कहा कि 12 जुलाई को पटना में मांगों को लेकर बिहार सरकार के विरुद्ध धरना में शामिल भाजपा कार्यकताओं पर सरकार के इशारे पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर बेरहमी से पीटा था। जिसमें जहानाबाद के एक भाजपा के कार्यकर्ता संतोष कुमार सिंह की मौत हो गई। राज्य की नीतीश सरकार अब अंग्रेजी हुकूमत की तरह शासन कर रही है। सरकार के विरुद्ध जो लोग भी धरना अपनी मांगों को लेकर दे रहे हैं, उसे दबाने के लिए सरकार आदेश देकर निर्मम तरीके से पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करवा रही है। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हम अपने शहीद कार्यकर्ता की कुर्बानियों को कभी नहीं भूलेंगे। आज वे हमारे बीच शहीद होकर भी अमर है। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पहले अपनी मांगों को लेकर धरना पर बैठीं आंगनबाड़ी सेविकाओं को बेरहमी से पीटा गया। उसके बाद शिक्षकों, किसान सलाहकारों की पिटाई की गई, साथ ही उनकी मांगों के समर्थन में शामिल भाजपा कार्यकताओं को पीटने का कार्य किया गया। जिसे बिहार की जनता सब अपनी आंखों से देख रही है, जो अब बर्दाश्त नहीं करने वाली हैं। नीतीश कुमार के इस रवैये का जवाब आने वाले चुनाव में जनता जरूर देगी। इस दौरान धरना प्रदर्शन में शामिल भाजपा नेताओं व कार्यकताओं ने बिहार की नीतीश और तेजस्वी गठबंधन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मंच का संचालन हथुआ विधानसभा के संयोजक डॉ संजय मिश्रा ने किया। मौके पर उपाध्यक्ष अजय पांडे, सुभाष तिवारी, संजय सिंह, महामंत्री संदीप कुमार गुप्ता, कमलेश शाह, आईटी सेल सह सहसंयोजक रूपेंद्र सिंह युवा मोर्चा के अध्यक्ष नीरज राय, भाजपा कार्यकर्ता उज्जवल सिंह, आर्यन सिंह, सुनील सिंह, कोषाध्यक्ष रामेश्वर सिंह, नीरज सिंह, चंद्रमोहन राय आदि उपस्थित थे।

शहीद अशोक कुमार सिंह की याद में मनाई गई शहादत दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

सिवान। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के फरीदपुर में रविवार को शहीद अशोक कुमार सिंह की शहादत दिवस मनाई गई। शहीद अशोक सिंह भारत तिब्बत सीमा पुलिस में कार्यरत थे। वह सेवा के दौरान शहीद हो गये थे। उनके शहादत दिवस पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस के कमांडेंट चिरंजीवी लाल व अन्य पुलिस पदाधिकारी उनके गाँव में जाकर उनके प्रतिमा पर मल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी। वहीं शहीद की पत्नी को कमांडेंट द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति तथा दीपू सिंह, सुरेन्द्र सिंह, प्रभु सिंह, अशोक सिंह, संतोष सिंह, मन्नू सिंह, रोहित सिंह बैजनाथ गुप्ता, दिलीप यादव, संजय प्रसाद सहित दर्जनों ने माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

शांति व सदभाव के साथ मनाये मुहर्रम का त्यौहार: डीएम

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

समाहरणालय के सभाकक्ष में डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी की अध्यक्षता में मुहर्रम पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की कार्रवाई प्रारंभ करते हुए डीएम के द्वारा सर्वप्रथम शांति समिति के सभी सदस्यों को बैठक में उपस्थित होने के लिए स्वागत संबोधन किया तथा विगत वर्षो के अनुभव के आधार पर सुझाव एवं आसूचनाएं देने का अनुरोध किया गया। जिसके बाद डीएम ने सदस्यों से अपेक्षा रखते हुए कहा कि जिस प्रकार विगत वर्षो में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में यह त्यौहार संपन्न हुआ है उसी प्रकार इस साल का पर्व भी शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा। जिस पर शांति समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति यह पर्व सभी क्षेत्रों में शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए जाने का आश्वासन देते हुए इस पर्व के अवसर पर साफ सफाई, कानून व्यवस्था आदि के विषयों पर अपने अपने विचारों से जिला प्रशासन को अवगत कराया एवं जिला प्रशासन द्वारा उन विभिन्न पहलुओं पर विचार कर समुचित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में एसपी स्वर्ण प्रभात, उप विकास आयुक्त अभिषेक रंजन जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज कुमार रजक, जिला सामान्य शाखा प्रभारी राधाकान्त, अनुमंडल पदाधिकारी हथुआ राकेश कुमार, सदर एसडीपीओ प्रांजल, उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार, वरीय उप समाहर्ता रूपा रानी, राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो, जदयू नेता प्रमोद कुमार पटेल, राजद नेता सुनील कुमार बारी, भाजपा नेता राजकरण गुप्ता सहित सभी जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

प्रखंड परिसर में पौधा लगाकर बीडीओ ने किया योगदान

भोरे प्रात : किरण संवाददाता

अब भोरे प्रखंड परिसर हरा भरा दिखेगा। इसके लिए नए बीडीओ दिनेश कुमार सिंह ने योगदान करते ही परिसर को हरा भरा बनाने की पहल शुरू कर दिया। योगदान करते ही कर्मियों के साथ बैठक कर योजनाओं को पूर्ण करने का प्लान तैयार किया। साथ ही अपने कार्य की शुरूआत करने के पूर्व जिला के पर्यावरण मित्र डॉ सत्य प्रकाश व अन्य कर्मियों के साथ प्रखंड परिसर में पौधा लगाया।

फिर जनप्रतिनिधियों व कर्मियों से रू ब रू हुए। पौधा लगाते हुए बीडीओ ने कहा कि अपने आस पास साफ सफाई के साथ साथ हरा भरा रखना नैतिक कर्तव्य बनता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मैंने पौधरोपण कर कार्य की शुरूआत किया। बीडीओ ने यह भी कहा कि सभी कर्मी एक दिन व एक समय परिसर में पौधरोपण करेंगे। ताकि यह कैंपस हरियाली के लिए मोहताज नहीं रहे। इन्होंने पर्यावरण मित्र डॉ सत्य प्रकाश के कार्यो की सराहना किया। कर्मियों से रू ब रू होते ही बीडीओ ने स्पष्ट कहा कि कार्यो में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कर्मियों को समय पर कार्यालय आने का हिदायत दिया। साथ ही बीडीओ ने जनप्रतिनिधियों से भी कहा कि पंचायतों में कार्य नहीं करने वाले कर्मियों की शिकायत सीधे हमशे करें। शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद आवास पर्वेक्षक विजय कुमार कुशवाहा को प्रधानमंत्री आवास योजना को शत प्रतिशत पूर्ण करने, इंदिरा आवास लाभुकों का भुगतान करवाने व मुख्यमंत्री आवास योजना की सूची तैयार कर प्रखंड मुख्यालय में जमा करवाने का निर्देश दिया। साथ ही बीडीओ दिनेश कुमार सिंह ने सभी प्रधानमंत्री आवास योजना प्राप्त लाभुकों के दरवाजे पर एक एक फलदार पौधा लगाने का निर्देश दिया। बीडीओ के इस पहल से कर्मियों ने हर संभव पौधरोपण कार्यक्रम में मदद करने का आश्वासन दिया। इस क्रम में बीडीओ ने कहा कि पौधरोपण सभी कर्मियों को अपने पदस्थापन क्षेत्र में करना चाहिए। इसके बहुआयामी लाभ है। इधर पर्यावरण मित्र डॉ सत्य प्रकाश ने कहा कि यही सच्चा जीवन साथी है जो हमेशा साथ निभाता है। पौधरोपण जैसा समाज उपयोगी कार्य दूसरा कुछ भी नहीं है। पर्यावरण मित्र ने सभी कर्मियों, जनप्रतिनिधियों वाम ग्रामीणों को पौधरोपण के लिए प्रेरित भी किया।

टॉप-10 में शुमार कुख्यात अपराधी पारस चौधरी गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज जिले के टॉप-10 क्रिमिनल में शुमार कुख्यात अपराधी पारस चैधरी को डीआइयू व उचकागांव थाना की संयुक्त कारवाई में गिरफ्तार किया गया है। हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार के नेतृत्व में डीआइयू व थाना ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है। प्रेसवार्ता के दौरान एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मीरगंज के समीप घेराबंदी कर कुख्यात अपराधी पारस चैधरी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की हत्या, दंगा, व शराब तस्करी सहित छह मामलों में तालाश थी। गिरफ्तार कुख्यात अपराधी से गहन पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया कि कुख्यात अपराधी पारस चैधरी पर उचकागांव थाने में छह अपराधिक मामला दर्ज हैं। इसमें हत्या, दंगा, शराब तस्करी का मामला है। उन्होंने बताया कि यह लंबे समय से फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश में भी पुलिस छापेमारी कर चुकी थी। वॉन्टेड अपराधी पारस चैधरी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है।

भूमिहिनो के बीच जमीन वितरित करने को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगा माले

भोरे। हथुआ राज की सिलिंग से फाजिल लखराव व मनियारा फार्म की जमीन को भूमिहिनो के बीच वितरित करने की मांग को लेकर 21 जुलाई को जिला मुख्यालय मे प्रदर्शन किया जायेगा। उक्त आशय की जानकारी भाकपा माले के जिला सचिव इंद्रजीत चैरसिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि हथुआ राज की यह जमीन बहुत पहले ही सिलिंग एक्ट से फाजिल निकल चुका है। हथुआ राज दरबार इस जमीन को लेकर हाई कोर्ट मे मुकदमा दायर किया था हाई कोर्ट ने जिलाधिकारियों के रिपोर्ट को देखने के बाद उस मुकदमा को खारिज कर दिया था। वे लोग सुप्रीम कोर्ट भी गए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट भी केश की सुनवाई करने से इंकार कर दिया। ये लोग पुनरूहाई कोर्ट मे मुकदमा दायर किये हाई कोर्ट ने जिलाधिकारी को आदेश दिया की प्रति यूनिट 30 एकड़ जमीन इन्हे देकर शेष जमीन को एक्वायर करने की बात कही गई। उस समय इनके परिवार मे तीन यूनिट था इस हिसाब से 90 एकड़ जमीन हुआ है।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर की गई पुलिसिया कार्रवाई के विरुद्ध भाजपा ने दिया धरना

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

12 जुलाई के दिन पटना में मांगों को लेकर बिहार सरकार के विरुद्ध धरना दे रहे भाजपा कार्यकताओं पर सरकार के इशारे पर की गई पुलिसिया कार्रवाई के विरुद्ध प्रखंड अध्यक्ष दीपक सिंह की अध्यक्षता में भाजपा कार्यकताओं ने सोमवार के दिन उचकागांव प्रखंड मुख्यालय पर धरना दिया।

इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि राज्य की नीतीश सरकार अंग्रेजों के जनरल डायर की तरह शासन कर रही है। सरकार के विरुद्ध अपनी मांगों को लेकर धरना देने पर सरकार धरना प्रदर्शन को दबाने के लिए निर्मम तरीके से पुलिसिया कार्रवाई करवा रही है। जो चलने वाली नहीं है। वक्ताओं ने कहा कि पहले पुलिस ने अपनी मांगों को लेकर धरना दे रही आंगनबाड़ी सेविकाओं को बुरी तरीके से पीटा। उसके बाद किसान सलाहकारों और शिक्षकों की पिटाई की गई और उसके बाद सरकार ने भाजपा कार्यकताओं को पीटने का कार्य किया है। जिसमें जहानाबाद के भाजपा नेता विजय सिंह की पुलिस की पिटाई से मौत हो गई। जिसे बिहार की जनता बर्दाश्त नहीं करेंगी। इस दौरान नेताओं ने बिहार की नीतीश और तेजस्वी की गठबंधन सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई। मंच संचालन परितोष कुमार राय ने किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामेश्वर सिंह, नीरज सिंह, चंद्रमोहन राय, उपेंद्र सिंह, राजकुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

रास्ते में घेर कर 50 हजार नगद व मोबाइल छीनने के मामले में दूसरे पक्ष ने कराई प्राथमिकी

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के श्यामपुर ईदगाह के समीप थाना क्षेत्र के जलालदी टोला गांव के अजय कुमार पांडेय के साथ गाली गलौज करने के बाद उनसे पचास हजार नगद और मोबाइल छीनने के मामले में दूसरे पक्ष के थाना क्षेत्र के श्यामपुर बाजार के रत्नेश मिश्रा ने आवेदन पर चार लोगों के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई है। मामले में पीड़ित ने आरोप लगाया है कि वह 13 जुलाई के दिन गोपालगंज जा रहे थे। इसी क्रम में विजय टॉकीज के समीप कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। वही पूर्व में अजय कुमार पांडे को दिए गए दस हजार रुपए उधार वापस मांगने को लेकर विवाद करने लगे। विरोध करने पर उन्हें मारपीट कर जख्मी करने के बाद उनके पॉकेट में रखे पांच हजार रुपए नगद निकाल लिए गए। मामले में घायल रत्नेश मिश्रा के आवेदन पर थाना क्षेत्र के जलालदी टोला गांव के अजय कुमार पांडेय, दुलुआ पांडेय, छोटन पांडेय और अनिल पांडेय के प्राथमिकी कराई गई है।

आभार कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब छपरा ने अपने सहयोगियों को किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। इनरव्हील क्लब छपरा ने अल्प अवधि में बेहतर कार्य किया है, समाज के जरूरतमंदों की सेवा की है, क्लब की प्रेसिडेंट अनीमा सिंह के नेतृत्व में इनर व्हील क्लब छपरा ने राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी जगह बनाई है। उक्त बातें शहर के सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ. एन के जैन की पत्नी अलका जैन ने रविवार की संध्या में स्थानीय क्षत्रधारी बाजार स्थित आई एम ए के सभागार में इनरव्हील क्लब छपरा द्वारा आयोजित आभार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। बता दें कि क्लब की अध्यक्ष अनीमा सिंह द्वारा अपने एक साल के अवधि में सफलतापूर्वक पूरा करने और सभी सहयोगियों का साथ देने के लिए आभार कार्यक्रम रखा गया था। यह भी बता दें कि इनरव्हील क्लब में महिला चिकित्सकों की लंबी तादाद है और अधिकांश महिला चिकित्सकों के पति भी चिकित्सक है, यही कारण है कि क्लब निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है स आभार कार्यक्रम में उपस्थित शहर के जाने-माने चिकित्सक के अलावा क्लब की सदस्यों एवं पदाधिकारियों सहित गणमान्य लोगों को इनरव्हील क्लब द्वारा अंग वस्त्र, पौधा व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनीमा सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि क्लब किसान प्रोजेक्ट में मीडिया कर्मियों की भी भूमिका अहम रही है, मीडिया के सहयोग के बिना किसी भी कार्यक्रम को सफल कर पाना मुश्किल है, क्लब के हर अपोजिट को मीडिया कर्मियों ने प्रमुखता से जगह दी है इसके लिए मैं मीडिया कर्मियों को भी तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। इस समारोह में अतिथियों ने अपने संबोधन में आनीमा सिंह के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके कार्यकाल में संस्था का दायरा बढ़ा है और ख्याती भी अर्जित की है, यही कारण है कि इनरव्हील क्लब छपरा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्थान बनाने का मौका मिला है। इस कार्यक्रम में जिन्हें सम्मानित किया गया उनमें डॉ राजीव रंजन, डॉ. शालिग्राम विश्वकर्मा, डॉक्टर एनके जैन, प्रोफेसर मृदुल शरण, पीडीसी गायत्री आयार्नी, क्लब के नए अध्यक्ष सरिता राय, अनुराधा सिन्हा, डॉक्टर दीपा सहाय, डॉक्टर ज्योति शरण, रूपा सहाय, डॉक्टर नताशा, रानी सिन्हा, अर्पणा मिश्रा, किरण सहाय, शशि प्रभा सिंहा, अर्चना रस्तोगी, डॉ किरण सिंह, वीणा शरण, मधुलिका तिवारी, राखी सिंह, अलका जैन सहित क्लब के सदस्य के अलावा शहर के गणमान्य लोग आदि प्रमुख थे।

पूउरे पेंशनर्स एसोसिएशन के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष भारत पेंशनर्स समाज के संयुक्त महासचिव चुने गए

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन छपरा शाखा के उप सचिव डॉ ए एच अंसारी ने बताया कि पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन छपरा शाखा की बैठक 11 बजे दिन से पराशर कॉम्प्लेक्स प्रभु कॉलोनी, भगवान बाजार में हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश पराशर ने किया। दो पेंशनर्स जवाहर तिवारी एवं शारदा देवी की आकस्मिक मृत्यु पर एसोसिएशन के सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। बैठक को संबोधित करते हुए शाखा मंत्री मिथिलेश कुमार सिंह ने पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अमीय रमण को भारत पेंशनर्स समाज का संयुक्त महासचिव चुने जाने पर छपरा शाखा और सभी पेंशनर्स की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएँ दिया। शाखा मंत्री ने बताया कि यह पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, इससे हमारी मांगे केंद्र सरकार से मनवाने में मदद मिलेगी। उन्होंने पेंशनर्स एसोसिएशन की सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया। केंद्र सरकार से 18 माह का बकाया मँहगाई राहत देने की मांग की और केंद्र सरकार से कर्मचारी एवं पेंशनर्स हित में अविलंब आठवें वेतन आयोग के गठन करने की माँग की। साथ ही इसके लिए पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों को अपनी चट्टानी एकता बनाए रखने पर जोर दिया। एसोसिएशन की ओर से पेंशनर्स की समस्याओं एवं उनके किए गए निराकरण पर विस्तार से चर्चा किए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पराशर ने पेंशनर्स सदस्यों के जन्मदिन पर उनको बधाई कार्ड देकर लंबी आयु की कामना की और उनको सभी सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन का त्रैमासिक बुलेटिन सभी पेंशनर्स सदस्यों को वितरित किया गया। जिन पेंशनर्स की वर्तमान समस्या थी, उसको एकत्र किया और रेलवे अस्पताल से रोगग्रस्त पेंशनर्स को उचित इलाज और दवा आपूर्ति की माँग की गई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओ पी पराशर ने पेंशनर्स को स्वस्थ रहने के कुछ उपाय के साथ उनके स्वस्थ जीवन की मंगलकामनाएं की। साथ ही रेलवे बोर्ड के नये आदेशों से सभी पेंशनर्स को अवगत कराया। बैठक को संबोधित करने वालों में डॉ पी डी सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, ओ पी पराशर, बी एन शर्मा, राजकुमार श्रीवास्तव, सुधीर कुमार श्रीवास्तव, पी के माँझी, सुरेन्द्र सिंह एवं मुद्रिका प्रसाद आदि मुख्य है।

लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का धरना, सीएम नतीश को कहा तानाशाह

छपरा। दिघवारा प्रखंड में पटना विधानसभा मार्च के दौरान भाजपा कार्यकताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में पार्टी कार्यकताओं ने सोमवार को दिघवारा प्रखंड मुख्यालय पर नीतीश सरकार के विरुद्ध एक दिवसीय धरना दिया। धरना के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चा पर नाकाम हो चुकी है। जिस कारण आवाज उठाने वालों को लाठी से पिटवा रही है। आने वाले समय में जनता इसका हिसाब लेगी। दिघवारा में आयोजित धरना की अध्यक्षता पार्टी के सदर मंडल अध्यक्ष विपिन सिंह और संचालन नगर अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने किया। धरना प्रदर्शन में शामिल लोगों ने नीतीश सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया। कार्यकताओं द्वारा जहानाबाद के महामंत्री एवं पार्टी के नेता स्वर्गीय विजय कुमार सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। बिहार प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी तब तक हम सभी भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के निदेर्शानुसार अपनी मांग को सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेंगे। मौके पर राजेश सिंह, कृष्ण राम, लालबाबू कुशवाहा, उमा शंकर सिंह, रविन्द्र सिंह, मोहन शंकर प्रसाद, मुन्नीलाल सिंह, प्रखंड प्रमुख दिलीप सिंह, राजकुमार सिंह मुन्ना, पूनम सिन्हा, मुस्कान सिंह, मुकलेश सिंह, अविनाश गुप्ता, अजीत पासवान, अमन सिंह, प्रमोद सिंह, सूरज सिंह, देव कुमार राय, अनुपम कुमार, सुनील कुमार, मनोज कुमार सिंह, सी एन मेहता आदि सौकड़ों भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

राज्य स्तरीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता गोपालगंज में सारण ने 13 स्वर्ण पदक के साथ कुल 30 मेडल जीता

छपरा। तीसरा राज्य स्तरीय चैंपियनशिप मैच का आयोजन गोपालगंज अम्बेडकर भवन में 14 से 16 जुलाई तक आयोजित था। जिसमें ताईक्वांडो सारण के खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण पदक 8 रजत पदक कांस्य 9 पदक के साथ मैच में चैथे स्थान पर रही। बालक सीनियर वर्ग में पुमसे अंडर 40 वर्ग में रवि शंकर शर्मा ने दो स्वर्ण पदक जीता सीनियर वर्ग में स्वर्ण पदक अभिषेक कुमार, शुभम गुप्ता, निखिल तिवारी वही रजत पदक उज्वल प्रकाश ने जीता। सीनियर बालिका वर्ग में रजत पदक काजल कुमारी कांस्य पदक अनामिका कुमारी ने जीता। जूनियर बालक वर्ग में स्वर्ण पदक करण कुमार, कुमार गोविंद, वही रजत पदक सौरभ कुमार, नितेश कुमार, आदित्य राज, कांस्य पदक सूर्यकांत कुमार ने जीता। जूनियर बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक कुसुम कुमारी ने जीता। बालक कैडेट वर्ग में स्वर्ण पदक श्रवण कुमार, रजत पदक यशवर्धन कुमार, शिवम कुमार सिंह कांस्य पदक शिवम कुमार, शुभम कुमार शर्मा ने जीता।

कैडेट बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक रोशनी कुमारी ने जीता रजत पदक भारती कुमारी कांस्य पदक अनु कुमारी, रूबी कुमारी ने जीता। सब जूनियर बालक वर्ग में स्वर्ण पदक सुंदरम पासवान ने जीता कांस्य पदक शिवा कुमार शर्मा ने जीता। सब जूनियर बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक वैष्णवी कुमारी, रोशनी कुमारी ने जीता कांस्य पदक मुस्कान कुमारी किरण ने जीता। निर्णायक मंडल में ताईक्वांडो एसोसिएशन ऑफ सारण के कार्यक्रम अध्यक्ष सुरेश कुमार रजक, सचिव डॉ० जितेंद्र कुमार वही पुरुष टीम कोच विवेक कुमार महिला टीम कोच ज्योति कुमारी सिंह के देख रेख में खिलाड़ियों ने अपना मैच खेला। मौके पर ताईक्वांडो एसोसिएशन ऑफ सारण के सदस्य अभिषेक शर्मा मौजूद रहे। खिलाड़ियों के सफलता पर ताईक्वांडो एसोसिएशन ऑफ सारण के जिला अध्यक्ष डॉ० प्रीतम यादव, उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, मनोज कुमार, सचिन कुमार, आर्यन राज बिट्टू, विष्णु गुप्ता, रवि निषाद, प्रभात कुमार इत्यादि बधाई दिया।

सम्पादकीय

यू सी सी : निगाहें कहीं हैं, निशाना कहीं

इन दिनों देश में यू सी सी अर्थात यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस जारी है। यह बहस ऐसे समय में छिड़ी है जबकि लगभग 9 महीने बाद देश में आम लोकसभा चुनाव की घोषणा की जानी है। यू सी सी भारतीय जनता पार्टी के उन्हीं तीन प्रमुख चुनावी वादों में से एक है जिन्हें भाजपा ने एक दूरगामी रणनीति के तहत अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में 1996 में पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनते समय ठंडे बस्ते में डाल दिया था। और न्यूनतम सांझा कार्यक्रम के आधार पर एक गैर कांग्रेसी राजग सरकार का गठन किया था। परन्तु 2019 के लोकसभा चुनावों में जैसे ही भारतीय जनता पार्टी अपने पूर्ण बहुमत पर पहुंची और 303 सीटों पर जीत हासिल की तथा भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 353 सीटें जीतीं वैसे ही भाजपा अपने उन मूल मुद्दों को पूरा करने में जुट गयी। इनमें पहला अयोध्या मंदिर निर्माण मुद्दा तो अदालती फैसले के आधार पर निर्णायक नतीजे पर पहुँच गया जबकि 5 अगस्त 2019 को कश्मीर से धारा 370 हटाकर भाजपा ने अपना दूसरा मूल मुद्दा भी हल कर लिया। और अब जबकि विभिन्न राज्यों व केंद्र के चुनाव निकट भविष्य में होने वाले हैं भाजपा ने अपने तीसरे यानी समान नागरिक संहिता के मुद्दे को हवा देनी शुरू कर दी है। वैसे भी समान नागरिक संहिता केंद्र की मौजूदा सत्ताधारी भाजपा के लिए जनसंघ के समय से ही प्राथमिकता वाला एजेंडा रहा है। और भाजपा सत्ता में आने पर यूसीसी को लागू करने का वादा करने वाली पहली पार्टी थी और यह मुद्दा उसके 2019 के लोकसभा चुनाव घोषणा पत्र का प्रमुख हिस्सा भी था। अब यहां पहला प्रश्न यह है कि जिस समान नागरिक संहिता यानी कॉमन सिविल कोड की बात भाजपा दशकों से करती आ रही है उसमें और जिस समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की चर्चा इनदिनों छिड़ी है इनमें अंतर क्या है? मोटे तौर पर समान नागरिक संहिता यानी कॉमन सिविल कोड का आशय पूरे देश के सभी नागरिकों के लिये एक जैसा कानून लागू करना है। यानी समान नागरिक संहिता का अर्थ होता है भारत में रहने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून होना। चाहे वह किसी भी धर्म,वर्ग,समुदाय या जाति का क्यों न हो। समान नागरिक संहिता लागू होने से सभी धर्मों का एक कानून होगा। शादी, तलाक, गोद लेने और जमीन-जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होगा। जबकि समान नागरिक संहिता अर्थात यूनिफॉर्म सिविल कोड का अर्थ देश में रहने वाले किसी भी वर्ग व समुदाय विशेष के लोगों के लिये उनके वर्ग समुदाय के अनुसार एक जैसे कानून लागू करना। कहा जा रहा है कि यूसीसी का तात्पर्य देश के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून होना है जो धर्म पर आधारित नहीं है। परन्तु इसकी वास्तविक व विस्तृत परिभाषा क्या होगी यह तभी पता चल सकेगा जब इसका पूरा ड्राफ़्ट सामने आयेगा। गोया बावजूद इसके कि इसका ड्राफ़्ट अभी तक तैयार होने की कोई सूचना नहीं है फिर भी उम्मीद है कि इसमें वर्ग के अनुसार एक वर्ग एक समुदाय या एक सम्प्रदाय के लिये अलग अलग कानून होने की संभावना है। इसलिये यूनिफॉर्म सिविल कोड विषय को लेकर छिड़ी इस बहस में शोर और विवाद तो बहुत हैं परन्तु सी सी सी या यू सी सी के अंतर को लेकर अभी भी अनेक भ्रांतियां भी बनी हुई हैं। राष्ट्रीय विधि आयोग ने देश की संस्थाओं व आम नागरिकों से गत 14 जून को इस विषय पर सुझाव मांगे थे। पिछले दिनों आयोग की ओर से मांगे गए सुझाव की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। अब 28 जुलाई तक समान नागरिक संहिता को लेकर भारतीय नागरिक अपने सुझाव आयोग की वेबसाइट पर दे सकेंगे। विधि आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार समान नागरिक संहिता विषय पर जनता की जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त होने के बाद इस तिथि को बढ़ा दिया गया है। इसके लिए समय बढ़ाने को लेकर भी विभिन्न क्षेत्रों से अनुरोध मिल रहे थे। ऐसे में आयोग ने संबंधित हितधारकों से विचार और सुझाव प्राप्त करने के लिए समय सीमा को दो सप्ताह और बढ़ाने का निर्णय लिया है। परन्तु विधि आयोग द्वारा ऑनलाइन मांगे जा रहे इन सुझावों में एक पेंच यह भी है कि देश की आधी से अधिक आबादी को शायद अभी तक यह भी पता नहीं होगा कि यू सी सी है क्या और देश में इस समय यू सी सी नामक किसी विषय को लेकर कोई बहस छिड़ी हुई है। और जिन्हें मालूम भी है वे अपनी रोजी रोटी कमाने में इतना व्यस्त हैं कि उन्हें इस बहस में पड़ने या सुझाव देने की फुर्सत ही नहीं।

आम जनता का भगवान ही मालिक

सनत जैन

एडीआर की रिपोर्ट जारी हुई है। इस रिपोर्ट के अनुसार 4001 विधायकों में से 44 फीसदी 1777 विधायकों के ऊपर अपराधिक मामले दर्ज हैं। 6 राज्यों में आधे से अधिक विधायकों पर अपराधिक प्रकरण हैं। रिपोर्ट में सबसे ऊपर केरल है। जहां 135 मे 95 विधायक, बिहार के 242 विधायकों में से 161 विधायक, दिल्ली के 70 विधायकों में से 44 विधायक, महाराष्ट्र के 284 में से 175 विधायक, तेलंगाना में 118 में से 72 विधायक और तमिलनाडु में 224 में से 134 विधायकों के ऊपर अपराधिक मामले पर मुकदमे चल रहे हैं। सांसदों के बारे में भी लगभग यही स्थिति है। लोकसभा और विधानसभा में जो कानून और नियम निर्वाचित सांसदों और विधायकों द्वारा बनाए जाते हैं। उनमें अपराधिक प्रवत्ति के जनप्रतिनिधि का दबदबा है। कानूनों और नियमों को लेकर अब सदन में चर्चा भी नहीं होती है। हो हल्ले के बीच कुछ ही मिनटों में लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा के अध्यक्ष बिना चर्चा कराए, ध्वनि मत से कानूनों को पास करा दे रहे हैं। इसी तरह बजट भी बिना चर्चा के हो-हल्ले में स्वीकृत हो जाते हैं।

सांसदों और विधायकों की संपत्ति भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही है। जो एक बार सांसद या विधायक चुन जाता है। दिन दूनी रात चौगुनी गति से उसकी संपत्ति बढ़ने लगती है। जब तक वह विधायक या सांसद नहीं बना तब तक उसकी आय कछुए की तरह रेंगती है। लेकिन जैसे ही वह विधायक और सांसद बनता है उसके बाद हिरण की तरह उसकी आय कुलांचे मारने लगती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संसद और विधानसभाओं में निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में अपराधियों का प्रवेश बड़ी संख्या में हो रहा है। यह चिंता का विषय है। केरल के 70 फीसदी, बिहार के 67 फीसदी, दिल्ली के 63 फीसदी, महाराष्ट्र के 62 फीसदी, तेलंगाना के 61 फीसदी और तमिलनाडु के 60 फीसदी विधायक अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। इनके उपर मुकदमें चल रहे हैं। शेष 22 राज्यों में भी औसतन 44 फीसदी विधायक अपराधिक प्रक्रत्ति के हैं। यही लोग आम जनता के टैक्स बढ़ाने तथा लगाने आम जनता के लिए कानून और नियम बनाने का काम करते हैं। ऐसी स्थिति में अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में जो शक्तियां, निर्वाचित सरकारों के पास है उनका दुरुपयोग हो रहा है।

आम नागरिकों के लिए किस तरह से जनप्रतिनिधि जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहे हैं। इसे जाना जा सकता है। पिछले दो-तीन दशकों पर दृष्टिपात करेंगे, तो स्पष्ट हो जाएगा कि अब राजनीति में अच्छे लोग नहीं आ रहे हैं। अधिकांश अपराधिक प्रवृत्ति के लोग राजनीति में तेजी के साथ प्रवेश कर रहे हैं। राजनीति में धनबल और बाहुबल का स्थान बहुत बड़ा हो गया है। उदाहरण के तौर पर यौन शोषण के आरोपी बृज भूषण सिंह सांसद के रूप में और गृह राज्य मंत्री के रूप में सामूहिक हत्या के आरोपी के प्रमाण हैं। इनके ऊपर गंभीर आपराधिक प्रकरण होने के बाद भी इन पर कार्रवाई कर पाना प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के वश में नहीं है। अदालतों का भी इस मामले में मौन संरक्षण, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है।

हर साल इस तरह के कई मामले उजागर होते हैं। भारत की राजनीति में धनबल और बाहुबल का इस्तेमाल इतने बड़े पैमाने पर होने लगा है कि इस कैंसर की बीमारी से निपटने के लिए जनता को ही अपने मताधिकार का उपयोग कर सफाया करने के लिये सामने आना पड़ेगा। यह शायद ही कभी संभव होगा। क्योंकि धर्म, जातियों और समूहों में बंटे हुए मतदाता कभी एक नहीं हो सकते हैं। धनबल और बाहुबल से प्रभावित होकर जब तक भारत में मतदान होता रहेगा। तब तक भारत की जनता को भगवान के भरोसे ही रहना पड़ेगा। होई वही जो राम रचि राखा, को भाग्य मानकर जीवन जीना भारत के नागरिकों की नियति बन गई है। कर्म फल और पुरुषार्थ राजतंत्र ने नेपथ्य में ढकेल दिया है। भगवान कृष्ण ने कहा है, कर्म का फल समय आने पर ही मिलता है। इसको जनता भूल गई है। जनता भाग्य को कर्मफल मानकर हाथ पर हाथ रख कर बैठ गई है। वर्तमान का कर्म फल और पुरुषार्थ भूल गई है, जिसके कारण अपराधियों का राज हो गया है।

क्यों पतियों को बीवी नो-जॉब पसंद है?

पितृसत्ता के गुलाम लोगों को लगता है कि नौकरी करने अगर बहू घर के बाहर जाएगी, उसके हाथ में पैसे होंगे तो वो घर वालों को कुछ समझेगी नहीं। इसके पीछे की भावना होती है कि लड़की इंडिपेंडेंट होगी। वो अपने लिए खुद फैसले लेंगी और इससे उसपर उनका अधिकार कम होगा। लड़कियों और बहुओं को घर की इज्जत का नाम देकर घर में उनका जमकर शोषण किया जाता है। कई पुरुषों में यह सोच हावी है कि महिलाएं नौकरी करेंगी तो उनकी मोबिलिटी अधिक होगी, संपर्क अधिक बढ़ेगा। घर से बाहर निकल कर बाहर के पुरुषों से बात करेंगी। यह उन्हें बर्दाश्त नहीं होता है। पुरुषों को लगता है कि नौकरी करने पर महिलाएं उन पर आश्रित नहीं रहेंगी। वो खुद फैसले ले सकेंगी, उनकी चलेगी नहीं। इसलिए वो नौकरीपेशा महिलाओं को नहीं पसंद करते पितृसत्तात्मक समाज में औरतों का कमाऊ न होना उनकी मर्जी या पिछड़ेपन की निशानी नहीं बल्कि उनके संस्कारी होने का प्रमाण है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इस पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं को घर के अंदर समेटने का तरीका है उन्हें नौकरी न करने देना। पितृसत्ता के गुलाम लोगों को लगता है कि नौकरी करने अगर बहू घर के बाहर जाएगी, उसके हाथ में पैसे होंगे तो वो घर वालों को कुछ समझेगी नहीं। इसके पीछे की भावना होती है कि लड़की इंडिपेंडेंट होगी। वो अपने लिए खुद फैसले लेंगी और इससे उसपर उनका अधिकार कम होगा। लड़कियों और बहुओं को घर की इज्जत का नाम देकर घर में उनका जमकर शोषण किया जाता है। कई पुरुषों में यह सोच हावी है कि महिलाएं नौकरी करेंगी तो उनकी मोबिलिटी अधिक होगी, संपर्क अधिक बढ़ेगा। घर से बाहर निकल कर बाहर के पुरुषों से बात करेंगी। यह उन्हें बर्दाश्त नहीं होता है। पुरुषों को लगता है कि नौकरी करने पर महिलाएं उन पर आश्रित नहीं रहेंगी। वो खुद फैसले ले सकेंगी, उनकी चलेगी नहीं। इसलिए वो नौकरीपेशा महिलाओं को नहीं पसंद करते

पितृसत्तात्मक समाज में औरतों का कमाऊ न होना उनकी मर्जी या पिछड़ेपन की निशानी नहीं बल्कि उनके संस्कारी होने का प्रमाण है। अगर लड़की नौकरी और करियर में आगे बढ़ने की आकांक्षाएं रखती हैं तो उसे शादी का रिश्ता पाने में भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। मर्द जहां शान और शौकत से नौकरी कर अपनी औरत पर धौंस जमाता है, वहीं औरत पूरे दिन घर का काम संभालने के बाद भी उसी मर्द के पैर की जूती समझी जाती है। वह अपनी मर्जी से कहीं आ जा नहीं सकती, अपने हुनर के दम पर कुछ कमा नहीं सकती क्योंकि इस व्यवस्था में औरतों का कमाऊ न होना उनकी मर्जी या पिछड़ेपन की निशानी नहीं बल्कि उनका संस्कारी होना समझा जाता है।

आपने अनेक घरों में अक्सर सुना होगा घर संभालना औरतों का काम है और बाहर से पैसे कमाकर लाना मर्दों का। ये महज एक वाक्य नहीं औरत के लिए बनाई वो चार दिवारी और बेड़ी है, जो उसे उसकी आजादी को साथ-साथ ही स्वाभिमान से जीने के हक से भी दूर कर देती है। आज के बदलते दौर में भी कई लोगों को बहुएं पढ़ी लिखी तो चाहिए, लेकिन नौकरीपेशा नहीं। एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि भारत के लड़कों को शादी के वक़्त नौकरी करने वाली लड़कियों को नापसंद कर घरेलू लड़कियां ज्यादा पसंद हैं। इस तरह देखने को मिलता है कि अगर लड़की नौकरी और करियर में आगे बढ़ने की आकांक्षाएं रखती हैं तो उस शादी का रिश्ता पाने में भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

भारतीय लोगों में शादी के लिए कामकाजी, नौकरीपेशा लड़कियों की मांग बहुत कम हैं। भारतीय महिलाओं में यह बहुत सामान्य है कि महिलाएं अपनी कमाई खर्च करने का फैसला पति के साथ मिलकर लेती हैं। गौरतलब है कि भारत में 99 प्रतिशत महिलाएं 40 की उम्र तक पहुंचने से पहले शादी कर लेती हैं। जब महिलाओं को लगता है की नौकरीपेशा होने पर उन्हें शादी में परेशानी होगी तो वो अपने करियर के प्रति लापरवाह हो जाती हैं। शादी से पहले करियर बनाने या शादी के बाद नौकरी में रहने के विचार को एक तरह से त्याग देती हैं। शादी के बाद लड़की को अपने पति और ससुराल वालों दोनों की सुननी होती है। उस पर हर समय उन्हें खुश रखने का प्रेशर बना रहा है। उस पर न केवल एकदम से बहुत ज्यादा जिम्मेदारियां आ जाती है बल्कि उससे परफेक्ट होने की उम्मीद भी की जाती है। यही एक वजह भी है कि ससुराल वालों की वजह से उसका करियर सेकेंड्री बन जाता है। ऐसे में वह जब तक अपनी वर्क लाइफ और पर्सनल लाइफ में तालमेल बिठा पाती है, तो ठीक वरना उसे अपने काम से हाथ धोना ही पड़ता है।वैसे आज भी हमारे देश में शादी एक बड़ा मुद्दा है नौकरी नहीं। लड़कियों को पढ़ना-लिखना तक तो ठीक है लेकिन ज्यादातर लोगों को वर्किंग वुमन नहीं चाहिए। कई परिवार पढ़ी लिखी बहू लाना तो चाहते हैं पर वो शादी के बाद उनके नौकरी करने के पक्ष में नहीं होते। तर्क दिया जाता है कि उनका परिवार संपन्न है, नौकरी की क्या जरूरत है। ये भी समझा जाता है कि नौकरी करने वाली लड़की को घर संभालने का कम वक़्त मिलेगा, जिससे घर के कामों में दिक्कत आएगी। क्यूंकि भारत के ज्यादातर हिस्सों में आम धारणा यही है कि घर संभालना महिलाओं का काम है। पितृसत्ता के गुलाम लोगों को लगता है कि नौकरी करने अगर बहू घर के बाहर जाएगी, उसके हाथ में पैसे होंगे तो वो घर वालों को कुछ समझेगी नहीं। इसके पीछे की भावना होती है कि लड़की इंडिपेंडेंट होगी। वो अपने लिए खुद फैसले लेंगी और इससे उसपर उनका अधिकार कम होगा। लड़कियों और बहुओं को घर की इज्जत का नाम देकर घर में उनका जमकर शोषण किया जाता है। कई पुरुषों में यह सोच हावी है कि महिलाएं नौकरी करेंगी तो उनकी मोबिलिटी अधिक होगी, संपर्क अधिक बढ़ेगा। घर से बाहर निकल कर बाहर के पुरुषों से बात करेंगी। यह उन्हें बर्दाश्त नहीं होता है।

पुरुषों को लगता है कि नौकरी करने पर महिलाएं उन पर आश्रित नहीं रहेंगी। वो खुद फैसले ले सकेंगी, उनकी चलेगी नहीं। इसलिए वो नौकरीपेशा महिलाओं को नहीं पसंद करते। कारण कोई भी हो हकीकत यही है कि महिलाओं को अब तक पितृसत्ता से आजादी नहीं मिल पाई है। सुबह उठते ही उनके दिमाग में घंटी बज जाती है, तेजी से घड़ी चलने लगती है, ढेर सारे कामों की लिस्ट बन जाती है और वो इधर-उधर दौड़कर रोबोट की तरह झटपट काम निपटाने लगती हैं। इसके चलते उन्हें रोज मानसिक और शारीरिक थकान का अनुभव होता है, लेकिन उसके बावजूद उन्हें दूसरों के पैसों पर रोटी तोड़ने वाला करार दे दिया जाता है। कुल मिलाकर देखें तो लड़की को कब क्या करना है? यह उसके अलावा सब तय करते हैं। इस पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं को घर के अंदर समेटने का तरीका है उन्हें नौकरी न करने देना। इसीलिए पतियों को बीवी नो-जॉब पसंद है।

रिजर्व बैंक का लाभांश हस्तांतरण लाभप्रद

इस वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय चुनौतियों का मुकाबला करते हुए राजकोष को मजबूती दी जा सकेगी और विकास को बढ़ाया जा सकेगा। गौरतलब है कि यह लाभांश चालू वित्त वर्ष में केंद्र के गैर कर राजस्व में शामिल होगा। ज्ञातव्य है कि चालू वित्त वर्ष के बजट में रिजर्व बैंक, सरकारी बैंकों व विभिन्न वित्तीय संस्थानों से 48000 करोड़ रुपये लाभांश मिलने का अनुमान लगाया गया था, जबकि इस वर्ष अब सिर्फ रिजर्व बैंक के द्वारा सरकार को दिया जा रहा लाभांश सरकार के लक्ष्य से 82 प्रतिशत ज्यादा है। सरकार उन वित्तीय संस्थाओं से लाभांश प्राप्त करती है जिसमें सरकार की हिस्सेदारी होती है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 के लिए हस्तांतरित की जाने वाली लाभांश राशि वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में करीब तिगुनी है। आरबीआई ने केंद्र सरकार को सबसे ज्यादा लाभांश वित्त वर्ष 2018-19 में दिया था, जिसका आकार 175988 करोड़ रुपये था। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2019-20 में 57128 करोड़ रुपये तथा वित्त वर्ष 2020-21 में 99122 करोड़ रुपये लाभांश के रूप में केंद्र सकार को दिए थे।

डा. जयंतीलाल भंडारी
लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है

इस समय जब देश का विदेश व्यापार घाटा बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है, तब भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल के द्वारा 6 फीसदी आकस्मिक निधि (सीएफ) सुरक्षित सुनिश्चित रखते हुए वर्ष 2022-23 के लिए केंद्र सरकार को 87416 करोड़ रुपए का लाभांश हस्तांतरण लाभप्रद दिखाई दे रहा है। इससे इस वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय चुनौतियों का मुकाबला करते हुए राजकोष को मजबूती दी जा सकेगी और विकास को बढ़ाया जा सकेगा। गौरतलब है कि यह लाभांश चालू वित्त वर्ष में केंद्र के गैर कर राजस्व में शामिल होगा। ज्ञातव्य है कि चालू वित्त वर्ष के बजट में रिजर्व बैंक, सरकारी बैंकों व विभिन्न वित्तीय संस्थानों से 48000 करोड़ रुपये लाभांश मिलने का अनुमान लगाया गया था, जबकि इस वर्ष अब सिर्फ रिजर्व बैंक के द्वारा सरकार को दिया जा रहा लाभांश सरकार के लक्ष्य से 82 प्रतिशत ज्यादा है। सरकार उन वित्तीय संस्थाओं से लाभांश प्राप्त करती है जिसमें सरकार की हिस्सेदारी होती है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 के लिए हस्तांतरित की जाने वाली लाभांश राशि वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में करीब तिगुनी है। आरबीआई ने केंद्र सरकार को सबसे ज्यादा लाभांश वित्त वर्ष 2018-19 में दिया था, जिसका आकार 175988 करोड़ रुपये था। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2019-20 में 57128 करोड़ रुपये तथा वित्त वर्ष 2020-21 में 99122 करोड़ रुपये लाभांश के रूप में केंद्र सकार को दिए थे। खास बात यह है कि इस वित्तीय वर्ष में रिजर्व बैंक के लाभांश की वजह से केंद्र का राजकोषीय घाटा 16.99 लाख करोड़ रुपये या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.6 प्रतिशत रह जाएगा।

सरकार ने राजकोषीय घाटा 17.87 लाख करोड़ रुपये यानी जीडीपी का 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। राजकोषीय हिसाब से लाभांश से मिला अतिरिक्त राजस्व जीडीपी का करीब 0.2 प्रतिशत है। इस वर्ष रिजर्व बैंक द्वारा केंद्र सरकार को ज्यादा लाभांश हस्तांतरित करने की प्रमुख वजह विदेशी मुद्रा की बिक्री से हुई आमदनी है। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद डॉलर की कीमत ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचने के बाद रुपये का उतार-चढ़ाव रोकने के लिए रिजर्व बैंक ने करीब 206 अरब डॉलर की बिक्री की थी, जबकि रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2021-22 में 96.7 अरब डॉलर की बिक्री की थी। निश्चित रूप से रिजर्व बैंक का अधिक लाभांश राजकोषीय स्तर को उपयुक्त बनाए रखने के लिए लाभप्रद होगा। स्थिति यह है कि इस वित्त वर्ष में वैश्विक आर्थिक मुश्किलों के कारण बजट में लगाए गए राजस्व प्राप्ति के अनुमान सही साबित न हों। कर राजस्व कम आए। वैश्विक मंदी की स्थिति में अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका है। इस बार भारत के पश्चिमी देशों के कारोबारी साझेदार देशों में मंदी के कारण व्यापार और कर राजस्व पर असर पड़ेगा। इस वर्ष मौसम की स्थिति और मॉनसून का प्रतिकूल असर भी ग्रामीण व्यय में वृद्धि कर सकता है। यद्यपि सरकार ने इस वर्ष के बजट में विनिवेश से 51000 करोड़ रुपए प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन अब विनिवेश की कार्रवाई को लेकर भी चिंताएं हैं और विनिवेश बजट अनुमान से कम रह सकता है।

उर्वरकों पर दी जाने वाली सब्सिडी एक बार फिर इस वर्ष के बजट अनुमान से अधिक हो सकती है। चूंकि इस वर्ष कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं और अगले वर्ष लोकसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में सरकार विनिवेश और निजीकरण से भी परहेज कर सकती है। इसके अलावा इस वर्ष सरकार को ब्याज के मद में अधिक भुगतान करना होगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आगेर्नाइजेशंस (फियो) के कार्यक्रम में यह बात एक मत रेखांकित हुई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में तेजी से आने वाला समय देश से निर्यात और व्यापार संतुलन के लिए काफी चुनौतीपूर्ण व कठिन है। चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरूआत से ही अप्रैल और मई महीनों में निर्यात घटने व व्यापार घाटा बढे का परिदृश्य दिखाई देने लगा है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारत का कुल व्यापार घाटा इससे पिछले वर्ष के 83 अरब डॉलर से बढकर 122 अरब डॉलर हो गया है। अब इस वर्ष व्यापार घाटे के और बढे की आशंका है।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 उत्पाद निर्यात के लिहाज से बेहतर नहीं रहने वाला है। भारत अपने कुल उत्पाद निर्यात का सबसे अधिक करीब 17.50 फीसदी निर्यात अमेरिका को करता है, जो मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिका में महंगाई अपने चरम पर है और इसे रोकने के लिए अमेरिकी फेडरल बैंक लगातार ब्याज दरों में इजाफा कर रहा है। यूरोप की आर्थिक दशा भी ठीक नहीं चल रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोप के अधिकतर देश गैस व खाद्य संकट से जूझ रहे हैं जिससे वहां महंगाई बढे के साथ औद्योगिक उत्पादन भी कम हो गया है। संभवतया यही कारण है कि वाणिज्य विभाग की तरफ से चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कोई निर्यात लक्ष्य अब तक तय नहीं किया गया है। पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद व सेवा निर्यात जिस ऊंचाई पर रहा है, इस बार निर्यात का उस मंजिल तक भी पहुंचना आसान नहीं दिख रहा है। पिछले दिनों प्रमुख वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष 2023-24 मं चुनौतीपूर्ण वैश्विक वित्तीय स्थिति के बावजूद भारत वैश्विक आर्थिक झटकों को इसलिए सरलतापूर्वक झेल जाएगा, क्योंकि भारत का चालू खाते के घाटे (सीएडी) में सुधार हुआ है। चालू खाते का घाटा कम अवधि की प्रमुख विदेशी देनदारी के रूप में पहचाना जाता है। इससे विनिमय दर और विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित होती है। इन्हें देखते हुए सरकार कुछ विशेष क्षेत्रों में व्यय बढ़ा सकती है। 9 मई को वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की रेटिंग बीबीबी. बरकरार रखी है। दीर्घ अवधि के ऋण पर भारत का परिदृश्य स्थिर रखा है। रेटिंग निर्धारित करते हुए फिच ने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में सरकार के सहयोग से कंपनियों और बैंकों के बहीखाते में काफी सुधार हुआ है और आधारभूत संरचना के विकास पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है। निजी क्षेत्र भी बड़े स्तर पर निवेश करने की तैयारी कर रहा है। फिच ने कहा कि बढ़ी महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और वैश्विक स्तर पर मांग में कमी की बड़ी चुनौतियों के बीच भारत की आंतरिक वित्तीय स्थिति थोड़ी कमजोर जरूर है और प्रति व्यक्ति आय और विश्व बैंक के मानकों पर भी भारत थोड़ा फिसला है। ऐसे में रिजर्व बैंक से केंद्र को मिला लाभांश देश की वैश्विक क्रेडिट रेटिंग को सुधारने में मददगार होगा। चूंकि देश ने वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने का लक्ष्य रखा है, इस लक्ष्य को पाने के लिए आगामी 24 वर्षों तक लगातार करीब 7 से 8 फीसदी की दर से बढ़ने के लिए राजकोषीय स्तर को संतोषप्रद बनाए रखना होगा। ऐसे में हम उम्मीद करें कि रिजर्व बैंक के द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दिया गया लाभांश जहां एक ओर वैश्विक मंदी की चिंताओं के बीच देश के लिए राजकोषीय चुनौतियों के समाधान में अहम भूमिका निभाएगा, वहीं दूसरी ओर भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा : राहगीर को मिले फुटपाथ पर चलने का हक!

के. विक्रम राव

अगर आज महाभारत वाले यक्ष ने पाण्डुपुत्र युधिष्ठिर से सवाल पूछा होता कि :भूलोक में सर्वाधिक दुखी मानव कौन है? तो! वेदव्यास-रचित इस महाभारत के वनपर्व के अध्याय 313 की प्रश्नोत्तरी-स्टाइल में कुंतीपुत्र ज्येष्ठ पांडव जवाब देते : भारत के फुटपाथ पर चलता दो पैरोंवाला इंसान। यक्ष भी तत्काल सहमत हो जाता और खुश होकर फिर से अर्जुन, भीम, नकुल, सहदेव के प्राण लौटा देता। कारण? आज मृत्युलोक में सर्वाधिक शोकाकुल, संतप्त, त्रस्त, अतिउत्पीड़ित प्राणी वही है। फुटपाथ पर बचते, गिरते, पड़ते, धकियाते ये राहगीर बेचारे!

इसी परिवेश में कल (13 जुलाई 2023) उच्चतम-न्यायालय के दो-सदस्यीय खंडपीठ के न्यायमूर्ति अभय श्रीनिवास ओका और न्यायमूर्ति संजय करोल ने एक अति महत्वपूर्ण फैसले में सुविचारित आदेश दिया : फुटपाथ का इस्तेमाल लोगों के पैदल चलने के अलावा किसी अन्य गतिविधियों के लिए करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। शीर्ष न्यायालय ने दिल्ली मेट्रो के डिपो बनाने के लिए अधिग्रहीत जमीन पर बने फुटपाथ पर व्याप्त अतिक्रमण के खिलाफ डीडीए को आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश देते हुए यह टिप्पणी की गई थी। अर्थात दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और मेट्रो ट्रेन डिपो से सटे एक फुटपाथ का इस्तेमाल पैदल यात्रियों के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए करने की अनुमति नहीं दे सकते। भूमि-अधिग्रहण से संबंधित एक मामले पर निर्णय देते हुये मेट्रो डिपो की तस्वीरों को कोर्ट ने देखा और पाया कि इस जगह से सटे फुटपाथ के एक हिस्से पर एक ह्लकार क्लिनिकह्व और अन्य विक्रेताओं ने कब्जा कर लिया है। न्यायमूर्ति-द्वय भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के 2016 के फैसले के खिलाफ डीडीए द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रहे थे। इकसठ-वर्षीय न्यायमूर्ति संजय करोल काफी अनुभवी हैं। उन्होंने पटना, अगरतला और शिमला के फुटपाथों पर राहगीरों की यातनायें देखीं हैं। वे इन तीनों राज्यों में कार्यरत थे। पटना हाईकोर्ट के तो वे मुखिया रहे। तिरसठ-वर्षीय न्यायमूर्ति अभय श्रीनिवास ओका मुंबई की गलीच मार्गव्यवस्था के भुक्तभोगी होंगे। बेंगलुरु के भी, जहां वे कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे।

इस आलेख की बीज-बात यही है कि मजारों, मंदिरों, खोंचेवालों, पार्किंग ड्राइवर वगैरह को जब तक नियम-पालक नहीं बनाया जाएगा, ऐसी मानव यातना मृत्युलोक पर बनी रहेगी ही। करीब हर राज्य में, खासकर उत्तर प्रदेश, केरल, गुजरात आदि में शासकीय और न्यायिक आदेश के बावजूद सार्वजनिक स्थानों पर अवैध-कब्जे बरकरार हैं। इस समस्त प्रकरण में दक्षिणी सागरतटीय राज्य केरल का उल्लेख पहले हो। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा शासित इस प्रदेश में कानूनी निर्देश था कि अब कोई भी नयी मस्जिद निर्मित नहीं होगी। यहां मुस्लिम आबादी 26.56 प्रतिशत है। हिन्दू 54.73 फीसदी तथा ईसाई 18.38 हैं। इसका संदर्भ है कि एक इस्लामी संस्था नुरूल इस्लाम संस्कारिक संगठन ने मुस्लिम-बहुल मल्लपुरम जनपद के नीलाम्बूर क्षेत्र में एक वाणिज्यी भवन को मस्जिद के रूप में अधिकृत कर दिये जाने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने कुरान की आयात का हवाला देकर अनुरोध किया है कि हर अकीदतमंद मुसलमान को मस्जिद सुगमता से उपलब्ध हो जाना चाहिये। इसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। भाजपा-शासित उत्तर प्रदेश में फुटपाथ पर बने मंदिरों को ध्वस्त करने का आदेश (12 मार्च 2021) जारी कर हिन्दुत्ववादी योगी आदित्यनाथजी ने अपनी सेक्युलर विश्वसनीयता जाहिर कर दी थी। धर्म के नाम पर अतिक्रमण खत्म करने का उनका यादगार निर्णय था। अर्थात नालों पर से शिवालों की भांति, चौराहों पर से मजारें भी हटनीं चाहिये। धर्म की आड़ में धंधा करने वाले भूमाफिया खत्म हों। न्यायालयों के कई आदेश हैं कि सार्वजनिक स्थलों पर धर्मसंबंधी निर्माण कार्य की अनुमति नहीं होगी। मजहब के नाम पर भ

संक्षिप्त खबरें

अंजुमन रजा काराने हुसैनी के काईद गुलाम सज्जाद का इस्तकबाल

अमरोहा।शहर की समाजी शख्सियत और अंजुमन रजा काराने हुसैनी के काईद सैय्यद गुलाम सज्जाद नकवी का अपने वतन अमरोहा पहचने पर हुसैनी बैठक की जानिब से उनका इस्तकबाल किया गया।हुसैनी बैठक मौहल्ला दस्तार सियाह की जानिब से सैय्यद गुलाम सज्जाद की सभी सदस्यों ने गुल पोशी की, हज जैसी अहम इबादत के सिलसिले में अंजुमन रजा काराने हुसैनी के काईद गुलाम सज्जाद ने कहा की इस्लाम के पांच बुनियादी अरकान में से एक हज है,अल्लाह हम सभी को इस अजीम इबादत को अंजाम देने की तौफीक आता फरमाएं, गुलाम सज्जाद नकवी ने हज के मंजर को बयान करते हुए कहा की हज का मंजर बहुत नूरानी होता है, दुनिया भर के लोग एक साथ जमा हो जाते है और अल्लाह की इबादत करते है।हज की अहमियत पर शिक्षक अंजुमन के सचिव खुर्शीद हैदर जैदी ने भी विचार रखे, गुलाम सज्जाद नकवी ने सभी को जमजम का पानी भी भेंट किया।इस दौरान डा चंदन नकवी, हुसैन हैदर हुसैनी, इमदाद आबिदी, डा जाफर रजा नकवी, जहिर हैदर,हसन नकवी, सैय्यद मुज्तबा एड, कमर रजा सलीम, डा नवाज़िश नकवी, मुसर्रत अमरोही व अन्य लोग भी मौजूद थे।

प्रेमी ने शादी से कयिा इनकार, प्रेमकिा ने दर्ज कराई दुष्कर्म की एफआईआर

अमरोहा।प्रेमिका से निकाह करने के इनकार पर प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पहले पंचायत में निकाह से इनकार करने पर कोतवाली पहुंचकर प्रेमी निकाह के लिए राजी हो गया था। लेकनि, फिर से बाद में वह प्रेमिका संग निकाह करने से मुकर गया। लिहाजा प्रेमिका ने दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कराई है।नगर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला छेबड़ा निवासी युवक अयाज का प्रेम प्रंसग दूसरे मुहल्ले की युवती से दो साल से चल रहा था। युवती के स्वजन शादी के लिए रजामंद थे। पंचायत भी हुई, लेकिन युवक व उसके स्वजनों ने शादी से साफ इनकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार को आरोपी को हिरासत में ले लिया था। प्रेमी व उसके स्वजन निकाह करने पर तैयार हो गए थे। लिहाजा युवती के स्वजन की सहमति पर प्रेमी को छोड़ दिया था। रविवार को फरि से प्रेमी ने निकाह से इनकार कर दिया। लिहाजा प्रेमिका ने दुष्कर्म की तहरीर दे दी। प्रेमी अयाज के खिलाफ पुलिस ने दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कर ली है।प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह ने बताया कि जल्दी ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सावन के दूसरे सोमवार को उमड़े भक्त, हर हर महादेव के लगे जयकारे

अमरोहा। सावन के दूसरे सोमवार पर जलाभिषेक के लिए रविवार को आधी रात से ही शिवालयों के बाहर भोले के भक्तों की कतार लग गई। कपाट खुलते ही सर्वप्रथम कांवड़ियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिरों में हर-हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों की गूंज सुनाई पड़ रही थी। इसके साथ ही शिवालयों पर सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल भी तैनात है।नगर के ऐतिहासिक श्री वासुदेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का सैलाब रविवार की रात को ही उमड़ पड़ा था। सोमवार सुबह तक हरिद्वार एवं ब्रजघाट से जल लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव के जयकारे लगाने से वातावरण शिवमय हो गया। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए बैरिकेडिंग कराई गई। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात कर दिया गया।कांवड़ियों के कदम शिवालयों की ओर बढ़ रहे हैं। शिवालयों में सुबह से ही शिव भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ साथ शिवलिंग पर भांग धतूरा, बेल पत्र, दूध दही, फल आदि चढ़ाकर भगवान भोले नाथ की पूजा अर्चना करते दिखाई दिए। इसके साथ ही जनपद के सभी शिवालयों में भगवान शिव का गंगा जल से अभिषेक किया गया।

अलीगढ़ हादसे में हुई जनहानि पर मुख्यमंत्री दुखी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनपद अलीगढ़ में सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित इलाज कराए जाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। उल्लेखनीय है कि अलीगढ़ में आवारा सांड ने तीन लोगों की जान ले ली। जिले में आवारा सांड की वजह से आए दिन हो रहे हादसे को लेकर आवारा पशुओं पर कार्रवाई नहीं होने का मामला उठने लगा है।

सीएम योगी की मौजूदगी में राजनाथ और गडकरी की लखनऊ को 3300 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ, एजेंसी

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां संयुक्त रूप से 3300 करोड़ से अधिक के निवेश से दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं लखनऊ-सीतापुर खंड के मड़ियांव आईआईएम क्रॉसिंग पर चार लेन एलिवेटेड कॉरिडोर एवं अलीगढ़-कानपुर खंड के नवीगंज से मित्रसेन पुर का चार लेन चौड़ीकरण के लोकार्पण के साथ ही लखनऊ जिले के लिए 475 करोड़ की 164 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। आईआईएम रोड स्थित महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हमारा लखनऊ तेजी से विकास कर रहा है। लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश का जो नया अध्याय लिखा जा रहा है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन का भरपूर योगदान है। मुख्यमंत्री योगी ने एक नया उत्तर प्रदेश बनाने का लक्ष्य रखा है। उसे पूरा करने में वह पूर्ण मनोयोग के साथ लगे हुए हैं। योगी उत्तर प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर इकोनामी का जो लक्ष्य रखा है, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हमारे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर इकोनामी होकर रहेगी। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक नहीं बल्कि छह एक्सप्रेस-वे बन गए हैं। 08 एक्सप्रेस-वे का निर्माण हो रहा है। उत्तर प्रदेश में तीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। अगले कुछ वर्षों में छह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचा खड़ा करने में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आज भारत दुनिया की पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। यह चमत्कार नहीं तो और क्या है? भारत में तेजी से इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है। इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने लखनऊ में हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। 2024 तक उप्र में पांच लाख करोड़ की परियोजनाएं हों जाएंगी पूरी : गडकरी केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 2024 तक हम उत्तर प्रदेश में पांच लाख करोड़ का काम कर चुके होंगे। 2014 के पहले मैं उत्तर प्रदेश में चुनावी दौरे पर था। मेरे काफिले के आगे एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर अपनी पत्नी को बिठाए ले जा रहा था। उसने पीछे मुड़कर देखा। साथ में बैठे कार्यकर्ता ने कहा कि वह आपको देख रहा है। मैंने कहा कि वह मुझे नहीं देख रहा है। सड़कों में इतने गडढे हैं कि वह देख रहा है कि उसकी पत्नी पीछे बैठी है या गिर गयी। 2014 में देश में नरेन्द्र मोदी और 2017 में उप्र में योगी आदित्यनाथ की सरकार आई। उसके बाद से सड़कें ठीक हुईं। कानपुर लखनऊ के बीच पांच हजार करोड़ का ग्रीन एक्सप्रेस-वे बना रहा हूं। उन्होंने उप्र के लिए केन्द्र की परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि योगी के नेतृत्व में उप्र बेहतरीन कार्य कर रहा है। इसके अलावा गडकरी ने अपने भाषण के दौरान उत्तर प्रदेश के लोगों को सपने भी दिखाए। साथ ही कहा कि राजनाथ सिंह का यह संसदीय क्षेत्र है। वह जो भी कहेंगे, सब पूरा करूंगा। लखनऊ में बन रही मिसाइल दुश्मनों के दांत खट्टे करेगी : योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 के पहले वही सड़क परियोजनाएं आगे बढ़ पा रही थीं जिसे अटल जी ने आगे बढ़ाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नितिन गडकरी ने सड़कों और हाइवे का जाल बिछाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक जैसी मिसाइल का निर्माण लखनऊ में हो रहा है। लखनऊ की मिसाइलें दुश्मनों के दांत खट्टे कर देंगी। मोदी सरकार से पहले किसानों का शोषण होता था। भ्रष्टाचार चरम पर था। आज पारदर्शी व्यवस्था के चलते किसानों को समय से लाभ मिल रहा है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केन्द्रीय राज्य मंत्री जनरल वीपी सिंह, कौशल किशोर, यूपी के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद, पूर्व मंत्री मोहसिन रजा, सांसद अशोक बाजपेयी, सुब्रत पाठक, स्थानीय विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ला, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

भरभराकर गिरा कच्चा मकान, मलवे में दबकर युवक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा।पिछले सप्ताह लगातार हुई मूसलाधार बारिश की वजह से जमा हुआ पानी व मकानों में आई सीलन की वजह से कच्चे मकानो व दीवारों के गिरने के हो रहे हादसों के बीच आज फिर एक ऐसी गम्भीर जानलेवा घटना स्योहारा नगर से सटे ग्राम अलादीन पुर में घटित हुई। जिसमें एक गरीब के मकान की दीवार गिरने पर वह उसी में दब गया। और उस युवक की मौत हो गयी।जानकारी के अनुसार नगर से सटे ग्राम अलदीनपुर उर्फ बिरामपुर स्थित एक कच्चे मकान की दीवार गिरने से उसमे दबकर फैसल पुत्र मुर्तजा (19) गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको सीएचसी लाया गया जहां उसको मृत घोषित कर दिया गया,घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।बताया जा रहा है।कि मृतक बेहद गरीब परिवार से है।जिसकी माँ का दस वर्ष पूर्व देहांत हो गया था।इसके अलावा उसका पिता भी गम्भीर बीमार रहता है इसलिए मृतक ही मेहनत मजदूरी करके अपना परिवार चला रहा था।सूत्रों से पता चला कि मृतक ने प्रधानमंत्री आवास योजना में कई बार अपना मकान बनवाने का प्रयास किया किया।लेकिन उसको कोई लाभ नही मिला क्योंकि मृतक की कोई सोर्स या अधिकारियों से पहचान नही थी जिस कारण आज तक उसका मकान बेहद खस्ताहाल में था। मकान की दीवार गिरने से उसमे दबने के कारण आज उसकी मौत हो गयी। जो कि बेहद अफसोस नाक और दुखद घटना है।चर्चा करने योग्य यह बात भी है कि आज इंसान धीरे-धीरे संवेदन शून्य होता जा रहा है और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा पर पहुंचने वाला है आज समय समय पर इंसान अपने मतलब (चुनाव या अन्य अपने किसी स्वार्थ) के लिए समाज के अंदर अपने आप को बहुत बड़ा बुद्धिजीवी, समाजसेवी, धार्मिक दिखाई देने के लिये कोई भी कीमत देने के लिये उतावला रहता है कि बस जल्द से जल्द समाज मे मेरा गुणगान हो जाए परंतु जैसे ही उन तथाकथित समाजसेवियों का मतलब निकलता है।वह गरीब समाज को इस तरह बेसहारा छोड़ते हैं कि कोई उनका हाल भी पूछने वाला नहीं होता वह इधर के रहते है ना उधर के।आज इसी संवेदनहीनता की फैसल भेंट चढ़ गया।अपने आप को क्षेत्र का जिम्मेदार,समाजसेवी या लोकतांत्रिक वयवस्था के तहत चुने गये किसी भी व्यक्ति या उनके कारिंदों को क्या फैसल का खस्ताहाल हो चुका आशियाना दिखाई नही दिया।जबकि डोर टू डोर वोट मांगने में वह जरूर इस घर में भी आये होंगे।वहीं दूसरी ओर ग्राम व नगर तथा सम्बंधित विभागीय सरकारी तंत्र की शिथिल कार्यप्रणाली भी इस तरह के हादसों में कारक बनती है।इस तरह के हादसों से सबक लेते हुए अपने मतलब, लोभ, लालच,स्वार्थ की दीवारों में कैद हो चुके इंसान को उसे तोड़ते हुए बाहर निकलना होगा और बिना भेदभाव के समाज के प्रत्येक मनुष्य के दुख दर्द को अपना दुख दर्द समझना होगा। तभी हम सही मायनों में पूर्ण रूप से एक इंसान और सच्चे समाजसेवी कहलाने लायक होंगे।

उपजिलाधिकारी ने किया घटना स्थल का दौरा

स्योहारा।घटनास्थल का उप जिला अधिकारी मनोज कुमार सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव चौधरी, हल्का लेखपाल विजेंदर सिंह आदि ने दौरा किया मृतक के परिजनों ने घटनास्थल पहुंचे अधिकारी गणों से मृतक का पोस्टमार्टम कराने तथा अन्य कोई भी सरकारी सहायता लेने से इनकार किया तथा कोई भी अग्रिम कानूनी कार्रवाई करने से भी इनकार किया।

जिलाधिकारी ने किया ट्रेक्टर पर बैठकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी द्वारा तहसील धनौरा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों चकनवाला व अन्य संपर्क मार्ग के बाढ़ प्रभावित ग्रामों का ट्रैक्टर में बैठकर अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह उप जिला अधिकारी धनौरा मुख्य चिकित्सा अधिकारी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया।जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जलस्तर बढ़ जाने से अपने ग्रामो तक लोगों को पहुंचने में व आने जाने में परेशानी हो रही है इसलिए पर्याप्त नाव लगाई जाय ताकि किसी भी व्यक्ति को आवागमन में कोई समस्या न उत्पन्न हो लोगों का सुगमता से आवागमन होता रहे।जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित सभी ग्रामों में शतप्रतिशत टीकाकरण होना चाहिए।कहा कि टीम लगाकर एक्टिव होकर सभी पशुओं का टीकाकरण कराये और कोई पशु बीमार पशु बीमार है तो उसका समय पर इलाज हो जाए।मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित ग्रामों में प्रतिदिन निशुल्क कैंप लगवाया जाए और क्लोरीन का छिड़काव पूरे प्रभावित ग्रामों में प्रतिदिन हो।कैम्प सभी ग्रामो में लगे कैंप में टीकाकरण की भी व्यवस्था हो पेरासिटामोल बुखार टाइफाइड सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यक दवाएं लोगों को वितरित किया जाए।सर्वेक्षण कराया जाए कोई भी व्यक्ति खांसी जुकाम बुखार से पीड़ित है तो समय पर उसका इलाज हो जाए और उसे दवा उपलब्ध हो जाए यह सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित ग्रामों में बिजली पानी राशन चिकित्सा की कोई भी समस्या नहीं होनी चाहिए सभी अधिकारी सक्रिय रूप से काम करें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होंनी चाहिए।कहा कि आपदा सबसे पहले हैं बाद में अन्य कार्य होंगे।उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने में नाकाम रहने वाले विभाग पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी बाढ़ से संबंधित सभी विभाग एक्टिव रूप में काम करें।जिलाधिकारी ने कहां की जो भी बाढ़ प्रभावित ग्राम हैं और वहां पर फसल प्रभावित हुई है कृषि विभाग द्वारा सर्वे कराकर फसल बीमा योजना का लाभ किसानों को दिया जाएगा।जिला पंचायत राज अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र वालों में साफ-सफाई एंटी लारवा का छिड़काव फॉगिंग कराएं।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी धनोरा राजीव राज मुख्य चिकित्सा अधिकारी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी तहसीलदार धनौरा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टेट सभागार में आगामी मोहर्रम के सम्बंध में शांति व्यवस्था की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में कलेक्टेट सभागार में आगामी मोहर्रम के सम्बंध में शांति व्यवस्था की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आये जनपद के गणमान्य नागरिकों से उनके सुझाव भी लिये और सम्बन्धित विभागों को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिये गये।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि मोहर्रम पर लगातार पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, सफाई व्यवस्था कराने के पुख्ता इंतजाम हों। साफ-सफाई के लिये एडवांस में टीम बना दी जायं ताकि गंदगी को शीघ्र साफ किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी नई परंपरा न डाली जाए जो पहले से चली आ रही है वही परम्परा लागू की जाय कोई बाधा न उत्पन्न करें अन्यथा लापरवाही पर कठोर निर्णय लिया जाएगा।ताजिया की ऊंचाई ज्यादा न हो कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट मैसेज शोसल मीडिया में न डालें अन्यथा बख्सा नही जाएगा संज्ञान लेते हुए कठोर कार्यवाही की जाएगी।कोई भी अवैध शस्त्र हथियार नही प्रयोग करना है जो ताजिया संचालक हैं वह विशेष सावधनी के साथ ताजिया निकालेंगे।विजली के अधिकारी ताजिया निकलते समय सभी रूटों पर उपस्थित रंहेगे ड्यूटी लगा दें।जिलाधिकारी ने सभी एस0डी0एम0 व सी0ओ0 को निर्देश दिये हैं कि जुलूस के समय किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिये पुख्ता इंतजाम हो पहले से देख लें रूटों का पहले से भ्रमण कर ले कोई समस्या है।तो समय से उसका निस्तारण कर दिया जाए।पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य जी ने कहा कि जूलूस निकलने के समय पुलिस की टीमें सतर्क रहें। उन्होने कहा कि प्रत्येक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये जायें।मोहर्रम के वक्त कड़ी नजर रखें।बैठक में अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक माया शंकर यादव, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा,अपर पुलिस अधीक्षक उपजिलाधिकारी धनौरा, नौगांवा ,पुलिस क्षेत्राधिकारी,अधिशासी अभियंता विद्युत,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/पंचायत तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रंहे।

20 जुलाई को पूर्वांचल की राह आसान नहीं, साढ़े छह घंटे बंद रहेगा शास्त्री पुल

कम दूरी के साथ पूर्वांचल को जोड़ता है शास्त्री पुल

- मरम्मत के लिए 20 जुलाई को जर्जर शास्त्री पुल की होगी टेस्टिंग

मीरजापुर, एजेंसी

मीरजापुर-औराई मार्ग पर पूर्वांचल को जोड़ने वाले शास्त्री सेतु के मरम्मत कार्य व लोड टेस्टिंग के लिए 20 जुलाई को साढ़े छह घंटे के लिए आवागमन ठप रहेगा। इससे छोटे-बड़े वाहनों को पूर्वांचल के भदोही, जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर, बलिया, आजमगढ़ जाने के लिए भटौली व चुनार पक्का पुल से होकर जाना होगा या फिर राष्ट्रीय राजमार्ग सात के रास्ते से वाराणसी जा सकते हैं। ऐसे में 20 जुलाई पूर्वांचल के लोगों के लिए परेशानी भरा होगा। लंबी दूरी तय करने से समय के साथ खर्च भी बढ़ेगा। दरअसल, एक वर्ष पूर्व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जर्जर शास्त्री सेतु पर से बड़े वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी थी। इसके चलते बड़े वाहन करीब 70 से सौ किलोमीटर की दूरी तय कर वाराणसी व प्रयागराज के रास्ते से भदोही व जौनपुर सहित अन्य जनपद जा रहे हैं। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि सेतु निगम ने छह माह पूर्व जर्जर शास्त्री पुल के मरम्मत का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था और शासन ने मंजूरी देने के साथ सात करोड़ 48 लाख रुपये स्वीकृत भी कर दिए। पुल मरम्मत की जिम्मेदारी आर एंड एम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी मुंबई को दी गई है। अब पुल मरम्मत का कार्य शुरू हो चुका है। 20 जुलाई को लोड टेस्टिंग का कार्य किया जाएगा। इससे यह पता किया जाएगा कि कितने लोड तक के बड़े वाहन शास्त्री पुल से गुजर सकते हैं। इसके बाद तीन माह के अंदर पुल का मरम्मत कार्य पूर्ण किया जाएगा। सेतु निगम के उप परियोजना प्रबंधक आरएस उपाध्याय ने जिलाधिकारी दिव्या मित्तल को पत्र लिखकर शास्त्री सेतु की मरम्मत कार्य के लिए 20 जुलाई को पूर्वाह्न 11 से शाम साढ़े पांच बजे तक के लिए पुल पर आवागमन बंद कराने की मांग की है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं के अन्तर्गत हुआ कन्या जन्मोत्सव का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत आज दिनांक 17.07.2023 को महिला कल्याण विभाग की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अन्तर्गत जिला संयुक्त चिकित्सालय, जनपद अमरोहा एंव जनपद में सी०एच०सी० अमरोहा, जोया, हसनपुर एंव रेहरा में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया।जिला संयुक्त चिकित्सालय, जनपद अमरोहा में आयोजित कार्यक्रम के अर्न्तगत जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि समाज में फैली कुरीतियों व बेटा-बेटी में व्याप्त असमान्ता को दूर करना, समान लिगांनुपात स्थापित करने व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को सुदृढ़ करने तथा बालिका के प्रति आमजन में सकारात्मक सोच विकसित करना बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना का मुख्य उद्देश्य है एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने का भी सन्देश दिया साथ ही महिला कल्याण विभाग की समस्त योजनाओं के बारे में आम जनमानस को जागरुक करने के साथ कन्या सुमंगला योजना की आवेदन प्रणाली के बारे में बताया।मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा माताओं और बालिकाओं को शुभकामनाएं दी गयी तथा बालिकाओं का टीकाकरण पूर्ण कराने के लिए परिजनों को प्रेरित किया गया एव अवगत कराया गया कि बेटियों को बेटो के समान शिक्षा वह सुविधा दे। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी एंव मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा नवजात कन्याओं एवं उनकी मातायें (फरहीन, जयमाला, भावना, सिमरन, सीमा, आशा, सन्तोष, जेबा, शादकीन) को कुल 09 बेबी किट एंव मिठाई दे कर सम्मानित किया गया साथ ही सी०एच०सी० अमरोहा में 02, सी०एच०सी० जोया में 01, सी०एच०सी० हसनपुर में 08 एंव सी०एच०सी० रेहरा में 05 बेबी किट दे कर नवजात कन्याओं एंव उनकी माताओं को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,महिला शक्ति केन्द्र एवं वन स्टाप सेन्टर आदि के कार्मिक उपस्थित रहें।

हरियाली सोमवती अमावस्या पर गंगा स्नान को उमड़ी भीड़:अमरोहा में लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी, हर-हर गंगे के जयकारों की रही गूंज

हरियाली सोमवती अमावस्या पर गंगा में स्नान करने को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। हरियाली सोमवती अमावस्या पर ब्रजघाट एवं तिगरी में पतित पावनी गंगा में स्नान करने को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान गंगा मैया के घाट हर-हर महादेव व हर-हर गंगे के जयघोषों से गुंजायमान रहे। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों एवं भिक्षुओं को दान पुण्य कर धर्मलाभ कमाया। इसके साथ गंगा घाट पर हवन यज्ञ कर आहुति दी।सावन मास की हरियाली सोमवती अमावस्या पर ब्रजघाट में स्नान को श्रद्धालु निजी एवं अन्य संसाधनों से भोर से ही पहुंचना शुरू हो गए थे। सूर्य की किरणें फैलने तक घाट श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच हो गए। लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा को नमन करते हुए पतित पावनी गंगा की प्रवाहित जलधारा में डुबकी लगाई।स्नान के दौरान सूर्यदेव को अर्ध्य भी दिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाट पर बैठे ब्राह्मणों से भगवान सत्यनारायण एवं हवन यज्ञ करने के उपरांत गंगा मैया को धूप, दीप, फूल, प्रसाद अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों एवं भिक्षुओं को दाल, चावल, मिठाई, वस्त्र, चप्पल, जूते, पैसों आदि का दान कर पुण्य लाभ भी कमाया।यह सिलसिला भोर से शुरू होकर सुबह दस बजे तक जारी रहा। ब्रजघाट और तिगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण यहां मेला जैसा नजारा रहा। श्रद्धालुओं ने मार्केट में सजी दुकानों पर जमकर खरीददारी की।उधर, तिगरीधाम में भी हरियाली अमावस्या पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा में डुबकी लगा सूर्य देव को अर्ध्य दिया।वहीं पूजा पाठ कर गंगा मैया से मंगलमय की कामना कर ब्राह्मणों एवं भिक्षुओं को दान पुण्य भी किया। यहां भी स्नान का सिलसिला सुबह दस बजे तक जारी रहा। ब्रजघाट एवं तिगरी में करीब तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा डुबकी लगाए जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर गंगा घाटों पर पुलिस बल भी मौजूद रहा। हालांकि श्रद्धालुओं के आवागमन के चलते तिगरी मार्ग और नेशनल हाइवे पर जाम की स्थिति बार बार पैदा हो रही है, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के चलते स्थिति काबू में है।

अब रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में प्लास्टिक सर्जरी भी हुई संभव

बांदा, एजेंसी

रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज बांदा के डॉक्टरों द्वारा नित नए आयाम स्थापित किये जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में कार्यरत डा. अनूप सिंह ने एक किशोरी की सफल प्लास्टिक सर्जरी करके एक बार फिर बांदा की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान की है। जानकारी के मुताबिक बांदा शहर के छिपटहरी मोहल्ले की निवासी रेहाना (14) पुत्री नफीस जब एक वर्ष की थी। तब खौलते पानी से जल गई थी। उस वक्त रेहना का प्राइवेट नर्सिंग होम में उपचार कराया था, लेकिन उसका दाहिना हाथ उसके शरीर में चिपक गया था। रेहाना के परिजनों को बताया गया था कि जब बच्ची बड़ी हो जाएगी तब इसे सर्जरी के द्वारा हटाया जाएगा। और वह नियमित रुप से जुड़ चुका था। डाक्टरों ने जुड़े हुए स्किन को वहां से काट कर निकाला। उसकी जगह पर मरीज के पैर से स्किन निकालकर ग्राफ्ट लगाया गया। सर्जरी के बाद रेहाना अब स्वस्थ्य है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके कौशल ने डॉ. अनूप कुमार सिंह और उनकी टीम को बधाई दी है। इस बारे में डा. अनूप सिंह ने बताया कि इस सर्जरी में लगभग 05 घण्टे का समय लगा। सर्जरी मेडिकल कालेज में मामूली सरकारी खर्च पर की गई है। अगर यह सर्जरी किसी बड़े शहर के बड़े नर्सिंग होम में कराई जाती तो डेढ़ से दो लाख तक का खर्च होता। सर्जरी टीम में डॉ. सचिन यादव, डॉ.राहुल यादव, डॉ. सुशील पटेल, डॉ. प्रिया, डॉ. कपिल कश्यप तथा अन्य रेसिडेंट डॉक्टर और ओटी स्टाफ मौजूद रहा।

मच्छरों से बचाव के लिए सभासद श्वेत रस्तौगी ने वार्ड में कराई फॉगिंग

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और उन से होने वाली मलेरिया वे अन्य खतरनाक बीमारियों से सचेत होते हुए अपने वार्ड वासियों को बीमारियों से बचाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के वार्ड 19 से सभासद श्वेत रस्तौगी ने प्रयास कर नगर पालिका परिषद के संसाधनों से अपने पूरे वार्ड में (कीटनाशक दवा के धुंआ का छिड़काव) फागिंग कराई। उन्होंने फॉगिंग मशीन को रियासत से होते हुए पंजाबी कॉलोनी, ठाकुर मंदिर, जाली वाला मंदिर, गुरुद्वारा सिंह सभा, मौहल्ला सोतिया, मौहल्ला चंचल पुरियान, हिंदू चौधरीयान सहित पूरे वार्ड में फॉगिंग कराकर मच्छरों के प्रकोप से निजात दिलाने का एक अच्छा काम किया। जिससे मच्छरों के द्वारा होने वाली बीमारियों को भी कम किया जा सकेगा।सभासद श्वेत रस्तोगी ने वार्ड वासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घरों के आसपास कूड़ा, करकट, गंदगी तथा जलभराव ना होने दें।सभी वार्ड वासी स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में सहयोग करे तथा सभी वार्ड वासी स्वच्छ रहे स्वस्थ रहें का फामूर्ला अपनाए।

संक्षिप्त खबरें

सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज थाना क्षेत्र के तिलकपुर गांव के समीप मुख्य सड़क मार्ग पर एक बाइक सवार ने स्थानीय इलाके के एक मजदूर को जोरदार ठोकर मार मौके से फरार होने में सफल हो गया था। वही इस घटना में मजदूर बुरी तरह से जख्मी व घायल हो गया था, जख्मी व घायल अवस्था में स्थानीय ग्रामीणों व परिजनों के सहयोग से त्वरित बेहतर इलाज के लिए आनन-फानन में मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी हालत गंभीर हो गई और मौजूद चिकित्सक द्वारा जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक मजदूर की पहचान स्थानीय तिलकपुर गांव के 40 वर्षीय दिलीप मंडल के रूप में बतायी जा रही है। वही बरारी थाना पुलिस पदाधिकारी ने परिजनों के लिखित फर्द बयान के बाद मृतक मजदूर के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौप दिया। वही परिजनों ने मृतक के शव को लेकर सुल्तानगंज पहुंची, जहां मुआवजे की मांग को लेकर कुछ देर के लिए एनएच 80 मुख्य सड़क मार्ग पर शव को रख बाधित कर जाम कर दिया। वही घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन की टीम व वीडियो मनोज कुमार मुरमू, सीईओ अमित राज सहित थानाध्यक्ष प्रियंजन दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर जाम को हटवाया।

नीतीश पर पुरानी कहावत स्टीक बैठती है जब नाश मनुष्य पर छाता है पहले विवेक मर जाता है : शैलेन्द्र चौधरी

मुंगेर। कल जिस तरह देश के प्रधान सेवक और गृह मंत्री के खिलाफ गलत शब्दों का प्रयोग किया गया उस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता सह जमालपुर विधानसभा प्रभारी शैलेंद्र चौधरी ने कहा कि आनंद मोहन को याद रहते हुए भी शायद भूल गए हैं उनकी जो स्थिति हुई है ललन सिंह की देन हैं। जिस राजद की गोद में बैठे हैं उन्होंने ही उन्हें जेल तक पहुंचा था। जिनका उन्होंने खुद अपने भाषण में जिक्र किया। आनंद मोहन कहते हैं दो गुजराती बेच रहे हैं और दो गुजराती खरीद रहे तो जिस को जो ज्ञान होगा वही तो करेगा। आपको गुंडागर्दी आती है और जो खरीद बेच सकते हैं वह आज देश को मजबूत और सशक्त बना रहे हैं। आज राफेल खरीद के लाया गया तो देश की शक्ति बढ़ी है। विश्व में पूछा जा रहा है और मेड इन इंडिया प्रोडक्ट बना बनाकर बेचा जा रहा है तो देश की आर्थिक स्थिति बहुत सुदृढ़ हो रही है।

जिला राजद के नवगठित कमिटी के पदाधिकारियों के सम्मान में समारोह आयोजित

मुंगेर। मुंगेर शहर के आजाद चौक स्थित राजद के जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष त्रिलोकी नारायण शर्मा की अध्यक्षता में नवगठित जिला कमिटी 2022-2025 के सम्मानित अधिकारियों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। नवगठित पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष त्रिलोकी नारायण शर्मा एवं प्रधान महासचिव संतोष कुमार यादव ने अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें नवनिर्वाचित जिला उपाध्यक्ष संजय पासवान, सुनील सिंह, आकाशदीप यादव, एवं हबीबुर्रहमान को बनाया गया। साथ ही महासचिव पांच, सचिव छह एवं जिला कार्यकारिणी में तेरह सदस्यों को मनोनीत किया गया। साथ ही मुंगेर जिला राष्ट्रीय जनता दल के दो प्रवक्ता कुमार सौरव जयसवाल एवं अभिमन्यु यादव को सम्मानित किया गया।इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि बिहार राजद के प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार यादव प्रदेश सचिव दिनेश यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। सम्मान समारोह के तत्पश्चात राष्ट्रीय जनता दल के विचारधारा के तहत संकल्प लिया गया की पार्टी के हित में कार्य करते हुए संगठन को मजबूत और संगठित कर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के बुलंद इरादे को मजबूती प्रदान करेंगे और आने वाले वक्त में राजद की सरकार बनाने में मुंगेर जिला कमेटी समस्त बिहार में एक उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

अवैध बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त

संग्रामपुर। तारापुर-संग्रामपुर मुख्य मार्ग धनकुण्डा के समीप अवैध बालू लदा दो ट्रैक्टर को संग्रामपुर पुलिस ने जप्त कर थाना लाया।थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि एएसआई श्याम देव प्रसाद यादव एवं पुलिस बल द्वारा धनकुण्डा के समीप से जप्त कर थाना लाया गया है।दोनो ट्रैक्टर पर कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी मुंगेर को सुचना दे दी गयी है।खनन पदाधिकारी आने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

महिला डाक बम घायल

असरगंज। कांवरिया कच्ची मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन चलने के कारण एक महिला डाक बम घायल हो गई। वे पूर्णिया की रहने वाली है। जिनका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। गम्भीर चोट को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर ने भागलपुर भेज दिया गया।

सावन की दूसरी सोमवारी पर गंगा तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शिवालयों में बोल बम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा पूरा शहर

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर शहरी क्षेत्र सहित आसपास के शिवालयों सहित शिव मंदिर में अहले सुबह से ही पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। भागलपुर सहित आसपास क्षेत्र के सभी शिवालयों में शिव भक्तों की भारी तादात में गंगा जल शिवलिंग पर अर्पण करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। वही क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से लोग पूजा अर्चना को शिवलिंग पर जल अर्पण करने व मनचाहा मनकामना को लेकर मंदिरों के बाहर कतारबद्ध डटे हुए थे।

वही श्रद्धालुओं व शिव भक्तों से पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव, बोलबम, जय भोलेदानी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा है। वही जिले के प्रशिद्ध बाबा वृधेश्वर नाथ मंदिर, आदमपुर के शिव शक्ति मंदिर, खंजरपुर के भूतनाथ मंदिर, नाथनगर के मनाश कामना नाथ मंदिर बरारी के पिपली धाम मंदिर, सबौर के दो मुंहा महादेव शिव मंदिर के अलावा हर गली मोहल्ले

के शिवालयों के साथ साथ प्रखंड क्षेत्र के शिवालय मंदिर में शिव भक्तों की भारी तादात में फूल, बेलपत्र, गंगा जल को लेकर पूजा अर्चना को ले शिवभक्तों की भीड़ से पटा हुआ है। वही भक्तों की बढ़ती हुई भीड़ को देखते हुए संबंधित क्षेत्र इलाके के पुलिस प्रशासन द्वारा सभी शिवालयों में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पूजा अर्चना को लेकर पहुंचे शिवभक्तों को कतारबध में खड़ा कर धीरे धीरे मंदिरों के भीतर प्रवेश करने में डटे हुए थे। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ खचाखच भरी रही थी, सभी के हाथ में फूल बेलपत्र, अगरबत्ती सहित गंगाजल लिये दिखाई दे रहे थे।

सावन की दूसरी सोमवारी पर अहले सुबह से ही बाबा भोले नाथ के भक्ति के रंग में सराबोर हो सभी युवा, युवती सहित दम्पती के अलावे छोटे छोटे बच्चे भी मंदिर परिसर में पूजा करने के लिए मंदिर पहुंच रहे थे। वही बारी बारी से लोग बाबा भोलेनाथ के मंदिर में प्रवेश कर जल्दबाजी में पूजा अर्चना कर रहे थे। मंदिरों में उमड़ी भीड़ को लेकर मंदिर के व्यवस्थापक द्वारा वोलेंटियर की भी तैनाती की गई थी। वही जिले के शहरी क्षेत्र के सभी शिवालयों में शिवभक्त अपनी आस्था भाव को लिए शिवभक्ति में सराबोर हो गंगा स्नान करने के साथ अपने घर परिवार सहित राज्य और देश की सुख समृद्धि कामना की मांग लिये मंदिरों में पूजा अर्चना में लगे हुए थे। वही छात्राएं भी अपने पढ़ाई के मार्ग में प्रगतिशील होने के साथ अच्छे रिजल्ट की कामना को लेकर तो वही लड़कियों ने अच्छे जीवनसाथी की कामना करते हुए बाबा भोलेनाथ की पुजा अर्चना करते दिखाई दिये। वही जिले के शहरी क्षेत्र में दूसरी सोमवारी को देखते हुए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की ओर से जगह जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

वही यातयात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए शहरी क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिरों के मुख्य सड़क मार्ग पर लोगों के वाहनों की भीड़ को लेकर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए वाहनों को मंदिरों आसपास वाहनों के रख रखाव पर प्रतिबंध लगाया गया था। वही स्थानीय पुलिस पदाधिकारी व जवानों ने आगन्तु श्रद्धालुओं को कतारबद्ध में लगा कर मंदिर के अंदर प्रवेश कराया जा रहा था। इस दौरान पूरा जिला परिक्षेत्र सहित पूरा शहर केसरियामय व भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ दिख रहा है, तो वही बोलबम, हर हर महादेव उद्गोस मंत्रोच्चारण से पूरा परिक्षेत्र गुंजयमान हो उठा है।

बिहार के किसान बारिश का कर रहे बेसब्री है इंतजार : डीएम

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार के किसान अभी भी आसमां की ओर नजरे टिकाये बरसात के मेघ इन्तेजार कर बेसब्री से टकटकी लगाए नजर आ रहे हैं, तो वही दूसरी ओर दिल्ली, पंजाब सहित अन्य राज्य पानी पानी है। ये तो अजीबो गरीब कहानी देखने को मिल रही है। अब सवाल यह उठ रहा है कि ऐसा हुआ क्यों? दरअसल उत्तर पश्चिम क्षेत्र में भारी बारिश से मची तबाही के पीछे जलवायु परिवर्तन एक बड़ा कारण है।

कही पहाड़ दरक रहा है, तो कही जल के सैलाब ने विनाशकारी रूप ले तबाही मचा रखी है, वही कई नदियां उफान पर चल रही और अपना रास्ता तालाश रही है, लगातार पहाड़ की खुदाई से इलाके की इकोलॉजी असंतुलित हो चली है। शोध परक एक वैज्ञानिक आंकड़ों के मुताबिक सन 2000 से 2022 तक ग्लेशियर के पिघलने और भूमिगत जल के विदोहन से पृथ्वी की ऊपरी सतह बदल रही है। उसके संकेत आपको दिख भी रहे हैं। बढ़ती आबादी की जरूरतों और सिंचाई के लिए भारी मात्रा में जमीन से पानी निकालने के परिणाम भयावह होने लगा है। वही पहाड़ी इलाकों में बसे उत्तराखंड और हिमाचल के नदियों का रौद्र रूप धारण कर उसकी तबाही के अवशेष आपने देखे हैं। कैरी रिभर गंगा सहित कई नदियां मैदानी इलाकों में तो वही पहाड़ी इलाकों की तबाही लेकर आ रही है। फिर..??हिमालियन रेंज की पहाड़ियों से निकली नदियों के जलप्रलय की धारा को लेकर मैदानी इलाकों के अधिकारी अलर्ट मोड पर चल रहे हैं। उत्तर भारत की कैरी रिभर गंगा किनारे ऊपर के जलप्रलय का नुकसान कम हो, उस बाबत जिला प्रशासन अलर्ट मोड में अधिकारीयों रखा है। वही मामले को लेकर हुई बातचीत में जिलाधिकारी सुब्रत सेन ने बताया कि फ्लड की आहट को लेकर सारी तैयारी कर ली गई है।

आगामी 18 जुलाई को संगठनात्मक समीक्षात्मक बैठक आयोजित

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष करेंगे शिरकत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जनता दल यूनाइटेड भागलपुर शाखा द्वारा आगामी 18 जुलाई को भागलपुर प्रमंडल स्तरीय एक दिवसीय संगठनात्मक समीक्षा बैठक का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सहित कई वरीय नेता करेंगे शिरकत। इस कार्यक्रम में भागलपुर, बांका, नवगछिया एवं महानगर संगठन के जिला स्तर के सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर जदयू के सभी जिला व प्रखंड स्तर पर नियुक्त अध्यक्ष के अलावा सेक्टर अध्यक्ष के साथ-साथ सैकड़ों कार्यकर्ता भी इस बैठक में भाग लेंगे। आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रूप रेखा व आम लोगों के बीच सरकार की कार्यों से गांव गांव तक आम लोगों के बीच पहुंच कर अवगत कराया जाय। गौरतलब हो कि आगामी 2024 के लोकसभा

चुनाव को लेकर जदयू ने कमर कस ली है। वही भागलपुर प्रमंडल जदयू के प्रभारी प्रह्लाद सरकार ने जनकारी साझा करते हुए बताया कि आगामी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के लिए सबक सिखाने का दिन आ गया है। वहीं उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार ही बल्कि देश स्तर पर त्रस्त हुई जनता गोलबंद हो चुकी हैं। भ्रष्टाचार की नाव पर सवार भाजपा सिर्फ जनता को मूर्ख बनाने के काम कर रही हैं गरीबों का हक छीनकर पूंजीपतियों के हाथ सौप रही हैं। जिसको लेकर आम जनता त्रस्त हो चुकी हैं। बेरोजगारी, मंहगाई चरम सीमा पर पहुंच गया है। इस लिए आम जनता का अपना दो वक्त का भोजन नही जुटा पा रही हैं और विकास की बात करते हैं, भाजपा का इस चुनाव में जनता मुहतोड़ जबाब देगी, और जनता दल यूनाइटेड की भारी बहुमत के साथ जीत होगी, भाजपा का जाना तय है। बिहार के युवा वर्ग ही नही बल्कि आम लोग भी वृहद तेजी गति से बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी देख रही है इसलिए भारतीय जनता पार्टी को जनता जड़ से उखाड़ फेंकेगी। वहीं उन्होंने केंद्र सरकार को 9 साल बेमिसाल कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि इस 9 साल में भाजपा सहित पूंजीपति मालामाल है और जनता का फटे हाल है हर जिले में बीजेपी के कार्यालय जनता के पैसों को ठग कर बनाया गया है, यह कहीं से सही नहीं है जनता जवाब देगी, हर हाल में देगी।

अपनी 13 सूत्री मांगों को लेकर किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के बैनर तले जिला समाहरणालय स्थित कचहरी चौक पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में पार्टी के कार्यकताओं ने कई मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। इसी क्रम में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि भूमिहीनों को आवास के लिए और खेती करने के लिए जमीन मुहैया कराया दी जाय, वही सरकार द्वारा भूमिहीनों वा लाचार परिवार को उनके घर आशियाने को अतिक्रमण के नाम पर लोगों को परेशान करना बंद किया जाय, वृद्ध लोगों को वृद्धा पेंशन समयानुसार दिया जाय, ताड़ी पर प्रतिबंध समाप्त किया जाय, शिक्षकों को राजस्व कर्मी का दर्जा दिया जाय, रसोईया व साफ सफाई कर्मी की सामान्य कार्य सामान्य वेतन का लाभ दिये जाने की दिशा में वेतन मान को बढ़ाई जाय, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पर विशेष ध्यान दिया जाय सहित अपनी 13 सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया है। इस दौरान हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार संजय यादव, लक्ष्मीकांत, सनोज यादव, गुरु रविदास, दिलीप मंडल व विकास कुमार के अलावे दर्जनों हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर के वरीय नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

दुसरे सोमवारी को लेकर कांवड़िया गंगा जल ले पैदल यात्रा पर हुए रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज नगर परिषद क्षेत्र स्थित अजगैविनाथ धाम गंगा तट पर सावन के दुसरी सोमवारी को लेकर हजारों कांवड़ियों की भीड़ उमड़ पड़ी। अजगैबीनाथ धाम के उत्तर वाहनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर जल पात्र में गंगा जल ले पूजा अर्चना के साथ देवघर बैधनाथ धाम को रवाना हुआ है। आपको बताते चले कि बिहार, झारखंड, बंगाल , नेपाल सहित अन्य जगहों के श्रद्धालुओं व

कांवड़ियों का जत्था बाबा भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए तरह तरह के रूप धारण करने के साथ साथ अलग अलग तरह के कांवर एंव दंडी देकर बाबा भोलेनाथ को जल अर्पण के लिए बोलबम, हर हर महादेव के उद्गोस के साथ बैधनाथ धाम रवाना हो रहे हैं। इसी क्रम में शिव भक्तों ने बताया कि बाबा भोलेनाथ हम सबों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं, जिसको लेकर मनोकामना पूर्ति पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अजगैविनाथ धाम गंगा तट से जल लेकर देवघर स्थित बैधनाथ धाम पैदल यात्रा एंव वाहन यात्रा करते हुए रवाना हुए हैं। वही आगन्तु कांवड़ियों को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर सभी विभाग के पदाधिकारी द्वारा अजगैविनाथ धाम से कच्ची कांवड़िया पथ मार्ग में दिन रात सुरक्षा व्यवस्था एंव स्वास्थ्य व्यवस्था, सहित अन्य व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किया गया है। जिससे बाहर से आने आगन्तु शिव भक्त कांवड़िया को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिला व नगर निगम प्रशासन की दिखी उदासीनता

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। श्रद्धालु पतित पावनी गंगा नदी से गंगाजल लेकर जल भरकर बरारी सीढ़ी घाट से गोड्डा, धनकुंड, बासुकीनाथ ब गोनू बाबा धाम के साथ-साथ कई शिवालयों में जलाभिषेक करने जाते हैं, लेकिन भागलपुर से एक ऐसी तस्वीर आपको दिखाने को मिल रही हैं, जिससे नगर निगम की उदासीनता आपको साफ तौर पर सामने देखने को मिलेगी, पतित पावनी गंगा नदी में श्रद्धालु गंगा स्नान करते हैं, उसके बाद मंत्र उच्चारण के बाद जल भरते हैं, और गोड्डा, धनकुंड, बासुकीनाथ व गोनू धाम जैसे तीर्थ स्थल के लिए निकल पड़ते हैं, लेकिन

काफी दुख की बात यह है कि इन श्रद्धालुओं को गंदे गटर वाले नाली के पानी से होकर ही गुजरना पड़ता है, जिससे उनकी श्रद्धा काफी धूमिल हो रही है। इस पर ना तो नगर निगम ध्यान दे रही है और ना ही जिला प्रशासन, अब सवाल यह उठता है कि धर्म की पवित्रता पर लगाम लगाने को लेकर यह खिलवाड़ आखिर कब तक बंद होगा। ऐसी कुव्यवस्था को देखकर दूर-दूर से आए श्रद्धालु काफी दुखी हैं। आगन्तु श्रद्धालु का साफ तौर पर कहना है कि अगर नगर निगम और जिला प्रशासन थोड़ा भी ध्यान दे दे तो जलाभिषेक करने जा रहे श्रद्धालुओं को इस गंदगी भरे से परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। वही जब सड़कों और घाटों का हाल देखा गया तो वह बद से बदतर थी ना ही सफाई देखी गई और ना ही ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया था। वही उक्त मार्ग पर ओवरब्रिज की मांग को लेकर पूर्व में भी कई वरीय नेताओं के साथ साथ विधायक व सांसद द्वारा धरना प्रदर्शन करते रही हैं राजनीतिक दलों के लिए उक्त स्थल सिर्फ एक मुद्दा बन गया है। चुनावी मुद्दा तो कई वर्षो से चला आ रहा है लेकिन सभी दल अपनी बवाही लूटने की जद्दोजहद में लगी हुई हैं हर दल एक दूसरे के विरोध में दक्षिण क्षेत्र इलाके की जनता का मजाक बनाते दिखाई दे रहे हैं, इसी कड़ी में भाजपा के जिलाध्यक्ष व उनके समर्थकों ने भी इस पर पुनः राजनीतिक मुद्दा छेड़ दिया है। बीच सड़क पर गंदे पानी में बैठ कर बिहार सरकार के रवैये को लेकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान स्थानीय प्रशासन सहिय विधायक के विरुद्ध जमकर हमलावर रहे थे।

गुमनाम वीर सपूतों की शहादत पर, किया नुक्कड़ नाटक का आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। अपने भारत देश को आजाद कराने के लिए कई वीर सपूत शहीद हो गए, तो वही आजादी की लड़ाई में कुछ वीर सपूतों के नाम लोगों के जुबान पर है, लेकिन कई ऐसे भी वीर सपूत आजादी की जंग में शहीद हुए है, जिन्होंने अपना अहम योगदान देश की आजादी में दिया है लेकिन वह गुमनामी के अंधेरे डूब इतिहास के पन्ने में कही खो गए हैं, उन्हें उभारने और युवाओं को उनकी गाथा याद दिलाने के लिए संस्कार भारती के द्वारा पूरे प्रदेश में देशभक्ति पर आधारित गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास पर नुक्कड़ नाटक सभा का आयोजन किया जा रहा है। यह नुक्कड़ नाटक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमृत महोत्सव के समापन के अवसर पर संस्कार भारती के द्वारा पूरे प्रदेश में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भागलपुर, बांका, खगड़िया, कटिहार के अलावे कई जगहों पर एक

साथ जारी किये जा रहे हैं। इसी बाबत भागलपुर के घंटाघर चौक पर तारापुर में शहीद हुए वीर क्रांतिकारियों के गाथा पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। नाटक कार्यक्रम के दौरान बरियारपुर के अंग नाट्य मंच के निर्देशक संजय कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम को कराने का मुख्य उद्देश्य है जो गुमनामी के अंधेरे डूब इतिहास के पन्नों में कही खो गए हैं उन्हें उजागर करना है, साथ ही उन्होंने बताया तारापुर में 34 क्रांतिकारी वीर सपूतों की शहीदों की शहादत देश के जंग में हुई है उसी घटना पर आधारित नुक्कड़ नाटक तारापुर के शहीद का मंचन किया जा रहा है।

धूमधाम से मनाया जाएगा शहर में विषहरी पूजा : पूजा समिति

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। शहर में आगामी माह में होने वाले विषहरी पूजा के आयोजन को लेकर जिले के विषहरी(मनसा) महारानी केंद्रीय पूजा समिति के द्वारा विषहरी पूजा को भव्य तरीके से पूरे नेम निष्ठा एवं शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में शहर के तकरीबन 115 भगत सही प्रतिमा स्थापित करने वाले मेढपति इस बैठक में उपस्थित हो शामिल हुए है।

बैठक में आगामी 16 जुलाई को बढ़ी पूजा उसके बाद 16 अगस्त को

कलश स्थापना की जाएगी, फिर 17 और 18 अगस्त को मां मनसा को डलिया चढ़ाया जाएगा और 19 अगस्त को भव्य प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा का आयोजन रखा गया है। वही इस बार सभी विषहरी पूजा पंडाल में अश्लील गाने पर पाबंदी के साथ रोक लगाई गई है। वही विषहरी महारानी केंद्रीय पूजा समिति के अधिकारियों व कार्यकताओं ने कहा कि मंदिर परिसर में अश्लील गाना बजाने वाले पूजा समिति के लोगों पर कानूनी रूप से कार्रवाई की जाएगी। वहीं विषहरी महारानी केंद्रीय पूजा समिति के अध्यक्ष भोला प्रसाद मंडल ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शांति व सौहार्द के साथ हम लोग विषहरी पूजा मनाएंगे, किसी तरह की असुविधा पर प्रशासन से भी मदद ली जाएगी, साथ ही सुरक्षा को लेकर भी प्रशासन को आवेदन दिया जाएगा। जिससे पूजा में किसी तरह की विपदा व परेशानी ना आए। इस दौरान जिले भर के बिषहरी मंदिरों के मेढपति सहित भगत उपस्थित थे।

पैरों से दिव्यांग पति पत्नी एक ही ट्राईसाईकिल पर सवार हो बैद्यनाथ धाम हुआ रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सावन के पावन महीने में शिवभक्तों के भक्ति का अलग अलग रंग और आस्था के दौर में महादेव के प्रति सद्भाव पूर्ण भक्ति में समर्पण का एक अलग ही भाव देखने को मिल रहा है। प्रभू महादेव के प्रति आस्था ऐसी है कि श्रद्धालु लाख परेशानियों के बावजूद भी बाबा बैधनाथ पर जल चढ़ाने जा रहे हैं, जिसकी जीती जागती तस्वीर के साथ लगातार हम आपको खबरों के माध्यम से अवगत कराते आ रहे हैं। इसी कड़ी में आज पैरों से दिव्यांग दम्पत्ति अपनी मनोकामना पूर्ति को लेकर बैधनाथ धाम निकल पड़े है। दोनों पति पत्नी एक ही ट्राई साइकल पर सवार होकर बाबा बैधनाथ धाम की यात्रा पर निकल पड़े हैं। इसी क्रम में जहानाबाद के योगेंद्र पासवान और उनकी पत्नी रंजू देवी का बाबा महादेव की भक्ति में ऐसे डूबे है कि उनके सिवाय और कोई भक्ति नही दिखाई देता हैं, दोनों बचपन से ही दिव्यांग है।

कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला सहित स्थानीय प्रशासन अलर्ट

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में उत्तरी तटवर्ती इलाका स्थित गंगा नदी के जलस्तर में फिर से बढ़ोतरी शुरू हो गयी है। वही सुलतानगंज के अजगैबीनाथ धाम सहित गंगा नदी के घाट पर गंगा के जलस्तर में चार से पाँच दिनों में 2 मीटर से अधिक जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। वहीं पहाड़ी इलाकों में लगातार बारिश होने के बाद फिर से जलस्तर में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं जलस्तर बढ़ने के बाद सुलतानगंज उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैरिकेडिंग को लगातार शिफ्ट किया जा रहा है। वही मामले को लेकर जिलाधिकारी ने घाट पर माइकिंग के जरिये श्रद्धालुओं सहित आम लोगों के सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। वही कांवड़िया सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दो बोट के साथ एसडीआरएफ की टीम व दो नौका तैनात कर दिया

गया है। इसी दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी होगी, उसके हिसाब से हमलोगों की तैयारी भी कर रहे है। वही गंगा नदी में एसडीआरएफ की टीम के साथ बोट के जरिये निगरानी की जा रही है साथ ही गंगा घाटों पर गंगा नदी के पानी में हो रही बृद्धि को लेकर बैरिकेडिंग को शिफ्ट कार्य किया जा रहा है। जिससे कांवड़िया की सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न रहे, क्योंकि की मेला में कांवड़ियों की दिन प्रतिदिन अत्यधिक तादात में भीड़ बढ़ती जा रही है। श्रावणी मेला दो माह तक के आयोजन पर कांवड़िया श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा तटों पर आना लगातार जारी है। जहां से कांवड़िया गंगा जल लेकर बाबा धाम रवाना हो रहे हैं।

दूसरी सोमवारी को सोमवती अमावस्या का विशेष संयोग, हजारों लोगों ने किया शिवलिंग की पूजा

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) । सावन की सोमवारी का शिवभक्तों के लिए विशेष महत्व होता है । इस बार 45 वर्षों बाद सावन की दूसरी सोमवारी को सोमवती अमावस्या का विशेष संयोग भी बन रहा है।इसको लेकर प्रखंड क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से ही पूजा अर्चना करने वाले लोगों की भीड़ लगी रही।प्रखंड के नवगांवई ग्राम स्थित बाबा नर्मदेश्वर नाथ महादेव मंदिर में भगवान शंकर के महा रुद्राभिषेक का

आयोजन किया गया। विदित हो कि बाबा नर्वदेश्वर नाथ महादेव मंदिर में स्थापना काल से ही वर्ष के सभी सोमवार को शिव का रुद्राभिषेक किया जाता है। परंतु सावन मास की सोमवारी के रुद्राभिषेक का विशेष महत्व होता है। इसमें यजमान बनने के लिए पूर्व से ही नाम का निर्धारण कर दिया जाता है। महा रुद्राभिषेक का यह आयोजन पंडित सुनील झा के नेतृत्व में यजमान विधायक प्रतिनिधि जय प्रकाश सिंह एवं उनकी पत्नी पूर्व मुखिया कलावती देवी द्वारा पूरे विधि विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया । मौके पर मुख्य रूप से मोती सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष कमलनयन सिंह, रुद्र नारायण मिश्र, ठाकुर अनुरंजन सिंह, विजय सिंह राठौर, दयानंद यादव, बिक्की कुमार, रंजन सिंह आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

शिक्षित समाज से शिक्षित राष्ट्र का निर्माण होता है : ललन

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की ओर से रविवार को संग्रहालय सभागार के प्रशाल में 59 दिव्यांगजनों को बैट्री चालित ट्राय साइकिल तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तहत बरियारपुर अंचल कार्यालय द्वारा प्रखंड के नीरपुर पंचायत के चिन्हित कुल 46 लाभुकों के बीच बासगीत पर्चा का वितरण मुंगेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रमंडलीय आयुक्त

संजय कुमार सिंह, जिला पदाधिकारी नवीन कुमार, अपर समाहर्ता अमरेंद्र शाही, उप विकास आयुक्त संजय कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार सहित दिव्यांगजनों एवं बासगीत पर्चा प्राप्त करने वाले लाभुक उपस्थित थे । इसके पूर्व आयुक्त द्वारा सांसद राजीव रंजन सिंह को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद ने उपस्थित सभी लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन कर रही है, जिसके तहत जिला प्रशासन द्वारा आमजनों को उसका समुचित लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। मेरे द्वारा क्षेत्र भ्रमण के क्रम में कई दिव्यांगजनों द्वारा बैट्री चालित ट्राय साइकिल तथा बरियारपुर प्रखंड के नीरपुर पंचायत के ग्रामीणों ने रहने के लिए जमीन की मांग की थी। इस हेतु जिला पदाधिकारी को संबंधित पंचायत में सर्वे कराकर भूमिहीन परिवारों की सूची तैयार कर उन्हें गृह स्थल पर्चा,वासगीत पर्चा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। जिला प्रशासन द्वारा इस ओर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित अंचलाधिकारी को निर्देशित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा तैयार सूची के तहत आज सभी लाभूकों को वासगीत पर्चा एवं बैट्री चालित ट्राय साइकिल का वितरण किया गया है सांसद ने सभी लाभूकों को संबोधित करते हुए कहा

जवान में नहीं होगा किआरा आडवाणी का कोई कैमियो

शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान इस साल स्क्रीन पर हिट होने वाली सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक है और फिल्म पूरी तरह से धूम मचा रही है। इस फिल्म के हाल ही में जारी हुए ट्रेलर प्रीव्यू ने दर्शकों के उन्माद को और बढ़ा दिया है। प्रीव्यू में दिखाए गए एक्शन दृश्यों और शाहरुख खान के लुक ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस फिल्म के बारे में कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि इसमें किआरा आडवाणी का कैमियो होगा जिसमें उन पर एक गीत फिल्माया जाएगा। कई मीडिया पब्लिकेशन ने इस समाचार को प्रमुखता से छापा लेकिन अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार जवान में किआरा का कोई किरदार नहीं है। उद्योग जगत के सूत्रों ने मीडिया को बताया है कि, ये अफवाहें बिल्कुल निराधार हैं। फिल्म में कोई गाना शूट नहीं किया गया है और न ही किआरा आडवाणी का कोई कैमियो है। जवान इतनी बड़ी फिल्म है, हर दिन कोई न कोई अफवाह सुनने को मिलती है। जवान का निर्माण शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है और फिल्म में विजय सेतुपति, नयनतारा, सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा और संजीता भट्टाचार्य भी हैं। यह फिल्म 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फैशन सेंस के मामले में इस सुपरस्टार को कॉपी करते हैं विजय वर्मा

बॉलीवुड अभिनेता विजय वर्मा इन दिनों अपनी वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज में उन्होंने तमन्ना भाटिया के साथ जमकर इंटीमेट सीन दिए हैं, जो कि चर्चा का विषय हैं। वहीं अभिनेता तमन्ना भाटिया के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी हर तरफ छाए हुए हैं। वह डार्लिंग्स, दहाड़ जैसी सीरीज में अलग-अलग किरदारों में अपने हुनर का जादू दिखा चुके हैं। अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अभिनेता फैशन के मामले में लोगों का ध्यान आकर्षित करते हैं। हाल ही में विजय वर्मा ने ड्रेसिंग सेंस के बारे में बात की।

घर में रहने वाली महिलाओं का पड़ा प्रभाव

चाहे फिल्म पुरस्कार हों या फिर फैशन पुरस्कार विजय वर्मा हर शो में दिलचस्प लुक रखने का प्रयास करते हैं। हाल ही में अभिनेता ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने फैशन स्टाइल के बारे में बात की। इंटरव्यू के दौरान जब अभिनेता से पूछा गया कि उनका फैशन के प्रति इतना प्यार कहां से आता है। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं एक ऐसे घर में पला-बढ़ा हूं, जहां बहुत सारी महिलाएं हैं। मेरे आसपास मेरी मां, मेरी बहन, मेरी मामी और मेरी बुआ थीं। वे सजने-संवरने और तैयार होने को लेकर बहुत उत्साहित रहती थीं। मैं उन्हें रंगों पर चर्चा और परिधानों के बारे में बात करते हुए सुनता था, हो सकता है कि इसका मुझ पर किसी तरह का प्रभाव पड़ा हो।

पसंद हैं शाहरुख खान

विजय वर्मा आगे कहते हैं, मैं बहुत सारी कॉमिक्स और कहानी की किताबें पढ़ता था। मुझे कल्पना की दुनिया या कहानी कहने की दुनिया पसंद आई। तब घर में मैगजीन भी होती थीं, मैं पोस्टर, कैसेट कवर आदि देखता था। मेरे कमरे में बैकस्ट्रीट बॉयज का एक पोस्टर भी था, लेकिन इसके अलावा, एक बॉलीवुड सितारा ऐसा भी था, जिससे काफी प्रभावित थे। विजय ने आगे कहा, मुझे शाहरुख खान का ड्रेसिंग सेंस बहुत पसंद था। मैं उनकी स्टाइल पर बिल्कुल फिदा हो जाता था। परदेस में वह बहुत अच्छे लग रहे थे। मुझे लगता है कि उस समय हम सभी शाहरुख खान जैसा दिखना चाहते थे।

बंगाली सिनेमा में डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं सयानी गुप्ता

सयानी गुप्ता बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस में शुमार हैं। उन्होंने फिल्मों और वेब सीरीज में अलग-अलग तरह की भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता है। मायनगरी में अपने एक दशक से अधिक के करियर में उन्होंने फैन, मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ, आर्टिकल 15 और पार्च्ड जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है और ओटीटी पर भी धाक जमाई है। अब वह बंगाली सिनेमा में कदम रखने की तैयारी में हैं और इसे लेकर सयानी बेहद उत्साहित हैं। सयानी गुप्ता जल्द ही कौशिक गांगुली की बंगाली फिल्म असुख बिशुख में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने इसकी शूटिंग पूरी की है। एक बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने अपने बंगाली सिनेमा में डेब्यू को लेकर बात की और साथ ही कौशिक गांगुली के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। सयानी ने असुख बिशुख में काम करने का मौका देने के लिए कौशिक गांगुली का शुक्रिया अदा किया। बातचीत के दौरान सयानी ने कौशिक गांगुली के फिल्म मेकिंग स्किल्स की तारीफ करते हुआ कहा कि वह कहानियों को काफी गहराइयों के साथ बुनते हैं। एक्ट्रेस ने कहा, कौशिक की फिल्में न सिर्फ नैरेटिव पर फोकस करती हैं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक पहलुओं पर भी ध्यान केंद्रित करती हैं। उनकी यही खूबी फिल्मों को अहम और विचारशील बनाती है। सयानी ने आगे कहा कि एक व्यक्ति के रूप में भी कौशिक गांगुली शानदार हैं और उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। बंगाली सिनेमा में आगे भी काम करने को लेकर सयानी ने कहा कि उन्हें कई ऑफर मिले हैं, लेकिन वह स्क्रिप्ट की क्वालिटी पर फोकस करेंगी। उनका कहना है कि फिल्मों की गिनती से ज्यादा गुणवत्ता उनकी प्राथमिकता है। सयानी ने बताया कि शेरदिल की शूटिंग के दौरान उन्हें बंगाली टीम के साथ काम करने का मौका मिला था, तभी से वह बंगाली सिनेमा में काम करने की इच्छुक थीं, यह इच्छा अब पूरी हो रही है।

मसालेदार विषय वाली फिल्म की तलाश में हैं जान्हवी कपूर

अपनी फिल्मों और अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा कि उन्होंने बहुत सारी फिल्में की हैं, लेकिन अब वह कुछ अलग करना चाहती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई हैं। दरअसल, वह कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, अभी वह वरुण धवन के साथ अपनी आने वाली फिल्म बवाल के प्रचार में व्यस्त हैं। इसी दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया था कि उन्हें बहुत सारी फिल्में करने का मन है। वहीं, इस कड़ी में अभिनेत्री ने बताया है कि और वह एक मसालेदार फिल्म की तलाश कर रही हैं। अपनी फिल्मों और अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा कि उन्होंने बहुत सारी फिल्में की हैं, लेकिन अब वह कुछ अलग करना चाहती हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मैं बस देख रही हूं, उम्मीद कर रही हूं और प्रार्थना कर रही हूं। मेरी इच्छा है कि अगली बार आप सब मुझे जब कैमरे पर देखें तो वह एक मसाला मजेदार फिल्म होनी चाहिए। मैं जिंदादिल हूं, नाच रही हूं, गा रही हूं, अच्छी दिख रही हूं, कॉमेडी कर रही हूं, नखरे भी दिखा रही हूं, वह सब सामान बात है। यही मैं फिल्मों में प्रदर्शित कर रही हूं, लेकिन अब मसालेदार विषय की तलाश में हूं। बता दें कि जान्हवी कपूर वरुण धवन के साथ अपनी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म बवाल का प्रचार कर रही हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी बवाल फिल्म का प्रीमियर 200 देशों में होगा। फिल्म के ट्रेलर और गाने को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। यह फिल्म 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं उर्फी जावेद, एकता कपूर की लव सेक्स और धोखा 2 में मिला रोल?

टीवी एक्ट्रेस और फैशन इन्फ्लुएंशर उर्फी जावेद की चर्चा किसी दिन न हो, ऐसा हो नहीं सकता। अपने अतरंगी कपड़ों से वह हर दिन दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच ही लेती हैं। उर्फी खुद कहती हैं कि वह यह सब इसलिए करती हैं कि उन्हें अटेंशन पसंद है। खैर, आज उर्फी को लेकर एक दूसरी खबर है। बिग बॉस ओटीटी से सुर्खियों में आईं उर्फी अब बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी कर रही हैं। जी हां, चर्चा है कि उन्हें एकता कपूर की फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 में लीड रोल ऑफर हुआ है। इस फिल्म में बिग बॉस 16 फेम एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया भी हैं। निमृत को यह फिल्म शो के दौरान ही ऑफर हो गई थी, जब एकता एक टास्क लेकर बिग बॉस के घर में पहुंची थीं। यह फिल्म साल 2010 में दिबाकर बनर्जी के डायरेक्शन में बनी लव सेक्स और धोखा का सीक्वल है। पहले पार्ट में राजकुमार राव, नुसरत भरुचा और अंशुमान झा जैसे सितारों ने इस फिल्म ने सुर्खियां बटोरी थीं। फिल्म न सिर्फ हिट रही थी, बल्कि इसके फिल्ममेकिंग की भी खूब तारीफ हुई है। तब फिल्म की थीम स्स्स्स्कैंडल्स थी, जबकि इस बार इसका थीम इंटरनेट के दौर में प्यार है। बताया जा रहा है कि फिल्ममेकर्स ने उर्फी जावेद से संपर्क किया है। पिछली फिल्म में जिस तरह से तीन अलग-अलग कहानियों से शुरुआत हुई थी, उसी तरह इस बार भी फिल्म में अलग-अलग कहानियां होंगी, जिनमें से एक में उर्फी जावेद नजर आ सकती हैं। बातचीत में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, उर्फी जावेद को लव सेक्स और धोखा 2 के लिए अप्रोच किया गया है। सब ठीक रहा तो वह इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी।

उर्फी जावेद के करियर को मिलेगी बड़ी उड़ान

उर्फी जावेद पिछले दिनों उस वक्त खूब चर्चा में हाई थीं, जब वह डिजाइनर जोड़ी अबू जानी और संदीप खोसला के कपड़ों में नजर आई थीं। बिग बॉस और स्प्लिट्सविला में नजर आ चुकीं उर्फी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहती हैं। अक्सर उन्हें उनके अनूठे कपड़ों के कारण ट्रोलिंग का भी शिकार होना पड़ता है। बहरहाल, बीते दिनों लव सेक्स और धोखा 2 का फर्स्ट पोस्टर भी रिलीज किया गया था। ऐसे में अब अगर फिल्म में उर्फी की एंट्री होती है तो न सिर्फ चर्चा में रहेगी, बल्कि दिबाकर बनर्जी जैसे दिग्गजों के साथ काम का मौका उर्फी के करियर को भी नई ऊंचाइयां दे सकता है।

बॉयफ्रेंड अर्जुन को छोड़ आजरबाइजान ट्रिप पर निकलीं मलाइका

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड की ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो अक्सर अपने लुक को लेकर चर्चा रहती हैं। इन दिनों मलाइका आजरबाइजान ट्रिप पर हैं, जहां वह खूब एंजॉय कर रही हैं। ट्रिप की खूबसूरत तस्वीरें एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही हैं। मलाइका अरोड़ा ने ट्रिप की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जिसमें वह गर्ल-गैंग के साथ आजरबाइजान के बाकू शहर का मजा लेती दिख रही हैं। व्हाइट आउटफिट के साथ चेहरे पर ब्लैक गॉग्लस लगाए मला बेहद गॉर्जियस लग रही हैं और बाकू टेंपल में गजब पोज दे रही हैं। बता दें, मलाइका अरोड़ा अपने काम और लुक्स के अलावा एक्टर अर्जुन कपूर संग अपने अफेयर को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। दोनों कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहें हैं। 12 साल का उम्र गैप होने के कारण कपल को हमेशा टारगेट किया जाता है। हालांकि, उन्हें किसी ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, अब कपल के फैंस को इंतजार हैं कि मलाइका और अर्जुन कब शादी के बंधन में बंधेंगे।

मैं अश्लील कॉमेडी के खिलाफ हूं

जावेद जाफरी ने अपनी एक्टिंग और जबरदस्त कॉमेडी से हर बार धमाल मचाया है। अश्लील कॉमेडी के खिलाफ एक्टर को लगता है कि पैन इंडिया फिल्मों की वजह से प्रतियोगिता बढ़ रही है। उनका कहना है कि दर्शकों को अच्छी फिल्मों को प्रोत्साहन देना चाहिए। वर्ना अच्छी फिल्में बनना बंद हो जाएंगी। स्क्रिप्ट चुनने के लिए अपने आंतरिक सेंसर का इस्तेमाल करने वाले एक्टर ने सेक्शुअल सीन्स की वजह से कई ऑफर ठुकरा दिए। हिंदुस्तान को यूनीक मुल्क मानने वाले जावेद जाफरी कहते हैं कि सोशल मीडिया पर सिर्फ पांच प्रतिशत लोग ही देखने लायक कॉन्टेंट बना रहे।

मेरे अंदर खुद एक सेंसर है

कॉमेडी, थ्रिलर, मिस्ट्री, फैमिली ड्रामा अलग-अलग किस्म की कहानियां होती हैं। उसमें कुछ बात होनी चाहिए। मैं ये भी देखता हूं कि डायरेक्ट कौन है, कहानी लिखी कैसे गई है और मैं क्या किरदार निभा रहा हूं। पहले मैं कहानी देखता हूं फिर अपने किरदार पर आता हूं। मैं कहानी के साथ अपने किरदार का टच तलाशता हूं। तब जाकर बतौर कलाकार उसमें क्या कर सकता हूं, इस दिशा में काम करता हूं। मेरे अंदर खुद एक सेंसर है, जो बताता है कि मुझे क्या करना है और किस तरह की चीजें मैं नहीं कर सकता। कुछ चीजें आईं, जिनमें न्यूडिटी (सेक्शुअल सीन्स) थी। मुझे लगा कि मैं ये नहीं कर सकता क्योंकि मैं उसमें सहज नहीं था। चार-पांच बार मेरे साथ ऐसा हुआ।

हिंदुस्तान की ऑडियंस का हमें ध्यान रखना चाहिए

अब ओटीटी एक तरह से वैकल्पिक रूप है। कुछ फिल्मों को उसके मुताबिक तैयार किया जा रहा, जहां ओटीटी की क्रिएटिव टीम कहानी और बाकी चीजों की अपनी तरफ से छानबीन कर रही या फिर अपनी फिल्म को पहले आप थिएटर में रिलीज करें। अगर बाद में पसंद की जाएगी तो ओटीटी पर लेंगे। अभी ये मंथन चल रहा है। देखते हैं आगे इसका क्या परिणाम निकलता है। ओपन माइक के जरिए फैलाई जा रही अश्लीलता पर एक्टर ने कहा, मैंने कभी ये नहीं देखा लेकिन मैं अश्लील कॉमेडी के खिलाफ हूं। जैसे अगर आप एडल्ट ऑडियंस के बीच हैं तो थोड़ा बहुत चलता है लेकिन गाली-गलौच सही नहीं है। मुझसे ये नहीं हो सकता। हिंदुस्तान की एक अपनी सभ्यता है। यहां पारिवारिक ऑडियंस है, हमें उसका भी ध्यान रखना चाहिए। कुछ बातें ऐसी होती हैं, जो आप सिर्फ अपने दोस्तों के बीच ही कर सकते हैं तो ये समझना जरूरी है कि कहां, क्या कहा जाना चाहिए।

बेटे मिजान के काम में नहीं देते हैं दखल

मैं बेटे मिजान (एक्टर) के काम में ज्यादा दखल नहीं देता। हम उसे तहजीब, तमीज, उसूल, आदर्श, शिक्षा, सभ्यता मोरल वैल्यू के तौर पर दे चुके हैं। ये सब उसे अपने काम में इस्तेमाल करना होगा क्योंकि उसे दो जेनरेशन (मुझसे और पापा जगदीप) से काफी कुछ सीखने को मिला है। बाकी अगर मुझसे किसी फिल्म के बारे में राय मांगता है तो मैं जरूर उसकी मदद करता हूं।

कृषि विज्ञानी पशुपालन, मछली पालन में अनुसंधान पर अधिक ध्यान दें: नरेंद्र सिंह तोमर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने उत्पादन बढ़ाने और संपूर्ण कृषि क्षेत्र की वृद्धि के लिए रविवार को कृषि विज्ञानियों से पशु पालन एवं मछली पालन में अनुसंधान करने के लिए कहा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 95वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए तोमर ने कहा कि भारत ज्यादातर फसलों के मामले में दुनियाभर में पहले या दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को हासिल करने में कृषि वैज्ञानिकों के साथ-साथ किसान समुदाय के प्रयासों और सरकारों द्वारा की गई नीतिगत पहलों का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कृषि आय बढ़ाने के अपने उद्देश्य के तहत पिछले नौ साल में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि में बेहतर उत्पादकता और उत्पादन के लिए भी प्रयास किए गए हैं और गुणवत्ता में सुधार पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। तोमर ने कहा कि भारतीय कृषि उत्पादों को विश्व स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है और इसलिए वार्षिक कृषि निर्यात 50 अरब डॉलर को पार कर गया है। उन्होंने परिषद से पांच साल बाद आईसीएआर की 100वीं वर्षगांठ के लिए लक्ष्य तय करने और उन्हें पूरा करने के लिए काम शुरू करने के लिए कहा। मंत्री ने कहा कि कृषि के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में फसल से ज्यादा योगदान पशुपालन और मछली पालन का है। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे लगता है कि हमें पशुपालन और मत्स्य पालन में शोध पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

गूगल से साझेदारी, 2 दिन में ही 30 प्रतिशत चढ़ गए छोटी कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सॉफ्टवेयर प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी छोटी कंपनी सुबेक्स लिमिटेड के शेयरों में पिछले कुछ दिन में जबरदस्त उछाल आया है। सुबेक्स लिमिटेड के शेयर पिछले 2 दिन में करीब 30 पर्सेंट चढ़ गए हैं। सुबेक्स के शेयर सोमवार को करीब 8 पर्सेंट की तेजी के साथ बीएसई में 37.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। सुबेक्स के शेयरों में यह तेजी गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी के बाद आई है। सुबेक्स लिमिटेड ने शुक्रवार को गूगल क्लाउड पर अपने फ्रॉड मैनेजमेंट सॉल्यूशन की उपलब्धता की घोषणा की थी। इस अनाउंसमेंट के बाद शुक्रवार को सुबेक्स के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 20 पर्सेंट चढ़कर 33.94 रुपये पर पहुंच गए थे। कंपनी के शेयर पिछले 2 दिन में 28.13 रुपये से बढ़कर 37.35 रुपये के स्तर पर पहुंच गए हैं। सुबेक्स के शेयर 13 जुलाई 2023 को बीएसई में 28.13 रुपये पर बंद हुए थे। सुबेक्स लिमिटेड के शेयरों में पिछले 3 साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर 17 जुलाई 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 7.91 रुपये पर थे। सुबेक्स लिमिटेड के शेयर 17 जुलाई 2023 को बीएसई में 37.35 रुपये के स्तर पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले 3 साल में 357 पर्सेंट का उछाल आया है। वहीं, पिछले 5 साल में सुबेक्स लिमिटेड के शेयर बीएसई में 556 पर्सेंट चढ़ गए हैं। सुबेक्स लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 48.24 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 25 रुपये है।

आलिया भट्ट के चाइल्डवियर ब्रांड को खरीदने की तैयारी में रिलायंस ब्रांड्स, 300-350 करोड़ रुपये में हो सकती है डील

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी एक और बड़ी डील करने की तैयारी में हैं। रिलायंस ब्रांड्स बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के चिल्ड्रेन वियर ब्रांड इद-ए-मम्मा को खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। यह डील 300-350 करोड़ रुपये में हो सकती है। दो इंडस्ट्री एग्जिक्यूटिव्स ने यह जानकारी दी है। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। रिलायंस ब्रांड्स, रिलायंस रिटेल वेंचर्स की सहायक इकाई है। रिलायंस ब्रांड्स और इद-ए-मम्मा के बीच बातचीत अंतिम चरण में है और अगले 7-10 दिन में एग्रीमेंट हो सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले इंडस्ट्री एग्जिक्यूटिव्स के हवाले से यह बात इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में कही गई है। अगर यह डील होती है तो इससे रिलायंस ब्रांड्स के किड्सवियर पोर्टफोलियो को मजबूती मिल सकती है। इद-ए-मम्मा की वैल्यू करीब 150 करोड़ रुपये आंकी गई है और यह मुख्य रूप से ऑनलाइन ही प्रॉडक्ट्स बेचती है। इद-ए-मम्मा की शुरुआत साल 2020 में हुई थी। कंपनी चिल्ड्रेन वियर, टीन्स वियर और मैटरनिटी वियर की मैन्युफैक्चरिंग और बिक्री करती है। कंपनी अपने प्रॉडक्ट्स ऑनलाइन, लाइफस्टाइल और शॉपर्स स्टॉप आउटलेट्स में बेचती है। ब्रांड्स की शुरुआत किड्सवियर के साथ हुई थी और कंपनी ने 4-12 साल के एज ग्रुप को टारगेट किया था। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने इन्फैंट्स के लिए भी क्लोदिंग लाइन लॉन्च की।

भारत में चीन और हॉन्गकॉन्ग से आ रहा 96 प्रतिशत लीथियम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने हाल में 30 क्रिटिकल मिनरल्स की एक लिस्ट बनाई है। इसमें ऐसे मेटल्स को शामिल किया गया है जो देश की इकनॉमिक ग्रोथ और नेशनल सिक्योरिटी के लिए अहम हैं। इनमें लीथियम भी शामिल है जिसे नए जमाने को गोल्ड कहा जाता है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वीकल्स की बैटरी, मोबाइल फोन, लैपटॉप, हाइड्रोजन फ्यूल स्टोरेज, एयर कंडीशनिंग सिस्टम्स और फार्मास्यूटिकल्स में होता है। देश में कई इंडस्ट्रीज इस एक मेटल पर निर्भर हैं लेकिन भारत में अब तक इसका एक किलो भी उत्पादन नहीं होता है। हाल में जम्मू एवं कश्मीर ने 59 लाख टन लीथियम का भंडार मिला है लेकिन इससे उत्पादन शुरू होने में अभी समय लगेगा। अभी भारत चीन और हॉन्ग कॉन्ग से लीथियम आयन का आयात करता है जिसका इस्तेमाल बैटरी में होता है।

2020-21 में भारत के लीथियम आयात में चीन की हिस्सेदारी 73 परसेंट थी। अगर हॉन्ग कॉन्ग को भी मिला दिया जाए तो यह 96 परसेंट बैठती है। लीथियम के अलावा कोबाल्ट, निकल, वैनेडियम, नियोबियम, जरमैनियम, रेनियम, टैंटालम और स्ट्रोनियम

जैसे क्रिटिकल मिनरल्स के लिए भी भारत पूरी तरह आयात पर निर्भर है। साथ ही कॉपर, गैलियम, ग्रेफाइट, फॉस्फोरस, पोटाश, टिन, टाइटैनियम और टंगस्टन जैसे मेटल्स भी भारत इम्पोर्ट करता है। इनका इकनॉमिक अहमियत बहुत ज्यादा है लेकिन इनके साथ सप्लाई का रिस्क भी जुड़ा है। निजी कंपनियों ने सरकार की पहल का स्वागत किया है लेकिन उनका कहना है कि इसके लिए एक स्पष्ट नीति की जरूरत है।

क्या चाहती है इंडस्ट्री

इनमें से कुछ मेटल्स की डिमांड में भारी तेजी आने की उम्मीद है लेकिन सप्लाई चेन में मामूली बाधा बहुत भारी पड़ सकती है। इससे हाई-टेक इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलिकम्युनिकेशंस, ट्रांसपोर्ट और डिफेंस इंडस्ट्रीज प्रभावित हो सकती है। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक लीथियम की डिमांड में 2020 से 2040 के बीच 42 गुना और कोबाल्ट की डिमांड में 25 गुना तेजी आने की उम्मीद है। इलेक्ट्रिक टू वीलर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी के सीईओ तरुण मेहता ने कहा कि सरकार ने सप्लाई चेन में रिस्क कम करने के लिए पहला कदम उठाया है। मेटल्स की माइनिंग और रिफाइनिंग के लिए इंडस्ट्रीज को इन्सेंटिव देना चाहिए।

दुनिया में कोबाल्ट, कॉपर, ग्रेफाइट, लीथियम, मैगनीज, निकल और रेयर अर्थ एलिमेंट का कम से कम 55 परसेंट भंडार 15 देशों के पास है। इनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चिली, चीन, कॉन्गो, गैबन, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मोजाम्बिक, न्यू कैलेडोनिया, पेरू, फिलीपींस, रूस, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका शामिल हैं। इनमें से हर मिनरल की नए जमाने की इंडस्ट्रीज में काफी अहमियत है। भारत के पास इसमें से कोई भी मिनरल नहीं है। ऐसे में भारत को नए डिपॉजिट्स खोजने होंगे या विदेशों से गारंटीड सप्लाई सुनिश्चित करनी होगी। इकनॉमिस्ट प्रवण सेन का कहना है कि भारत को कुछ क्रिटिकल मटीरियल्स का भंडार बनाना चाहिए। सरकारी और इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक 2030 तक भारत के ईवी मार्केट के एक करोड़ यूनिट के पार पहुंचने का अनुमान है। 2022 में यह 10 लाख यूनिट था। लेकिन यह तभी संभव होगा जब सप्लाई में कोई बड़ी अड़चन न आए। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स में लीथियम की अहम भूमिका है। लीथियम की आसान और किफायती उपलब्धता से स्टोरेज बैटरीज की कीमत में भी कमी आएगी। इलेक्ट्रिक वीकल की कुल कीमत में 60 फीसदी हिस्सा बैटरी का ही होता है। इसी तरह देश में कॉपर और निकल की रिफाइनिंग से वीकल की कीमत में 15,000 से 20,000 रुपये की कमी हो सकती है।

कोबाल्ट का इस्तेमाल बैटरी के इलेक्ट्रोड्स, टरबाइन इंजन कंपोनेंट्स और ऑटोमोबाइल एयरबैग्स में होता है। इसी तरह निकल की सोलर पैनल, बैटरीज, एयरोस्पेस और डिफेंस एप्लिकेशन तथा ईवी में अहम भूमिका है। भारत इन दोनों का आयात करता है। इन मिनरल्स की प्रोसेसिंग में चीन का दबदबा है। यूरोप भी अब तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। दुनिया में 70 परसेंट कोबाल्ट का उत्पादन कॉन्गो में होता है।

टाटा का शेयर कराएगा मुनाफा! हर शेयर पर हो सकता 400 का फायदा, एक्सपर्ट बोले- खरीद लो

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आप टाटा ग्रुप के एक शेयर पर फोकस कर सकते हैं। यह शेयर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस का है। टीसीएस के शेयरों पर मार्केट एक्सपर्ट बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। टीसीएस के शेयर आने वाले दिनों में 3915 रुपये तक जा सकते हैं। वर्तमान में इसकी कीमत 3,509 रुपये है। यानी अभी दांव लगाने से हर शेयर पर 400 रुपये तक का मुनाफा हो सकता है।

ब्रोकरेज ने क्या कहा

ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, टीसीएस वर्तमान में आय पर 26.5×/23.1× के पी/इ गुणक के साथ वैल्यूएशन पर कारोबार कर रहा है। लगातार ग्लोबल मैक्रो अनिश्चितताओं के बावजूद, टीसीएस इंडस्ट्री प्रमुख विकास/मार्जिन प्रदान करने और बेहतर रिटर्न रेशियो प्रदर्शित

करने के लिए अपने आकार, स्थिर बाजार नेतृत्व की स्थिति, सर्वोत्तम परिसंपत्ति वर्ग निष्पादन और ऑर्डर बुक (विशेष रूप से लंबी अवधि के अनुबंधों के लिए एक्सपोजर) के साथ अच्छी स्थिति में है। इसलिए हमने अपने टारगेट प्राइस को 3,915 रुपये (पहले टारगेट प्राइस 3,888 रुपये था) के रूप में बदल दिया है। यह वित्त वर्ष 25 के लिए 27.0× के पी/ई गुणक के साथ 145.0 रुपये के अनुमानित ईपीएस के साथ है, जो कि सीएमपी से 16.7 प्रतिशत अधिक है। ऐसे में हम स्टॉक के लिए अपनी बाय रेटिंग बनाए रखते हैं।

कंपनी के तिमाही नतीजे

क्यू1एफवय24 के लिए टीसीएस का राजस्व 5,27,580 मिलियन रुपये के मुकाबले 5,93,810 मिलियन रुपये रहा, जो कि सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत की तेजी रही और क्यूओक्यू आधार पर 5,91,620 मिलियन रुपये से 0.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि रही। डॉलर के संदर्भ में राजस्व 6780 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7226 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। 1,21,860 मिलियन रुपये के मुकाबले 1,37,550 मिलियन रुपये रही, जो सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत का सुधार दर्शाता है और क्यूओक्यू आधार पर 1,44,800 मिलियन रुपए से 5.0 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। ऑपरेटिंग मार्जिन में सालाना आधार पर 6 बीपीएस का सुधार देखा गया और क्यूओक्यू आधार पर 132 बीपीएस की गिरावट आई। क्यू1एफवाय24 के लिए लाभ में सालाना आधार पर 16.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि क्यू1एफवाय23 में 95,190 मिलियन रुपये के मुकाबले 1,11,200 मिलियन रुपये हो गया और 1,14,360 मिलियन रुपये से 2.8 प्रतिशत कम हो गया।

चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 6.3 प्रतिशत, विश्लेषकों के अनुमान से कम

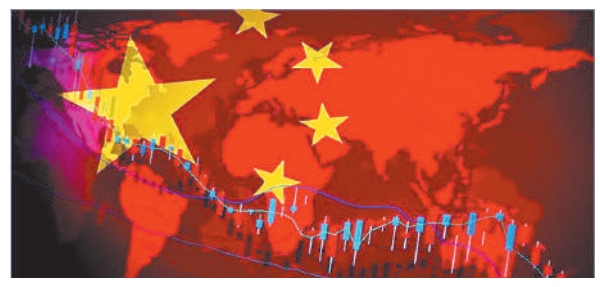

हांगकांग, एजेंसी। चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर अप्रैल-जून की दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम यानी 6.3 प्रतिशत रही है। विश्लेषकों का अनुमान था कि पिछले साल की समान अवधि में वृद्धि की सुस्त रफ्तार की वजह से चालू अप्रैल-जून तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था अधिक तेज गति से बढ़ेगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की रफ्तार आगामी महीनों में और घटने की आशंका है। इसकी वजह चीन में उपभोक्ता मांग का कमजोर होना और अन्य अर्थव्यवस्थाओं में चीनी निर्यात की मांग घटना है।

सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अप्रैल-जून में 6.3 प्रतिशत रही है। इससे पिछली तिमाही में चीन की वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही थी। हालांकि, विश्लेषकों का अनुमान था कि जून तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड का बढ़ा आकर्षण, जून तिमाही में निवेशकों ने लगाए 11,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेशक अब बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) की तुलना में छोटी कंपनियों (स्मॉल-कैप) में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड को तरजीह दे रहे हैं और उन्होंने अप्रैल-जून तिमाही में इन योजनाओं में करीब 11,000 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। विश्लेषकों ने बताया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि कोष प्रबंधक बड़ी कंपनियों में पैसे लगाकर बेहतरीन परिणाम नहीं दे सके और ये रुझान

आगे भी कुछ समय तक बने रहने का अनुमान है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से पता चलता है कि लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड से समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 3,360 करोड़ रुपए की निकासी हुई। जून तिमाही से पहले मार्च तिमाही में स्मॉल-कैप कोषों में 6,932 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। क्लाइंट एसोसिएट्स के सह-संस्थापक हिमांशु कोहली ने कहा, ''पिछले कुछ महीनों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों में मजबूत तेजी आई है और इसकी वजह यह है कि लार्ज-कैप क्षेत्र में बेहतरीन नतीजे देना मुश्किल हो रहा है। स्मॉलकैप कोषों में भारी निवेश की यह एक वजह हो सकती है। उन्होंने कहा कि इन कोषों में भारी निवेश ने कोष प्रबंधकों को अपने शेयरों के चयन में अधिक सतर्क कर दिया है, क्योंकि इनका मूल्यांकन बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा बाजार में हमेशा होता है, क्योंकि कोष मैनेजर हमेशा अच्छी कीमत पर शेयरों की तलाश करते हैं। आनंद राठी वेल्थ के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिरोज अजीज ने कहा कि निवेशक स्मॉल-कैप को इसलिए प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि उनमें जोखिम मिड-कैप के समान ही है, लेकिन रिटर्न या प्रतिफल की क्षमता अधिक है। म्यूचुअल फंड क्षेत्र में स्मॉल-कैप श्रेणी ने एक साल में 30-37 प्रतिशत, तीन साल में 40-44 प्रतिशत और पांच साल में 18-21 प्रतिशत की सालाना की दर से बेहतरीन रिटर्न दिया है।

टमाटर बेचकर किसान ने 2.8 करोड़ से अधिक कमाया, फुटकर रेट 250 किलो

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में टमाटर की कीमतों से हलकान आम पब्लिक के बीच एक किसान ने 2.8 करोड़ से अधिक कमा लिया। अभी उसका लक्ष्य 3.50 करोड़ रुपये कमाने का है। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के पुणे जिले के उस किसान की, जिसने देश भर में टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच टमाटर बेचकर 2.8 करोड़ से अधिक की कमाई का दावा किया है।

शुरुआत में टमाटर के लिए लगभग 30 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत का अनुमान लगाते हुए, गायकर की किस्मत इस सीजन में काफी बदल गई, जिसके परिणामस्वरूप बंपर फसल हुई और बेहतर रिटर्न मिला। ईश्वर गायकर ने अपनी प प्रतिशती के साथ टमाटर बेचकर 3.5 करोड़ रुपये कमाने का का लक्ष्य है। क्योंकि, उनके खेत में अभी भी लगभग 4000 क्रेट टमाटर उपलब्ध हैं। ईश्वर गायकर ने कहा, यह कुछ ऐसा नहीं है जो मैंने एक दिन में कमाया है। मैं पिछले छह-सात वर्षों से अपने 12 एकड़ खेत में टमाटर की खेती कर रहा हूं। मुझे कई बार घाटा भी हुआ है, लेकिन मैंने अपनी उम्मीदें

कभी नहीं छोड़ीं। साल 2021 में मुझे 18 से 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ, लेकिन मैं रुका नहीं।

770 से लेकर 2311 प्रति क्रेट के भाव पर बेचे

गायकर ने इस साल 12 एकड़ जमीन पर टमाटर की खेती की और पहले ही लगभग 17,000 क्रेट टमाटर 770 से लेकर 2311 प्रति क्रेट के भाव पर बेच चुके हैं। इससे उन्हें अब तक 2.8 करोड़ की कमाई हुई है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 3000 से 4000 क्रेट्स का स्टॉक अभी भी बचा हुआ है, जिससे उनकी कुल कमाई लगभग 3.5 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

कड़ी मेहनत का नतीज

ईश्वर अपनी सफलता का श्रेय अपनी प प्रतिशती, जो उसके साथ खेत में काम करती है और अपने माता-पिता और दादा-दादी के प्रोत्साहन को देते हैं। 2005 से खेती कर रहे ईश्वर गायकर को यह पेशा अपने पिता से विरासत में मिला। उन्होंने और उनकी प प्रतिशती ने 2017 से मजदूरों की सहायता से अपनी खेती को एक एकड़ से बढ़ाकर 12 एकड़ तक बढ़ा दिया। टमाटर के अलावा मौसम के अनुसार प्याज और फूल भी उगाते हैं।

भारत में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए गोदरेज एंड बॉयस को मिला सीआईआई ग्रीनको चैंपियन पुरस्कार

कंपनी की अप्लायंसेज बिजनेस यूनिट है सीआईआई ग्रीनको प्लैटिनम प्लस रेटिंग हासिल करने वाला भारत का पहला ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज समूह की प्रमुख कंपनी गोदरेज एंड बॉयस को भारत में उद्योगों के बीच ग्रीन कंपनी मूवमेंट का नेतृत्व करने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा हाल ही में प्रतिष्ठित श्ग्रीनको चैंपियन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। पद्म विभूषण से सम्मानित डा आर ए माशेलकर ने कंपनी को यह पुरस्कार प्रदान किया। गोदरेज एंड बॉयस के साथ तीन और कंपनियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। गोदरेज एंड बॉयस के तीन उद्यमोंए गोदरेज एप्लायंसेसए गोदरेज लॉकिम और गोदरेज स्टोरेज सॉल्यूशंस को उनकी हरित विनिर्माण गतिविधियों के लिए 11 पुरस्कार हासिल हुए हैं। गोदरेज एप्लायंसेस के मोहाली और शिरवाल संयंत्रों और गोदरेज लॉकिम मोटर्स को प्लैटिनम प्लस प्रमाणन प्राप्त हुआ है और लैंडफिल और वाटर पॉजिटिविटी के लिए शून्य अपशिष्ट के लिए भी सम्मान प्राप्त हुआ है। गोदरेज स्टोरेज सॉल्यूशंस को ग्रीनको सिल्वर सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया है।

जुरवन मारोलिया सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गोदरेज एंड बॉयस ने कहाए हम ग्रीनको चैंपियन अवार्ड के साथ प्रतिष्ठित भारतीय उद्योग परिसंघ ग्रीन बिजनेस सेंटर द्वारा सम्मान प्राप्त होने पर अविश्वसनीय रूप से गर्व महसूस कर रहे हैं। यह सम्मान गोदरेज एंड बॉयस द्वारा पर्यावरणीय रूप

से जिम्मेदार विनिर्माण प्रक्रियाओं को अपनाने की दिशा में किए गए निरंतर और सचेत प्रयासों को प्रमाणित करता है। स्थिरता और जिम्मेदारी का हमारा दर्शन एक मुख्य सिद्धांत है जो शुरू से ही हमारे संगठनात्मक डीएनए में गहराई से निहित है। हमें पूर्ण विश्वास है कि ईमानदार निर्माताओं के रूप मेंए दुनियाभर में टिकाऊ विनिर्माण प्रथाओं की दिशा में नेतृत्व करने के लिए हमारे पास जनादेश है। हमारी ग्रीनको प्लैटिनम प्लस रेटिंग इसके लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैए जो जिम्मेदार उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने के लिए हमारे समर्पित प्रयासों को दर्शाता है।

प्लैटिनम प्लसए जो सीआईआई.जीबीसी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाणन विश्व स्तर का उच्चतम सम्मान हैए ऊर्जा दक्षताए जल संरक्षणए नवीकरणीय ऊर्जा जीएचजी उत्सर्जन में कमीए अपशिष्ट सामग्री, सामग्री संरक्षण और रीसाइक्लिंग और पुनर्चक्रणीयता हरित आपूर्ति श्रृंखलाए उत्पाद प्रबंधन और जीवन चक्र मूल्यांकनए हरित बुनियादी ढांचा और पारिस्थितिकीए और पर्यावरण के लिए नवाचार सहित कई मापदंडों में कंपनी की दक्षता का मूल्यांकन करता है। रेटिंग सिस्टम कंपनियों के पर्यावरणीय प्रयासों का मूल्यांकन करने के लिए इन मापदंडों का उपयोग करता है और विशिष्ट ऊर्जा खपत को कम करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ उन्हें मूल्यांकन के आधार पर रेटिंग प्रदान की जाती है। आगामी सभी जीएंडबी विनिर्माण सुविधाओं को श्ग्रीन बिल्डिंगसध्फैक्टरीजश् के सिद्धांतों पर डिजाइन किया गया है।

गोदरेज एंड बॉयस की इकाई गोदरेज एप्लायंसेसए 2019 में ग्रीनको प्लैटिनम प्लस रेटिंग प्राप्त करने वाला भारत का पहला ब्रांड बना था। भारत में सीएफसीए एचएफसी और एचसीएफसी9 से मुक्त रेफ्रिजरेटर पेश करने वाली यह पहली कंपनी है। ग्रीनको मान्यता व्यवसायों को भविष्य के पर्यावरणीय नियमों के लिए तैयार करती है और हितधारक पारदर्शिता को बढ़ाती है। यह टीमों के बीच क्षमता निर्माण को बढ़ावा भी देता हैए समकक्षों और प्रतिस्पर्धियों के खिलाफ एक बेंचमार्क प्रदान करता है। हरित प्रदर्शन की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप मेंए यह प्रमाणन स्थायी व्यापार विकास और नवाचार के लिए एक दीर्घकालिक मार्ग प्रशस्त करता है।

अमेरिकी ओपन की हार ने मुझ पर काफी भावनात्मक प्रभाव डाला: सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार ने पीवी सिंधु पर 'काफी भावनात्मक प्रभाव' छोड़ा है लेकिन भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी की नजरें सत्र का अंत शानदार तरीके से करने पर टिकी हैं। टखने में स्ट्रेस फ्रेक्चर कारण पांच महीने बाद वापसी करने पर सिंधु मौजूदा सत्र में रंग में नजर नहीं आई हैं। आधे से अधिक साल बीतने के बावजूद पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को अब भी इस सत्र में अपने पहले खिताब का इंतजार है।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु अमेरिकी ओपन में चीन की गाओ फांग जी के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। सिंधु ने ट्वीट किया, ''इस हार ने मुझ पर काफी भावनात्मक प्रभाव छोड़ा है, खासकर मेरे लिए चुनौतीपूर्ण वर्ष को देखते हुए। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक सफल टूर्नामेंट के बाद निराशाजनक हार का अनुभव करना दिल तोड़ने वाला है। हालांकि मैं अपनी भावनाओं का इस्तेमाल अपने प्रयासों को दोगुना करने और बाकी बचे साल को उल्लेखनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

सिंधु फरवरी में दोहा में बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत की कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थी लेकिन इस साल विश्व टूर पर कुछ प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पाई। इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अप्रैल में मैड्रिड मास्टर्स सुपर 300 प्रतियोगिता में रजत पदक जीतना रहा। सिंधु इस महीने की शुरुआत में कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं और अच्छी लय में दिख रही थीं लेकिन दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से हार गई।

उन्होंने लिखा, 'अमेरिकी ओपन में मेरा सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हुआ जहां मेरा सामना प्रतिभावान गाओ फांग जी से हुआ। पहले उसे कनाडा में हराने के बावजूद उसने मेरी कमजोरियों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए इस बार मुझे सीधे गेम में हरा दिया। सिंधु ने लिखा, 'पूरी तरह से तैयार रहने और प्रभावशाली प्रदर्शन करने के लिए मुझे उसकी सराहना करनी चाहिए। अगली बार जब मैं गाओ आपका सामना करूंगी तो कड़ी टक्कर होनी चाहिए।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने हमवतन लक्ष्य सेन की भी सराहना की जो कनाडा ओपन जीतने से पहले नाक की सर्जरी के प्रभाव के कारण मौजूदा सत्र में संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैं लक्ष्य के लिए अपनी वास्तविक खुशी व्यक्त करना चाहती हूं जो कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन कर रहा है। उसके मजबूत प्रदर्शन को देखना वास्तव में प्रेरणादायक रहा है। सिंधु अब इस सप्ताह यिओसु में कोरिया ओपन सुपर 500 में हिस्सा लेंगी।

एशेज 2023: चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने किया प्लेइंग 11 का ऐलान

अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की वापसी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज चल रही है और मेजबान टीम (इंग्लैंड) ने चौथे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को टीम में वापस बुलाया गया है। मैच बुधवार 19 जुलाई से एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। एंडरसन को हेडिंग्ले में तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड की जीत के दौरान ब्रेक दिया गया था, जहां उन्होंने श्रृंखला के पहले दो मैचों में 75.33 की औसत से तीन विकेट लिए थे। वह इंग्लैंड के लाइनअप में एकमात्र बदलाव के रूप में ओली रॉबिन्सन की जगह लेंगे। एंडरसन की वापसी के अलावा हेडिंग्ले टेस्ट में खेलने वाली टीम में एक और उल्लेखनीय बदलाव हुआ है। मोईन अली को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए चुना गया है। लीड्स में पहली पारी में मोईन ने नंबर 7 पर बल्लेबाजी की, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने क्रम में ऊपर जाने का अनुरोध किया जिससे हैरी ब्रूक को अपना पसंदीदा नंबर 5 हासिल करने का मौका मिला। मोईन ने कोई खास योगदान नहीं दिया और अपनी नई भूमिका में केवल 5 रन बनाए। हालांकि ब्रूक के 75 रनों ने बदलाव को सही ठहराया। इंग्लैंड ने उसी बल्लेबाजी क्रम को बनाए रखा है, बेन स्टोक्स नंबर 6 पर आते हैं, और जॉनी बेयरस्टो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपिंग कर्तव्यों को पूरा करते हैं। हेडिंग्ले टेस्ट से पहले इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने एंडरसन को मैनचेस्टर टेस्ट में शामिल करने का संकेत देते हुए कहा था कि एंडरसन को अगले हफ्ते ओल्ड ट्रैफर्ड में जेम्स एंडरसन एंड से गेंदबाजी करने के लिए आराम करने और खुद को तैयार करने का मौका दिया जाएगा।

इंग्लैंड - बेन डकेट, जैक क्रॉली, मोइन अली, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जोनाथन बेयरस्टो, क्रिस वोक्स, मार्क वुड, स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन।

अल्काराज ने तोड़ा जोकोविच का तिलिस्म

23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराकर जीता विंबलडन का खिताब

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत के युवराज कार्लोस अल्काराज ने रविवार को विंबलडन 2023 का खिताब जीतकर आखिरकार सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच का तिलिस्म तोड़ दिया। स्पेन के 20 वर्षीय अल्काराज़ ने पिछले पांच विंबलडन जीतने वाले जोकोविच को सांस रोक देने वाले फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद 1-6, 7-6 (8-6), 6-1, 3-6, 6-4 से मात दी।

जोकोविच पिछले एक दशक में ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब के सेंटर कोर्ट पर एक भी मैच नहीं हारे थे। यहां तक कि विंबलडन में पहला सेट जीतने के बाद जोकोविच कोई मैच नहीं हारे थे, लेकिन अल्काराज ने सभी आंकड़ों को धता बताकर 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन से जीत छीन ली।

इस हार के बाद जोकोविच को 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए साल के आखिरी बड़े आयोजन अमेरिकी ओपन 2023 का इंतजार करना होगा। जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के रूप में साल के शुरुआती दो ग्रैंड स्लैम आयोजन जीतकर लंदन आए थे, लेकिन अल्काराज की इस जीत ने सर्बियाई खिलाड़ी से एक वर्ष में चारों ग्रैंड स्लैम जीतने का अवसर छीन लिया है।

यह स्पेन के दिग्गज राफेल नडाल के उत्तराधिकारी कहे जाने वाले अल्काराज़ का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने अमेरिकी ओपन 2022 में भी चैंपियन का ताज अपने सिर सजाया था।

सीह सू-वेई और स्ट्राइकोवा ने महिला युगल वर्ग में जीता विंबलडन का खिताब

यूएस (एजेंसी)। ताइवान की सीह सू-वेई और चेक गणराज्य की बारबरा स्ट्राइकोवा ने रविवार को यहां बेल्जियम की एलिस मर्टेन्स और ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर को हराकर दूसरी बार विंबलडन का महिला युगल खिताब जीता। सू-वेई और स्ट्राइकोवा की जोड़ी ने फाइनल में बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को सीधे सेट में 7-5, 6-4 से हराया। सू-वेई ने बैकहैंड से दूसरा मैच प्वाइंट जीता जिससे 2019 की विंबलडन चैंपियनशिप जोड़ी ने विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़कर खिताब अपने नाम किया। स्ट्राइकोवा ने अपने बेटे के जन्म के बाद संन्यास से वापसी की है और उन्हें लगता है कि यह उनका आखिरी विंबलडन टूर्नामेंट है। स्ट्राइकोवा ने कहा, 'मैं इससे बेहतर अंत की उम्मीद नहीं कर सकती थी। पिछले साल मैंने सू-वेई को एसएमएस किया था कि एक साथ विंबलडन 2023 खेलने का प्रयास करते हैं। अब कोई कोविड नहीं है। उसने कहा कि हां ऐसा करते हैं। मजे करते हैं। अब हम ट्रॉफी के साथ खड़े हैं।

साबले ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

सिलेसिया (एजेंसी)। अविनाश साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में रविवार को सिलेसिया डायमंड लीग मीट में छठे स्थान पर रहने के बाद 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया राष्ट्रीय चैंपियन साबले ने आठ मिनट 11-63 सेकंड का समय लिया, जो उनके राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय आठ मिनट 11.20 सेकंड से थोड़ा अधिक है।

उन्होंने हालांकि पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग मार्क आठ मिनट 15 सेकंड को काफी अंतर से पीछे छोड़ दिया। साबले के अलावा 20 किमी पैदल चाल पुरुषों की स्पर्धा में अक्षदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट और महिलाओं की स्पर्धा में प्रियंका गोस्वामी भी पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का कर चुके है। लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर ने भी इन खेलों का क्वालिफिकेशन हासिल कर लिया है। साबले पहले ही हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैंपियनशिप (19-27 अगस्त) के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

'उनके सामने मेरी बोलती बंद हो जाती है',

चहल ने धोनी के साथ अपने रिश्ते पर किया खुलासा

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कहा कि वह अक्सर पूर्व कप्तान एमएस धोनी को लेकर चुप रहते हैं। अनुभवी लेग्गी ने महान क्रिकेटर धोनी के साथ अपने रिश्तों के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे वह धोनी के बारे में चुप रहना पसंद करते हैं।

चहल ने 'द रणवीर शो' में बताया, वह (एमएस धोनी) एकमात्र व्यक्ति हैं, जिनके सामने आते ही मेरी बोलती बंद हो जाती है। मैं चाहे किसी भी तरह के मूड में हो, ज्यादा नहीं बोलता हूं। मैं बस शांत बैठता हूं और तभी जवाब देता हूं जब माही भाई कुछ पूछते हैं। अन्यथा, मैं चुप रहता हूं।

चहल ने 72 वनडे और 75 टी20आई में भाग लिया है और क्रमशः 121 और 91 विकेट लिए हैं। गौरतलब है कि 32 वर्षीय खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं, जिन्होंने 147 मैचों में 187 विकेट लिए हैं।

युजवेंद्र चहल ने उस पल को याद किया जब धोनी ने 'ऑफ डे' के दौरान उनका समर्थन किया था। चहल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टी20 मैच के दौरान एक अजीबोगरीब घटना को याद किया, जिसमें उनके चार ओवरों में 64 रन बने थे। हालांकि, मैदान पर एक 'ऑफ डे' से निपटने के बावजूद, चहल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह धोनी ही थे जिन्होंने उनका समर्थन किया था और पूर्व खिलाड़ी से कहा था कि वह खुद को संभालें और परेशान न हों। चहल ने कहा, हम सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टी20 मैच खेल रहे थे। पहली बार, मुझे चार ओवर में 64 रन दिए गए। हेनरिक क्लासेन मुझे पीट रहे थे, इसलिए उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या तुम राउंड द विकेट गेंदबाजी करोगे। मैंने कहा ठीक है, लेकिन फिर क्लासेन ने मुझे छक्का मारा। मैं वापस जा रहा था जब माही भाई मेरे पास आए और मुझसे कहा, आज तेरे दिन नहीं है, कोई बात नहीं। लेकिन उन्होंने मुझसे कहा कि मेरे पास जो पांच गेंदें बची हैं। मुझे कोशिश करनी चाहिए कि उन पर बाउंड्री नहीं लगानी चाहिए क्योंकि इससे टीम को मदद मिलेगी।

सहवाग को आउट करना सबसे आसान था

19 साल बाद बोला पाकिस्तान का पूर्व तेज गेंदबाज राणा नावेद-उल-हसन

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज राणा नावेद-उल-हसन ने भारत और पाकिस्तान के बीच प्रतिद्वंद्विता को याद करते हुए कहा है कि पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को आउट करना सबसे आसान था। नादिर अली पॉडकास्ट पर बोलते हुए नावेद-उल-हसन ने 2004/05 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने सहवाग से छुटकारा पाने के लिए अपरंपरागत रणनीति का इस्तेमाल किया था।

उन्होंने कहा, एक घटना बताता हूं। एक मैच था जहां सहवाग 85 रन पर खेल रहे थे। मैं 2004-05 सीरीज के बारे में बात कर रहा हूं जो हमने वहां जाकर जीती थी। मैं टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी था. सीरीज ऐसी थी कि हम 2-0 से पीछे चल रहे थे. यह सर्वश्रेष्ठ पांच श्रृंखला थी। सीरीज के तीसरे मैच में सहवाग धुआंधार बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने लगभग 300 रन बना लिए थे और सहवाग 85 रन के करीब थे। मैंने इंजी भाई से मुझे गेंद देने के लिए कहा। मैंने धीमी बाउंसर फेंकी।

उन्होंने कहा, मैं उसके पास गया और कहा तुम्हें नहीं पता कि कैसे खेलना है। अगर आप पाकिस्तान में होते तो मुझे नहीं लगता कि आप कभी अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह बना पाते। उसने मुझसे कुछ बातें वापस कहीं। वापस जाते समय मैंने इंज़ी भाई से कहा, अगली गेंद पर वह आउट होगा। वह हैरान था। मैंने बैक-ऑफ-द-हैंड धीमी गेंद फेंकी, और क्रोधित सहवाग ने इसे बड़ा हिट करने की कोशिश की, लेकिन आउट हो गया। विकेट इतना महत्वपूर्ण था कि हम वह मैच जीत जाते। ये तेज गेंदबाज की कुछ चालें हैं।

अंत में पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि भारतीय टीम में सहवाग को आउट करना सबसे आसान है, जबकि राहुल द्रविड़ को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल बल्लेबाज बताया। नावेद-उल-हसन ने कहा, सहवाग को आउट करना सबसे आसान था और राहुल द्रविड़ को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल था। नावेद-उल-हसन द्वारा सहवाग को आउट करने के बावजूद पाकिस्तान 58 रन से चूक गया और विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ मैच हार गया।

शाहीन अफरीदी ने सिर पर मारी थी गेंद

श्रीलंकाई खिलाड़ी धनंजय डिसिल्वा ने दिखाई पाकिस्तान को औकात बनाए 122 रन

गॉल (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों नसीम शाह और शाहीन अफरीदी ने मिलकर 6 विकेट चटकाए, लेकिन श्रीलंका धनंजय डिसिल्वा (122) के 10वें शतक से पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन सोमवार को लंच तक पहली पारी में 312 रन बनाने में सफल रहा। घुटने की चोट के कारण एक साल बाद वापसी कर रहे अफरीदी ने 86 जबकि नसीम ने 90 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए। दूसरी ओर, पहली पारी में बैटिंग करने उतरी पाकिस्तानी टीम के लिए प्रबात जयसूर्या भूखे भेड़िए की तरह टूट पड़े। टी-ब्रेक तक उसके 132 रनों पर 5 विकेट गिर चुके हैं, जबकि 3 विकेट जयसूर्या के नाम हैं।

प्रबात जयसूर्या ने कमाल की बॉलिंग की और कप्तान बाबर आजम को 5 पारियों में चौथी बार अपना शिकार बनाया। इस बाएं हाथ के स्पिनर ने पहला शिकार अब्दुल्लाह शफीक को बनाया। वह 19 रन पर आउट हुए, जबकि कप्तान बाबर आजम 13 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद पूर्व कप्तान सरफराज अहमद की पारी 17 रनों पर खत्म की। बड़ी रोचक बात यह है कि इस दौरान बार-बार कैमरे का रुख शाहीन अफरीदी की ओर होता रहा।दरअसल, श्रलंकी की पहली पारी के दौरान जब प्रबात बैटिंग करने उतरे तो शाहीन ने बाउंसरों से खूब परेशान किया। 85वें ओवर में उनकी एक तीखी बाउंसर प्रबात के सिर पर जाकर लगी।

रहाणे की वापसी पर बोले बल्लेबाजी कोच राठौड़- हमें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उनकी जरूरत

रोसेयु (डोमिनिका) (एजेंसी)। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ का मानना है कि आश्वस्त होकर खेलना अजिंक्य रहाणे की वापसी का अहम पहलू रहा है और भारतीय टीम को उम्मीद है कि वह इस साल होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान अपनी फॉर्म बरकरार रखेंगे।

पिछले महीने लंदन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारत की हार के दौरान रहाणे की 89 और 46 रन की पारियां भारत के लिए एकमात्र सकारात्मक पक्ष रहा। यह रहाणे का 18 महीने में पहला टेस्ट था और इसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज के मौजूदा दौरे के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया। यह 35 वर्षीय बल्लेबाज हालांकि यहां पहले टेस्ट में सस्ते में आउट हो गया और पोर्ट ऑफ स्पेन में 20 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेगा।

रहाणे की वापसी पर राठौड़ ने कहा, 'वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में काफी अच्छा खेला। वह हमेशा से अच्छा खिलाड़ी रहा है। उसे खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किया गया था। जब बात तकनीक की आती है तो आप लगातार इस पर काम करते हो लेकिन मेरे लिए महत्वपूर्ण यह है कि उसका रवैया काफी शांत था। उन्होंने कहा, 'वह देर से और शरीर के करीब शॉट खेल रहा है। वापसी के बाद से यह सबसे महत्वपूर्ण चीज रही है। वह नेट पर अब भी इसी तरह बल्लेबाजी कर रहा है। हमें उम्मीद है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। दक्षिण अफ्रीका के हालात में आपको जरूरत है कि उसकी तरह का कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करे।

भारत अपनी अगली टेस्ट श्रृंखला दिसंबर-जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में खेलेगा। राठौड़ अपने पहले टेस्ट में युवा यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित दिखे। जायसवाल ने 171 रन की पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी। उन्होंने कहा, ''मैं पहले चयनकर्ता भी रह चुका हूं इसलिए जब भी आप किसी खिलाड़ी को चुनें तो आपको उसे इस इरादे से चुनना चाहिए कि वह अगले 10 वर्षों तक भारत के लिए खेलेगा। उसमें निश्चित रूप से क्षमता है।

राठौड़ ने कहा, 'हालांकि मैंने यशस्वी के साथ पहले काम नहीं किया है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैंने उसे आईपीएल में रन बनाते हुए देखा था। आपने देखा होगा कि वह कितना गतिशील बल्लेबाज है। वह किस तरह का स्ट्रोक खेलने वाला खिलाड़ी है। लेकिन वह टीम की स्थिति के अनुसार खेल को बदलने में भी सफल रहा। भारत के बल्लेबाजी कोच ने कहा, 'दूसरे दिन उसने लंच से पहले 90 गेंदों पर लगभग 20 रन बनाए। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह पारी का मुख्य आकर्षण था। कोई ऐसा व्यक्ति जो ऐसा करने में सक्षम है, जो अपने चरित्र, अपने सामान्य खेल के विपरीत खेल सकता है, उस चरण से निकलना और फिर रन बनाना, यह देखना शानदार था।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद शुभमन गिल पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। लेकिन राठौड़ ने कहा कि गिल को अपने नए बल्लेबाजी क्रम में खुद को साबित करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। उन्होंने कहा, 'उसमें बहुत क्षमता है और वह अन्य प्रारूपों में भी उस क्षमता तक पहुंचा है। उसने टेस्ट क्रिकेट में भी रन बनाए हैं। कभी-कभी किसी विशिष्ट प्रारूप में थोड़ा समय लग सकता है और वह समय ले रहा है। उसके पास वह समय है। राठौड़ ने कहा, 'वह समय ले रहा है लेकिन अच्छी बात यह है कि उसकी मेहनत में कोई कमी नहीं है। वह चीजों पर काम कर रहा है। क्षमता के साथ-साथ उसके पास धैर्य भी है जो किसी को बड़ा खिलाड़ी बनाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह लंबे समय तक तीनों प्रारूप में खेलेगा।

आयरलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे राहुल द्रविड़, विक्रम राठौड़ कोच बनकर जाएंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। रोसेउ, डोमिनिका में पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक पारी और 141 रन से शानदार जीत के साथ भारत पटरी पर लौट आया। दूसरा और अंतिम टेस्ट 20 जुलाई से शुरू होगा। टेस्ट के बाद, भारत तीन मैचों की वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का सामना करेगा और पांच मैचों की टी20आई सीरीज के पूरा होने के बाद कैरेबियाई धरती से वापस आ जाएगा।

इसके बाद, मेन इन ब्लू तीन मैचों की टी20आई सीरीज खेलने के लिए आयरलैंड का दौरा करेगा। तीनों मैच 18, 20 और 23 अगस्त को डबलिन में खेले जाएंगे। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और उनके कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य, जिनमें बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ और गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे शामिल हैं, आयरलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के आयरलैंड में टीम की कमान संभालने की उम्मीद है। बल्लेबाजी कोच के रूप में उनके साथ सितांशु कोटक या हृषिकेश कानिटकर होंगे, जबकि गेंदबाजी कोच का काम ट्रॉय कूली या साईराज बहुतुले को सौंपे जाने की उम्मीद है। लक्ष्मण ने भारतीय टीम के स्टैंड-इन मुख्य कोच के रूप में कार्य किया था जब उन्होंने पिछली बार 2022 में आयरलैंड का दौरा किया था।

आयरलैंड सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह की वापसी की संभावना

आयरलैंड सीरीज में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी होने की उम्मीद है। यह एशिया कप, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले बुमराह के लिए अहम सीरीज रहेगी।

पूरी संभावना है कि हार्दिक पांड्या आयरलैंड में टीम का नेतृत्व करेंगे। श्रेयस अय्यर, जिन्होंने हाल ही में नेट्स पर बल्लेबाजी शुरू की है, यूरोपीय देश की यात्रा करने वाली टीम में हो सकते हैं। चोट से उबर रहे एक अन्य खिलाड़ी केएल राहुल आयरलैंड सीरीज के साथ-साथ एशिया कप के लिए भी दावेदार नहीं हैं क्योंकि उन्हें ठीक होने के लिए अभी कुछ और समय चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के बाढ़ प्रभावित 6 जिलों में स्कूल बंद रहेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार ने रविवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ प्रभावित छह जिलों में सभी सरकारी या निजी स्कूल सोमवार और मंगलवार को बंद रहेंगे। यह निर्णय शिक्षा निदेशालय द्वारा लिया गया। आदेश के अनुसार, यह निर्णय पूर्वी, उत्तरी-पूर्वी, उत्तरी-पश्चिमी-ए, उत्तरी, मध्य और दक्षिणी-पूर्वी जिलों के सभी संस्थानों पर लागू होता है। आदेश में यह भी कहा गया है कि जहां भी संभव हो, ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए। आदेश में कहा गया है, यमुना नदी की सीमा से लगे क्षेत्रों के स्कूलों में बाढ़ राहत शिविर जारी रहने की संभावना के मद्देनजर डीओई के प्रभावित जिलों - पूर्वी, उत्तरी-पूर्वी, उत्तरी-पश्चिमी-ए, उत्तरी, मध्य और दक्षिणी-पूर्वी में सभी स्कूल (सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त) 17 और 18 जुलाई 2023 (यानी सोमवार और मंगलवार) को छात्रों के लिए बंद रहेंगे। जहां भी संभव हो, स्कूल ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था कर सकते हैं। डीओई के उपरोक्त जिलों में स्थित सभी स्कूलों के प्रमुख माता-पिता को इस आशय की सूचना आज ही देनी होगी।इसने यह भी कहा कि शेष सात जिलों, यानी उत्तरी-पश्चिमी-बी, पश्चिमी-ए, पश्चिमी-बी, दक्षिणी, दक्षिणी-पश्चिमी-ए, दक्षिणी-पश्चिम-बी और नई दिल्ली में सभी श्रेणियों के सभी स्कूल सोमवार को खुले रहेंगे। ।इसमें कहा गया है कि इन सात जिलों में स्कूलों के प्रमुख अपने छात्रों की सुविधा के अनुसार फिजिकल मोड या हाइब्रिड मोड (यानी ऑफलाइन या ऑनलाइन) में स्कूल चलाने के लिए स्वतंत्र हैं। ऐसे स्कूलों के प्रमुखों को अपने निर्णय के बारे में अभिभावकों को पहले ही सूचित करना होगा।आदेश में कहा गया है, बुधवार से यानी 19 जुलाई से दिल्ली के सभी जिलों में स्कूल सामान्य रूप से काम करेंगे।

केजरीवाल ने किया आर्थिक मदद का ऐलान, बाढ़ प्रभावित परिवारों को मिलेंगे 10 हजार रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को घोषणा की कि उनकी सरकार बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को आर्थिक मदद के रूप में 10,000 रुपये देगी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि यमुना किनारे रहने वाले कई बेहद गरीब परिवारों का बाढ़ से काफ़ी नुक़सान हुआ है। कुछ परिवारों का तो पूरे घर का सामान बह गया। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार आर्थिक मदद के तौर पर हर बाढ़ पीड़ित परिवार को दस हज़ार रुपये प्रति परिवार देगी। जिनके कागजात जैसे आधार कार्ड वगैरह बह गए, उनके लिए स्पेशल कैंप लगाए जाएंगे। इसके अलावा सीएम ने कहा कि जिन बच्चों की ड्रेस और किताबें बह गई हैं, उन्हें स्कूलों की तरफ से ये दिलावाई जाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मोरी गेट राहत शिविर का दौरा कर बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया और उनसे बातचीत की। दिल्ली सरकार ने प्रभावित परिवारों की मदद के लिए स्थानीय स्कूलों में राहत शिविर स्थापित किए हैं। केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार ने बिजली, पानी, भोजन, शौचालय यानी लगभग सभी सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही प्रभावित परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा करेगी।

सांसद साहनी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के गांवों को राहत प्रदान की

चंडीगढ़, एजेंसी। सांसद और सन फाउंडेशन के अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह साहनी ने रविवार को पंजाब के पटियाला के दूधन सधन और पत्रन इलाकों में ग्रामीणों के बीच राहत सामग्री वितरित की। लोगों को लगातार बारिश से बचाव में मदद के लिए 500 से अधिक तिरपाल वितरित किए गए। उनके दफ्तर के द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सेप्टिक एलर्जी और अन्य जल-जनित बीमारियों को रोकने के लिए लोगों को डेटॉल और बीटाडीन जैसी दवाएं वितरित की गई हैं। जल जमाव के साथ मच्छरों का प्रजनन एक खतरा बन गया है और स्वास्थ्य प्रभावों को रोकने के लिए ग्रामीणों को आवश्यक दवाएं, मरहम और अन्य सामग्री प्रदान की गई। रिपोर्ट के अनुसार, साहनी ने मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चारा भी उपलब्ध कराया जो बाढ़ से अत्यधिक प्रभावित हैं। सन फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने पटियाला की उपायुक्त साक्षी साहनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम के साथ राहत सामग्री के वितरण के लिए सबसे अधिक प्रभावित दूरदराज के गांवों के अंदरूनी हिस्सों का दौरा किया। साहनी विस्थापित लोगों तक पहुंचने के लिए एक सप्ताह से अधिक समय से सक्रिय हैं। उन्होंने कहा है कि सन फाउंडेशन पंजाब को इस प्राकृतिक आपदा से बाहर निकालने और सामान्य स्थिति बहाल करने में मदद करने के लिए निरंतर समर्थन सुनिश्चित करता है।

नशे की लत के कारण इलेक्ट्रिक इंजीनियर बना चोर, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। नशे की लत को पूरी करने के लिए एक इलेक्ट्रिक इंजीनियर चोर बन गया। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। द्वारका के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि आरोपी की पहचान कंकड़बाग गांव निवासी सैमी उर्फ अभिषेक (27) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि 11 जुलाई को उत्तम नगर में चोरी की एक घटना सामने आई थी, इसमें शिकायतकर्ता ने कहा था कि उसका एप्पल मोबाइल फोन, डेल लैपटॉप, ईयरबड और एक बैग उसके घर से चोरी हो गया। पुलिस ने घटनास्थल के साथ-साथ आसपास के इलाकों और घटना के पहले या बाद में अपराधी द्वारा अपनाए गए रास्ते के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला। अधिकारी ने बताया, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने पर पता चला कि आरोपी ने बड़ी चतुराई से घर के मुख्य द्वार पर स्थापित इलेक्ट्रिक लॉकिंग सिस्टम को अक्षम कर दिया और वारदात को अंजाम दिया। अभिषेक के रूप में पहचाने गए आरोपी को एक गुप्त सूचना के बाद पकड़ लिया गया। आरोपी ने खुलासा किया कि उसने 2017 में पुणे से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान उसे स्मैक और गांजा की लत लग गई। इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद, उसने 2018 में एमबीए करने के लिए पुणे के एक कॉलेज में दाखिला लिया।लेकिन 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के कारण, वह अपना एमबीए पूरा नहीं कर सका और अपने गृहनगर लौट आया। इसके बाद आरोपी नोएडा चला गया और 2022 में तीन महीने के लिए टेक महिंद्रा में इंटर्नशिप की, इसके बाद वह अपने गृहनगर लौट आया। जून 2023 में, उसने एक और इंटर्नशिप शुरू की और दिल्ली के नवादा में किराए पर एक कमरा लिया, लेकिन स्मैक और गांजा की लत के कारण जल?द ही उसके पास पैसे खत्म हो गए। इसके बाद आरोपी ने चोरियां शुरू कर दी।

सीएम खट्टर ने दिल्ली में बाढ़ के लिए हरियाणा को जिम्मेदार ठहराने वाले नेताओं पर निशाना साधा

चंडीगढ़, एजेंसी।
मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को दिल्ली में बाढ़ जैसी स्थिति के लिए हरियाणा को जिम्मेदार ठहराने वाले नेताओं पर निशाना साधा है। सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि संकट के समय दोष देने का खेल खेलना अशिक्षित होने के सबूत के अलावा कुछ नहीं है। उन?होंने कहा कि हरियाणा में बाढ़ के कारण 30 लोगों की जान चली गई है।

सीएम खट्टर ने बताया, कुछ प्रमुख नेता यह दावा करते हुए तस्वीरें वायरल करके हरियाणा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा केवल इसलिए हुआ क्योंकि राज्य ने हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ा है जिस कारण उनके यहां बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। सीएम ने कहा कि इस तरह के बयान देना और कुछ नहीं बल्कि उनकी ओछी मानसिकता को दर्शाता है। मुझे लगता है कि अगर गलत जानकारी के कारण कोई पीएचडी डिग्री होगी तो इन लोगों को निश्चित रूप से वह मिल जाएगी।

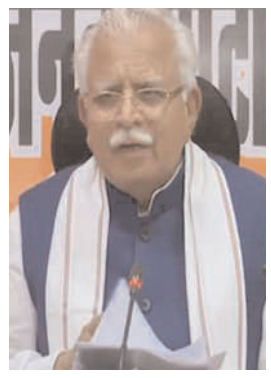

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण बनी बाढ़ जैसी स्थिति का सबसे पहले असर यमुनानगर जिले के गांवों पर ही पड़ा है। यमुना में जल स्तर बढ़ने से स्थिति इतनी खराब हो गई कि हमें जिले के दो गांव खाली कराने पड़े। इसके पीछे क्या तर्क है कि पहले हम अपने जिलों को डुबोएंगे और फिर दिल्ली को डुबोएंगे? हमें बदनाम करने से पहले इन लोगों को यह स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि हरियाणा में दिल्ली से ज्यादा यमुना से सटे जिले हैं। सीएम खट्टर ने आगे कहा कि यदि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न हुई तो हरियाणा अधिक प्रभावित होगा। ऐसे बयानों से हरियाणा की बदनामी नहीं होगी। हमारी अपनी पहचान है। हम हानि पहुंचाने में नहीं सेवा करने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि जब से नहरें और बांध बने हैं, एक लिखित नियम है जो कहता है कि हर बैराज की एक निश्चित क्षमता होती है और उस क्षमता से अधिक पानी को डायवर्ट कर दिया जाता है। सीएम ने समझाया कि लेकिन जब जल स्तर बढ़ता है तो नहरों का डायवर्जन रोक दिया जाता है क्योंकि अतिरिक्त जल प्रवाह प्रणाली को नुकसान पहुंचा सकता है। अगर इसे बंद रखा जाए तो सिस्टम सुरक्षित रहेगा। इसके बाद पानी का प्राकृतिक प्रवाह उसी दिशा में हो जायेगा। भाखड़ा में भी, यदि उफान होता है, तो पानी सतलुज जैसी नदियों में चला जाता है, भाखड़ा मुख्य नहर में नहीं। सीएम ने कहा कि हम पर आरोप लगाने से पहले दिल्ली को यह याद रखना चाहिए कि हरियाणा उसकी पानी की जरूरतें पूरी कर रहा है। हम न सिर्फ दिल्ली की पानी की जरूरत पूरी करते हैं बल्कि दिल्ली को उसके हिस्से से ज्यादा पानी दे रहे हैं। दिल्ली का हिस्सा 750 क्यूसेक है और आज भी हरियाणा दिल्ली को 1,070 क्यूसेक पानी देता है। कुल 320 क्यूसेक पानी अपने हिस्से से अधिक देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली को हरियाणा से अतिरिक्त पानी लेने के लिए भुगतान करने के निर्देश के बाद भी दिल्ली ने 320 क्यूसेक अतिरिक्त पानी लेने के लिए कभी भी कोई भुगतान नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आज एसवाईएल नहर बन जाती तो पंजाब को कम नुकसान होता। पंजाब से अतिरिक्त वर्षा जल हरियाणा में निर्मित एसवाईएल में बह गया, जिसके कारण अंबाला और कुरुक्षेत्र जिलों के क्षेत्र जलमग्न हो गए। अधूरे एसवाईएल के कारण ही ये दोनों जिले डूबे थे। लेकिन हमने पंजाब पर इस स्थिति के लिए कभी आरोप नहीं लगाया।

सचिन पायलट ने गुर्जरों को धोखा दिया, दिल्ली भाग गए थे; सांसद हनुमान बेनीवाल

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि सचिन पायलट ने गुर्जरों के साथ भी धोखा किया है। लड़ाई हर कोई नहीं लड़ सकता है। बेनीवाल ने बाड़मेर में कहा कि सचिन पायलट इस बयान के बाद मेरे से नाराज होंगे लेकिन सच्चाई यही है कि हनुमान बेनीवाल ने कहा कि सचिन पायलट से मेरी अच्छी दोस्ती थी लेकिन वे सड़कों पर नहीं बैठते। गुर्जर आंदोलन हुआ तो लोगों ने कहा कि कर्नल किरोड़ी बैंसला अलग अंदोलन करें। पायलट से लोगों ने कहा आप भी अंदोलन करो। आगे आए तो पकड़ लिया उनको। फिर सेंट्रल जेल गये तो उन्हें लगा कि मेरे लिए सोने के लिए गद्दे और एसी की व्यवस्था होगी तो उन्हें बैरेक में बिठा दिया।

सांसद बेनीवाल ने कहा कि सचिन पायलट से मेरी अच्छी दोस्ती थी। लेकिन वह कभी सड़कों पर नहीं गए। गुर्जर आंदोलन हुआ तब लोगों ने कहा कि सचिन पायलट को बीच आंदोलन में छोड़ दिया था। सड़कों पर लड़ाई किसी ने लड़ी है तो हनुमान बेनीवाल ने लड़ी है। मुख्यमंत्री से लेकर हार्डकोर अपराधियों से लड़ा। अब भी लड़ाई लड़ रहा हूं। युवाओं की लड़ाई (अग्निवीर) की अगुवाई राजस्थान का बेटा कर रहा है। गुर्जरों को सोया छोड़कर दिल्ली भाग गये पायलट साहब। मेरे से नाराज होंगे इस बयान के बाद। मैनें इसलिए ये बयान दे रहा हूं कि मैंने देखी है ये हालत। लड़ाई हर कोई नहीं लड़ सकता है। गुर्जर आंदोलन को लेकर सांसद हनुमान बेनीवाल का ये सचिन पायलट के खिलाफ ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गुर्जरों के हक में खड़े होने की बात को लेकर सचिन पायलट पर लगाये गंभीर आरोप का जबाव क्या आता है देखने वाली बात होगी। सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि 2019 में एनडीए के साथ गठबंधन किया था। राजस्थान में 24 लोकसभा सीटों पर बीजेपी और एक सीट पर आरएलपी ने चुनाव लड़ा था। बीजेपी ने उस समय मुझे एक-डेढ़ लाख वोट दिलाए थे। लेकिन मैंने बीजेपी को 30 लाख वोट दिलाए थे।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में फिर आसमान से आई आफत, बादल फटने से एक की मौत

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर आसमान से आफत आई है। कुल्लू में बादल फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि तीन घायल हो गए हैं। बादल सोमवार तड़के 3.55 पर कुल्लू के कयास गांव में फटा। घटना में कई वाहन बह गए जिससे सड़क अवरूद्ध (ब्लॉक) हो गई है। यह जानकारी राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र ने दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान कुल्लू के चंसारी गांव के निवासी बादल शर्मा के रूप में हुई है, घायलों में से दो की हालत गंभीर है।

डीएसपी मुख्यालय राजेश ठाकुर ने कहा कि सोमवार को बारिश से संबंधित घटना में तीन लोग घायल हुए हैं और नौ वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने आपातकालीन स्थिति पर तुरंत कार्रवाई की और सड़क पर बचाव कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वाली नाकाबंदी को हटाने के लिए मशीनरी तैनात की गई है। स्थानीय मौसम कार्यालय ने सोमवार को राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

पिछले हफ्ते जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में बारिश ने पहाड़ी राज्य में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। जिसमें बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं हुई हैं। इसमें अब तक 108 लोगों की जान जा चुकी है। उत्तर भारत के सभी प्रभावित राज्यों में से, हिमाचल प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र के अनुसार, 24 जून को मानसून की शुरुआत के बाद राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में अबतक 118 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य को 4,415 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

राज्य में बचाव अभियान के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की कुल 11 टीमों को बचाव नौकाओं और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया गया है।

जेपी नड्डा ने समझाई राजस्थान बीजेपी के नेताओं को अपनी बात, महत्वाकांक्षाओं पर खींची लक्ष्मण रेखा

जयपुर, एजेंसी।
बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनाव से पहले राजस्थान बीजेपी के नेताओं को इशारों में लेकिन सख्त लहजे में एक जाजम पर आने की नसीहत दी है। जेपी नड्डा ने विभिन्न धड़ों में बंटे बीजेपी नेताओं को सख्त संदेश दे दिया है? सूत्रों के अनुसार जेपी नड्डा ने साफ कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव जीतना उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए सभी मिलजुलकर काम करेंगे। दरअसल, जेपी नड्डा रविवार को एक दिवसीय दौरे के तय जयपुर आए थे। जेपी नड्डा ने नहीं सुहेगा राजस्थान शुभारंभ का शुभारंभ किया। सूत्रों के अनुनसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजधानी जयपुर के एक बड़े होटल में बीजेपी नेताओं के साथ मैराथन बैठक कर एक तरफ जहां नेताओं को सख्त संदेश दे दिया कि उन्हें गुटबाजी से दूर रहना ही होगा वही दूसरी तरफ कानून व्यवस्था जैसे कई अहम मुद्दों पर गहलोत सरकार को घेरने की रणनीति पर भी चर्चा की।

जयपुर दौरे पर आए जेपी नड्डा ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन?होंने कहा कि राजस्थान का चुनाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी को पूरी क्षमता के साथ जुटना होगा। महत्वाकांक्षाओं पर लक्ष्मण रेखा खींची। कहा, सबकी जिम्मेदारी तय होगी, काम मिलेगा। कुछ लोग चुनाव लड़ेंगे, कुछ लोग चुनाव

लड़वाएंगे। सबको मिलकर मिशन 2023 में जुटना होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का तर्क है कि ऐसा पहली बार नहीं है कि जेपी नड्डा ने राजस्थान को एकजुट रहने की सलाह दी हो। अमित शाह और जेपी नड्डा जब भी राजस्थान के दौरे पर आए है, केवल एकजुट होकर पार्टी के लिए काम करने की सलाह दी है। इस बार भी कुछ इसी तरह की बातें सामने आई है। अमित शाह के बाद नंबर दो की हैसियत रखने वाले बीएम संतोष भी पार्टी नेताओं की गुटबाजी से नाराज दिखे। हाल ही में सवाई माधोपुर में हुई बैठक में बीएल संतोष ने दो टूक कहा कि मिलकर चुनाव लड़ना है। गुटाबाजी से दूर रहना है। सियायी जानकारों का कहना है कि देखने वाली बात यह होगी कि इस बार इन दोनों नेताओं ने किस लहजे में राजस्थान के नेताओं को यह बात समझाई है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में विधानसभा चुनाव साल के अंत में होने है। इस बार के चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही बिना मुख्यमंत्री के चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने सीएम फेस घोषित नहीं करने का निर्णय लिया है। जबकि बीजेपी नेताओं का कहना है कि इस बार पीएम मोदी के चेहरे पर ही विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा।

भारतीय-अमेरिकी बिजनेस लीडर शमीना सिंह को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सौंपी जिम्मेदारी

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकी बिजनेस लीडर शमीना सिंह को राष्ट्रपति निर्यात परिषद के लिए नियुक्त किया है। बता दें कि यह परिषद अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संबंध में प्रमुख राष्ट्रीय सलाहकार समिति के रूप में कार्य करती है।

शमीना मास्टरकार्ड सेंटर फॉर इनक्लूसिव की संस्थापक और अध्यक्ष हैं। अपनी इस नियुक्ति पर सिंह ने खुशी जाहिर की और कहा कि वह राष्ट्रपति की निर्यात परिषद बनाने वाले सम्मानित नेताओं के समूह में शामिल होने पर सम्मानित महसूस कर रही हैं। व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार, 14 जुलाई को राष्ट्रपति बाइडेन ने सिंह के नाम की घोषणा की थी।

राष्ट्रपति की निर्यात परिषद अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रमुख राष्ट्रीय सलाहकार समिति के रूप में कार्य करती है। परिषद राष्ट्रपति को उन

सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में सलाह देती है जो अमेरिकी व्यापार प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं और निर्यात विस्तार को बढ़ावा देते हैं। साथ ही व्यापार, औद्योगिक, कृषि, श्रम और सरकारी क्षेत्रों के बीच व्यापार संबंधी समस्याओं पर चर्चा और समाधान के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। मास्टरकार्ड की वेबसाइट पर बयान में शमीना सिंह के हवाले से कहा, अपने करियर के शुरुआती दिनों से, मैं उस काम की ओर आकर्षित रही हूं जो अमेरिका और दुनिया भर में लोगों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए दीर्घकालिक और समावेशी समृद्धि बनाने में मदद करता है।सिंह मास्टरकार्ड में सस्टेनेबिलिटी के कार्यकारी उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य करती हैं और कंपनी की प्रबंधन समिति के सदस्य हैं। सिंह ने व्हाइट हाउस और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया है। सिंह एशियाई अमेरिकियों और प्रशांत द्वीपवासियों पर पहले राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग के कार्यकारी निदेशक थी। 2015 में, उन्हें राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा नियुक्त किया गया था और अमेरिकी सीनेट द्वारा बोर्ड में छह साल के कार्यकाल के लिए चुनी गई थी। उन्होंने दो वर्षों तक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। सिंह सार्वजनिक मुद्दों पर एड काउंसिल ऑफ अमेरिका की सलाहकार समिति के सह-अध्यक्ष हैं और एस्पेन इंस्टीट्यूट सिविल सोसाइटी फेलोशिप और न्यूयॉर्क डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज इनोवेशन के सलाहकार बोर्ड में कार्य करती हैं। शमीना सिंह ने हार्वर्ड, येल, स्टैनफोर्ड और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से पढ़ाई की है। उन्होंने ओल्ड डोमिनियन यूनिवर्सिटी से साइंस में ग्रेजुएशन और टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन के लिंडन बी. जॉनसन स्कूल ऑफ पब्लिक अफेयर्स से सार्वजनिक मामलों में पोस्ट ग्रेजुएट की उपाधि हासिल की।

जर्मनी में आयुर्वेद से हो रहा पार्किंसन बीमारी का इलाज

बर्लिन , एजेंसी।
जर्मनी में आयुर्वेदिक पद्धति से पार्किंसन (नसों से जुड़े रोग) की बीमारी का इलाज किया जा रहा है। जर्मनी के हैटिनगन शहर में पिछले 14 साल से प्रोटेस्टेंट अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग में आयुर्वेद का पूरक पद्धति के रूप में मरीजों के उपचार में इस्तेमाल होता है। एलोपैथी के साथ आयुर्वेद को शामिल करते हैं। अस्पताल की रिसर्च टीम के सदस्य डॉ. संदीप और डॉ. सुनील का कहना है कि आयुर्वेद पद्धति से पार्किंसन के रोगियों में सूंघने की शक्ति लौटने में काफी मदद मिलती है। आयुर्वेदिक पद्धति से पार्किंसन के उपचार के अन्य फायदों पर विस्तृत रिसर्च अभी जारी है।

पार्किंसंस डिजीज एक मानसिक रोग है। इसमें इंसान को चलने में परेशानी होना, शरीर में कंपन, अकड़न के साथ शरीर का बैलेंस बनाने में मुश्किल होती है। मरीज के बोलने पर जुबान लड़खड़ाती है, लिखने पर हाथ कांपते हैं। धीरे-धीरे शरीर के काम करने की क्षमता घट जाती है। अब तक इसका सटीक इलाज नहीं खोजा जा सका है। दवाओं के जरिए लक्षणों को घटाने की कोशिश की जाती है। माना जाता है कि पार्किंसंस से जूझ रहे 40 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों का इलाज कोई न्यूरोलॉजिस्ट या पार्किंसंस स्पेशलिस्ट नहीं करता है। डॉ. सैन्ड्रा सैजमैन्स्की ने बताया कि 60 बेड के अस्पताल में मरीजों को आयुर्वेदिक पूरक पद्धति से उपचार के दौरान योग कराया जाता है। मेडिटेशन, मसाज और स्पीच थैरेपी दी जाती है। मरीजों को आयुर्वेदिक डाइट का विकल्प होता है। अस्पताल के किचन में बनने वाली आयुर्वेदिक डाइट पूर्णतः शाकाहारी होती है। डायबिटीज में भी ये फायदेमंद होती है। डॉ. हॉर्स्ट प्रेजुन्टेक ने भारत प्रवास के दौरान आयुर्वेद के फायदों को जाना।

मोटापा घटाने वाली दवाइयों का सभी पर समान असर नहीं

लंदन, एजेंसी।
इन दिनों सोशल मीडिया पर मोटापा घटाने वाली दवाओं की बाढ़ आई हुई है, लेकिन ये दवाएं सभी पर समान तरीके से काम नहीं करती हैं। कुछ लोगों का वजन 20 प्रतिशत तक घट जाता है और कुछ को 1 प्रतिशत घटाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है।

इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं है, क्योंकि मोटापे की वजहें अलग-अलग होती हैं। मेयो क्लिनिक में मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर डॉ. एंड्रेस एकोस्टा ने इन वजहों का पता लगाने के लिए खुद को 10 सालों तक लेबोरेटरी में झोंक दिया। उन्होंने मोटापे की वजहों को हिस्सों में बांटा है। इसमें वे लोग आते हैं जो कभी भी पेट भरा हुआ महसूस नहीं करते। इसमें ऐसे लोग आते हैं जो पेट भर जाने तक खाते हैं और एक-दो घंटे में दोबारा भूख लगने लगती है। तीसरी वजह- इमोशनल हंग्री यानी भावनात्मक भूख ऐसे लोग जो खुद को पुरस्कत करने के लिए खाते हैं या भावनात्मक मुद्दों से निपटने के लिए जमकर खाते हैं। जिनके मेटाबॉलिज्म मुश्किल से कैलोरी बर्न करता है। डॉ. एकोस्टा का कहना है कि मोटापा किस कारण से है, उपचार के दौरान इसकी जानकारी होनी चाहिए। मिसाल के तौर पर जो कभी भी पेट भरा हुआ महसूस नहीं करते हैं, उन्हें डाइट कंट्रोल करने में अधिक संघर्ष करना पड़ेगा और जिनका मेटाबॉलिज्म मुश्किल से कैलोरी बर्न करता है। ऐसे लोग कभी भी पर्याप्त वजन कम नहीं कर सकते, भले ही वे कितना ही एक्सरसाइज करें। एकोस्टा और उनकी टीम ने एक लार टेस्ट विकसित किया है, जो उनके द्वारा पहचाने गए मोटापे से संबंधित जीन के एक सेट का विश्लेषण करके चार प्रकार के मोटापे को अलग कर देता है। ये परीक्षण चिकित्सकों और रोगियों को इस बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन देगा कि किस लक्षण पर कौनसी दवा ज्यादा प्रभावी होगी।

उनका कहना है कि अभी तक मोटापा कम करने के लिए दवा का इस्तेमाल करना अंधेरे में तीर चलाने जैसा था। यह प्रैक्टिस मोटापे के क्षेत्र में काफी व्यापक और जोखिमभरी है। अमेरिका ने हाल ही में इस टेस्ट को मंजूरी दी है और करीब 300 से अधिक चिकित्सक इस टेस्ट के लिए आगे आए हैं। इलिनॉय ओबेसिटी सोसाइटी के प्रेसिडेंट और मोटापा विशेषज्ञ डॉ. जैद जब्बार कहते हैं कि इससे हमें यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि किन रोगियों को किस श्रेणी की दवाएं देनी हैं या डाइट में बदलाव करना है।

मोटापे के ज्यादातर लोग हंग्री ब्रेन और हंग्री गट की श्रेणी में ही आते हैंत्र एकोस्टा का कहना है कि 40-70 प्रतिशत लोगों में मोटापे की वजह जेनेटिक्स है। अधिकांश लोग हंग्री गट या हंग्री ब्रेन श्रेणी में आते हैं। हंग्री गट वाले लोगों के लिए उच्च प्रोटीन युक्त भोजन मददगार हो सकता है, जो जीएलपी-1 जैसे हार्मोन की सक्रियता बढ़ा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129